CMYK

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

SUNDAY

बिलासपुर, रविवार, 13 जुलाई 2025

वर्ष - 35 | अंक - 74 | पृष्ठ - 12 |

मूल्य - 4.00 रु.

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

सपर्क करें :- bilaspurdeshbandhu@gmail.com

35 YEARS

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

- मड़ई
  सरग के भोग–बोरे बासी पृष्ठ 4
- लॉर्ड्स टेस्ट : केएल राहुल का शतक
- शुभमन गिल ने बदली हुई ड्यूक्स गेंद से जताई नाराजगी पृष्ठ 10

देश विदेश
- बांग्लादेश : अब चुनाव में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी
- बांग्लादेश में छात्र की हत्या से भड़का जन-आक्रोश
- अजित डोभाल के बयान से बौखलाया पाकिस्तान

पृष्ठ 9

विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट में खुलासा

उड़ान के बाद दोनों इंजन बंद हो गए थे

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान के इंजन के फ्यूल कंट्रोल स्विच टेकऑफ के तीन सेकंड बाद 'रन' से 'कटऑफ' की स्थिति में चले गए, जिसके कारण विमान उड़ान भरने के बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शनिवार को विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती जांच रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। एयर इंडिया फ्लाइट 171 के इंजनों को ईंधन आपूर्ति करने वाले दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक के बाद एक 'रन' से 'कटऑफ' पोजिशन में चले गए, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट को दूसरे से पूछते हुए सुना गया कि उसने ईंधन बंद क्यों किया, जिसके जवाब में दूसरा पायलट कहता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

- एएआईबी की शुरुआती जांच रिपोर्ट आई सामने
- ईंधन आपूर्ति करने वाले दोनों स्विच बंद हो गए थे
- विमान उड़ान भरने के बाद ही हो गया था दुर्घटनाग्रस्त

पायलटों में भ्रम की स्थिति का संकेत

रिपोर्ट के अनुसार, इंजन 1 और 2 के ईंधन स्विच कुछ ही सेकंड में 'रन' स्थिति में आ गए। दोनों इंजनों के ईजीटी बढ़ गए, जो बताता है कि पुनः रिलाइट प्रक्रिया शुरू हो गई। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि पायलटों में भ्रम की स्थिति थी। एक पायलट ने पूछा, आपने कट क्यों किया? दूसरे ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं किया, जिससे संभवतः गलतफहमी का संकेत मिलता है। इस उड़ान में सह-पायलट क्लाइव कुंदर विमान उड़ा रहे थे, जबकि मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल उड़ान की निगरानी कर रहे थे।

1,100 घंटे से अधिक का अनुभव

सभरवाल के पास बोइंग 787 पर करीब 8,600 घंटे का अनुभव था, जबकि कुंदर के पास 1,100 घंटे से अधिक का अनुभव था। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पायलटों को उड़ान से पहले पर्याप्त आराम मिला था। 15 पेज की रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान शुरू होने से लेकर दुर्घटना तक लगभग 30 सेकंड तक चली। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला है जिसके आधार पर बोइंग 787-8 विमान और जीई जेनएक्स-1बी इंजन बनाने वाली कंपनी के लिए कोई चेतावनी जारी करनी पड़े।

270 लोगों की मौत हो गई थी

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

पायलट्स एसोसिएशन का दावा पायलट की गलती साबित करने की हड़बड़ी

12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के एआई 171 पर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए-आई) ने कई सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसोसिएशन ने कहा, 'जांच का लहजा और जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत दे रही है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं।' बयान में आरोप लगाया गया कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट मीडिया को लीक की गई। एसोसिएशन को इस बात की चिंता है कि प्रारंभिक एएआईबी रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया के साथ साझा की गई।

जांच में पारदर्शिता के अभाव का आरोप

एसोसिएशन ने जांच में पारदर्शिता के अभाव का भी आरोप लगाया। कहा गया कि जांच पूरी तरह से गोपनीय रही। इससे विश्वसनीयता पर असर हुआ और जनता भी इससे पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है। इसके अलावा योग्य, अनुभवी कर्मियों विशेष रूप से लाइन पायलटों को अभी भी जांच दल में शामिल नहीं किया जा रहा है।

रायपुर सहित सात नगरीय निकायों को स्वच्छता अवार्ड

17 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी सम्मानित

रायपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। नई दिल्ली में आगामी 17 जुलाई को आयोजित होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के सात नगरीय निकायों को स्वच्छता के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु इन पुरस्कारों को प्रदान करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल तथा केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसिडेंट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम को तीन लाख से दस लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार आबादी वाले शहरों की श्रेणी में तथा बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में यह सम्मान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रायपुर नगर निगम को स्वच्छता के क्षेत्र में राज्य स्तर पर श्रेष्ठ कार्यों के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मिनिस्ट्रियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

- मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री साव ने चयनित नगरीय निकायों को दी बधाई

स्वच्छता के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहरों को पहचान देने हेतु इस वर्ष सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) नामक एक विशेष श्रेणी की शुरुआत की गई है। इस लीग में वे शहर शामिल किए गए हैं, जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में स्थान प्राप्त कर चुके हैं तथा वर्तमान वर्ष में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं। इस

छत्तीसगढ़ के सात नगरीय निकायों का स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में राष्ट्रीय स्तर पर चयन होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। यह हमारे नगरीय प्रशासन, स्थानीय निकायों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। बिलासपुर, कुम्हारी, बिल्हा, रायपुर, अंबिकापुर, पाटन और बिश्रामपुर जैसे शहरों ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह अन्य निकायों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। मैं सभी विजेता नगरीय निकायों को बधाई देता हूँ और विश्वास जताता हूं कि छत्तीसगढ़ स्वच्छता के इस अभियान में देश का अग्रणी राज्य बना रहेगा।

– **विष्णु देव साय** (मुख्यमंत्री)

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

वोट कटने से चुनाव की निष्पक्षता होगी प्रभावित : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शनिवार को यहां संवादाताओं से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं से मांगे गए दस्तावेजों के अभाव में यदि बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने से वंचित कर दिए गए तो चुनाव की निष्पक्षता कैसे रह पाएगी? उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के अभाव में मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम कटने से चुनाव में अपने प्रतिनिधि चुनने का समान अवसर सबको कैसे दिया जा सकेगा?

पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 16वें रोजगार मेले के तहत देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 51, से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का सिपाही बताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति 'बिना पर्ची, बिना खर्चे' की पारदर्शी प्रक्रिया का हिस्सा है।

आईआईएम कलकत्ता में दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) कलकत्ता में शनिवार को एक स्टूडेंट से बलात्कार का मामला सामने आया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर दोनों की जान-पहचान हुई थी। स्टूडेंट किसी निजी मामले में सलाह के लिए आरोपी से मिलने आईआईएम आई थी। इसके बाद उसे बॉयज हॉस्टल ले जाया गया, जहां उससे रेप हुआ।

साइबर फ्रॉड केस : कई शहरों में ईडी ने छापे मारे

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोन ऑफिस ने शनिवार को अहमदाबाद, जयपुर, जबलपुर और पुणे स्थित कई कैंपसों में छापेमारी की।

आंगनबाड़ियों में घटिया सामान की आपूर्ति, 6 सप्लाई एजेंसियां ब्लैक लिस्टेड

रायपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों और महिलाओं के लिए भेजी गई सामग्रियों की गुणवत्ता पर उठे सवालों पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए छह सप्लायरों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था, जिसमें संयुक्त संचालक (वित्त), सीएसआईडीसी और जीईसी रायपुर के तकनीकी प्रतिनिधि, संबंधित जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक संचालक (आईसीडीएस) और दो तकनीकी निरीक्षण एजेंसियों एस जी एस इंडिया और सिस्टम्स के विशेषज्ञ शामिल थे।

समिति ने सभी जिलों में सामग्री की गुणवत्ता का भौतिक परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट संचालनालय को सौंपी।

- राज्य स्तरीय जांच समिति ने सौंपी जांच रिपोर्ट

रिपोर्ट के आधार पर दोषी प्रदायकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए छह सप्लायरों मेसर्स नमो इंटरप्राईजेस, मेसर्स आयुष मेटल, मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मेसर्स मनीधारी सेल्स, मेसर्स ओरिएंटल सेल्स, मेसर्स और सोनचिरिया कॉर्पोरेशन एजेंसियों को जेम पोर्टल से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।

भविष्य में ये एजेंसिया किसी भी प्रकार की सामग्रियों की शासकीय सप्लाई भी नही कर पाएगी। विभाग द्वारा इन सभी से घटिया सामग्रियों को वापस मंगाकर मानकों के अनुरूप सामग्री की आपूर्ति कराई गई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने वर्ष 2024-25 में कुल 23.44 करोड़ रुपये की सामग्री जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी की थी। जिसमें गुणवत्ता हीन सामग्रियों का मामला सामने आया था।

राज्य स्तरीय जांच समिति द्वारा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जशपुर, सरगुजा और जांजगीर-चांपा जिलों में जाकर प्रदाय की गई सामग्रियों का गहन निरीक्षण किया गया।

1.18 करोड़ के इनामी नक्सली सहित 23 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिला सुकमा में एसपी किरण चव्हाण के निर्देशन में छत्तीसगढ़ शासन की "छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति" एवं "नियद नेल्ला नार" योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर नक्सली संगठन में सक्रिय 09 महिला सहित 23नक्सलियों के द्वारा नक्सल संगठन को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला सुकमा में आनंद सिंह राजपुरोहित, उप पुलिस महानिरीक्षक (परि.) रेंज सुकमा, सैयद मोहम्मद हबीब असगर, उप पुलिस महानिरीक्षक (परि.) रेंज जगदलपुर, किरण चव्हाण, पुलिस अधीक्षक जिला सुकमा, गोपाल कुमार गुप्ता, कमांडेंट 227 वाहिनी सीआरपीएफ, कमलेश कुमार कमांडेंट 02 वाहिनी सीआरपीएफ, सुरेश सिंह पायल द्वितीय कमान अधिकारी डीआईजी ऑफिस सुकमा, नवीन कुमार यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, 227 वाहिनीं सीआरपीएफ, अभिषेक वर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक,

- पूर्व कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन का अपहरण करने वाला भी शामिल

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

राधिका यादव हत्याकांड

आरोपी पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

गुरुग्राम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपी पिता दीपक यादव को शनिवार को गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी पिता दीपक को भोंडसी जेल में रखा जाएगा।

इससे पहले दीपक यादव ने अपनी बेटी राधिका की हत्या करने का जुर्म कबूल किया था, जिसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने कोर्ट से एक दिन की रिमांड की अनुमति ली। घटनास्थल से गुरुवार को पुलिस ने राधिका के पिता को पकड़ा था। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद शनिवार को आरोपी दीपक को दोबारा कोर्ट में पेश किया गया।

गुरुग्राम के सेक्टर-57 स्थित सुशांत लोक फेज-2 में 25 वर्षीय बेटी राधिका यादव की हत्या हुई थी, जिसमें उनके पिता को आरोपी पाया गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि बेटी राधिका यादव के टेनिस एकेडमी चलाने से उनके पिता दीपक यादव नाराज थे। कथित तौर पर दीपक ने कई बार टेनिस अकादमी बंद करने के लिए कहा, लेकिन बेटी राधिका यादव नहीं मानी।

तालाब में डूबने से भाई-बहन सहित चार मासूमों की मौत

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के बलौदा थाना अंतर्गत ग्राम भैंसतरा में शनिवार को एक हृदयविदारक हादसे में चार मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में एक भाई और बहन सहित तीन बच्चियां व एक लड़का शामिल हैं। सभी की उम्र 5 से 8 वर्ष के बीच थी। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

- स्कूल से लौटने के बाद घर पर अपना बैग रखकर तालाब की ओर गए थे बच्चे

जानकारी के अनुसार, मृत बच्चों की पहचान 8 वर्षीय पुष्पांजली श्रीवास, 5 वर्षीय तुषार श्रीवास (दोनों भाई-बहन), 6 वर्षीय ख्याति केंवट और 6 वर्षीय अंबिका यादव के रूप में हुई है। चारों बच्चे अलग-अलग तीन परिवारों से ताल्लुक रखते थे। शनिवार दोपहर लगभग 12 से 1 बजे के बीच ये सभी बच्चे स्कूल से लौटने के बाद घर पर अपना बैग रखकर नजदीकी तालाब की ओर चले गए। यह तालाब गांव में स्थित है और अक्सर गर्मी के दिनों में बच्चे यहां नहाने जाया करते थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। कुछ समय

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

कांवड़ मार्ग पर 'क्यूआर कोड' के निर्देश को चुनौती

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों को मालिकों की जानकारी हासिल करने के लिए कथित तौर पर 'क्यूआर कोड' प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष 'कांवड़ यात्रा' 11 जुलाई से नौ अगस्त के बीच निर्धारित है।

प्रो. अपूर्वानंद झा की ओर से दायर इस रिट याचिका में दलील देते हुए कहा गया है कि निर्देश शीर्ष अदालत के 2024 के एक आदेश के खिलाफ है। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर विक्रेताओं को अपनी पहचान उजागर करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। ऐसा निर्देश संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17, 19 और 21 का उल्लंघन है। उन्होंने अपनी याचिका में कुछ मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि कांवड़ मार्ग पर सभी भोजनालयों को क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है जो ग्राहकों को स्वामित्व संबंधी जानकारी हासिल करने की अनुमति देते हैं। प्रो. झा की याचिका में तर्क दिया गया है कि क्यूआर कोड संबंधी निर्देश डिजिटल माध्यमों से असंवैधानिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए जानबूझकर शीर्ष अदालत के निर्देशों का उल्लंघन करते हैं। याचिका में कहा, जब तक यह अदालत प्रतिवादियों को इस अप्रत्यक्ष कार्यान्वयन को जारी रखने से रोकने के लिए तत्काल निर्देश जारी नहीं करती, तब तक प्रभावित विक्रेताओं, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के मौलिक अधिकारों को अपूरणीय क्षति पहुंचने का गंभीर और खतरा मंडराता रहेगा।

ग्लोबल वार्निंग — इस बार भी श्राइन बोर्ड को नहीं मिली कामयाबी

हिमलिंग को पिघलने से बचाने के उपाय धरे रह गए

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 12 जुलाई (देशबन्धु)। इस बार भी अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के सारे अनुमान धरे रह गए हैं। जिस लोहे व शीशे की ग्रिल का सहारा हिमलिंग को बचाने के लिए लिया गया था वह भी उसे पिघलने से इसलिए नहीं बचा पाई क्योंकि इस बार 22 फुट का हिमलिंग पिघल कर अब अंतर्ध्यान हो चुका है।

ऐसा भक्तों की सांसों की गर्मी के साथ साथ ग्लोबल वार्मिंग के कारण भी हुआ है। अब इससे निपटने का तरीका अत्याधुनिक तकनीक का ही सहारा है। पर श्राइन बोर्ड फिलहाल तकनीक का सहारा क्यों नहीं ले पा रहा है इसके पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हैं। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के बकौल, अमरनाथ की गुफा को तकनीक के सहारे ठंडा और वातानुकूलित बनाने की योजना श्राइन बोर्ड ने उसी समय तैयार की थी जब वह अस्तित्व में आया था। लेकिन यह मामला कई साल तक कोर्ट में रहा जिस कारण श्राइन बोर्ड इस संबंध में कोई कदम उठाने से परहेज कर रहा है। वे कहते हैं कि गुफा को पूरी तरह से वातानुकूलित करने, आइस स्केटिंग रिंक तकनीक का इस्तेमाल करने की योजना है। इसी के तहत कई अन्य प्रस्तावों पर भी विचार किया गया था जिनमें एयर कर्टन, रेडियंटस कूलिंग पैनलस और फ्रोजन ब्राइन टेऊका इस्तेमाल भी था।

उनका कहना था कि इनमें से कई तकनीकों का सफल प्रयोग मुंबई, श्रीनगर तथा गुलमर्ग में कर लिया गया था लेकिन अमरनाथ गुफा में इनका प्रयोग करने से पूर्व ही माननीय कोर्ट ने इन सब पर रोक उस समय कुछ साल पहले लगा दी थी जब गुफा में कथित तौर पर कृत्रिम हिमलिंग बनाने का मामला उठा था। हालांकि वे कहते थे कि श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को रेडियंट कूलिंग पेनलस का विकल्प बहुत ही जायज लगा था, लेकिन हाईकोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दिए जाने के कारण मामला अंतिम चरण में जाकर रूक गया था। विशेषज्ञों के मुताबिक अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान के बढ़ने की आशंका होगी। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे।

***ज्यादा भीड़ के कारण पिघल गया था**– साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। आंकड़ों के मुताबिक उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट के रह गए थे।*

मड़ना डिपो क्षेत्र में हो रही चोरियों का खुलासा पुलिस ने गिरोह का किया भंडाफोड़

करीब 4 लाख का माल बरामद

गौरेला पेंड्रा मरवाही 12 जुलाई (देशबन्धु)। थाना गौरेला क्षेत्र के मड़ना डिपो इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक श्री सुरजन राम भगत के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई की गई। संदेह था कि इन घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह सक्रिय है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी गौरेला श्याम सिदार की निगरानी में साइबर सेल की टीम को तकनीकी विश्लेषण और सूचना संकलन के लिए लगाया गया। साइबर सेल द्वारा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी इनपुट एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से आरोपियों की पतासाजी कर उन्हें चिन्हित किया गया और गिरफ्तार किया गया।

पुलिस द्वारा की गई जांच में दो अलग-अलग प्रकरणों का खुलासा हुआ। पहला मामला अपराध क्रमांक 188/25, धारा 331(4), 305 बीएनएस, दिनांक 5-6 जुलाई 2025 की दरम्यानी रात प्रार्थी फजल इलाही के घर मरना डिपो में हुई चोरी से संबंधित है, जिसमें सोना-चांदी, नगदी सहित कुल ?2,20,000 की चोरी की गई थी। दूसरा मामला अपराध क्रमांक 109/25, धारा 331(4), 305 बीएनएस, दिनांक 5-6 मई 2025 की रात मड़ना डिपो क्षेत्र में हुई चोरी से जुड़ा है। इन दोनों मामलों में पुलिस ने नवीन जायसवाल पिता राजेश जायसवाल उम्र 22 वर्ष निवासी मड़ना डिपो, दुर्गेश रजक पिता दशरथ रजक उम्र 19 वर्ष निवासी कल्लू मोहल्ला गौरेला तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया है।

जांच के दौरान आरोपी नवीन जायसवाल के कब्जे से चोरी गए सोने के आभूषण, दो नग मोबाइल फोन एवं दो नग डीवीआर जब्त किए गए। आरोपी दुर्गेश रजक से ?1000 नकद तथा चोरी की राशि से खरीदा गया एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। वहीं विधि से संघर्षरत बालक के कब्जे से चोरी गए सोने के आभूषण एवं मोबाइल फोन जब्त किए गए। आरोपियों से कुल बरामदगी में सोना-चांदी, विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन, डीवीआर तथा नगद मिलाकर कुल अनुमानित जुमला मूल्य लगभग ?4,00,000 आंका गया है। इस कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश ध्रुव, प्रधान आरक्षक रवि त्रिपाठी, आरक्षक चौपाल कश्यप, राजेश शर्मा एवं इंद्रपाल आर्मो की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही थाना गौरेला प्रभारी अंजना केरकेट्टा एवं उप निरीक्षक रामनिवास राठौर ने भी पूरी टीम के साथ समन्वय बनाकर प्रकरण के खुलासे और विवेचना में अहम योगदान दिया। प्रकरण में विवेचना जारी है।

पेट्रोल डालकर युवती का स्कूटी जलाने वाले आरोपी भाटापारा में पकड़ाए

मुंगेली 12 जुलाई (देशबन्धु)। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक युवती की स्कूटी में पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले दो आरोपियों को मुंगेली पुलिस ने भाटापारा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और पेट्रोल से भरा प्लास्टिक डिब्बा भी बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई की गई। 11 जुलाई को पीड़िता ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि भाटापारा निवासी विकास माधवानी से उसका पूर्व में प्रेम संबंध था। एटीएम कार्ड को लेकर दोनों के बीच तीन दिन पहले विवाद हुआ था। इसी रंजिश में विकास ने अपने मित्र विशाल मंधान के साथ मिलकर युवती के किराये के घर में घुसने की कोशिश की और दरवाजे को तोड़ते हुए गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। जब युवती ने दरवाजा नहीं खोला तो विकास ने पेट्रोल से भरी बोतल से उसकी इलेक्ट्रिक स्कूटी और एक्टिवा वाहन में आग लगा दी और विशाल के साथ फरार हो गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने साइबर सेल और सिटी कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की तलाश के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा और एसडीओपी मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में जांच टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों—विकास माधवानी (पिता भागचंद माधवानी, उम्र 37 वर्ष) और विशाल मंधान (पिता मोतीलाल मंधान, उम्र 37 वर्ष), दोनों निवासी बजरंग वार्ड, भाटापारा—को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने उनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल और पेट्रोल भरा प्लास्टिक डिब्बा जब्त किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।इस कार्रवाई में सिटी कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक गिरीजाशंकर यादव, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सुशील कुमार बंछोर, सउनि. ईश्वर सिंह राजपूत, प्रआर. लोकेश राजपूत, नरेश यादव, यशवंत डाहिरे, आरक्षक गिरीराज परिहार, महेन्द्र सिंह ठाकुर, जितेन्द्र सिंह और मनोज टंडन की सराहनीय भूमिका रही।

बदहाल सड़क 10 दिन में सुधारें अन्यथा एसडीएम दफ्तर का घेराव

पथरिया 12 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पंचायत पथरिया अंतर्गत तखतपुर-सरगांव मुख्य मार्ग की बदहाली को लेकर युवा कांग्रेस ने विरोध का बिगुल फूंक दिया है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी इस सड़क पर अब तक कोई सुधार कार्य नहीं हुआ, जिससे नाराज़ होकर ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल राजपूत एवं नेता प्रतिपक्ष रंजीता ओंकार यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एसडीएम अजय शतरंज को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि आगामी 10 दिनों में सड़क मरम्मत का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ, तो युवा कांग्रेस एसडीएम कार्यालय का घेराव करेगी। ज्ञापन सौंपने पहुंचे कार्यकर्ताओं ने बताया कि यह मार्ग पथरिया नगर को तखतपुर और सरगांव से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जिसकी हालत वर्षों से बदहाल है। हल्की बारिश में ही यह सड़क कीचड़युक्त होकर दुर्घटनाओं को आमंत्रण देती है। सड़क की खस्ताहाली के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं, आम नागरिकों, मरीजों सहित हजारों लोगों को रोजाना भारी परेशानी उठानी पड़ती है। यही मार्ग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, जिला सहकारी बैंक व अन्य महत्वपूर्ण विभागीय कार्यालयों को जोड़ता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बताया कि अब तक नगरवासियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार आवेदन व निवेदन के बावजूद भी इस मार्ग की मरम्मत नहीं हो पाई है। यदि दस दिनों में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो मजबूरन युवा कांग्रेस सड़क पर उतरकर चक्का जाम और धरना प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल राजपूत, नेता प्रतिपक्ष रंजीता ओंकार यादव, पार्षद दीपक साहू, प्रकाश भार्गव, युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अभिषेक यादव, पूर्व पार्षद सम्पत जायसवाल, धर्मेंद्र श्रीवास सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडीएम पथरिया अजय शतरंज ने बताया कि ज्ञापन में उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है, और पीडब्ल्यूडी विभाग को सड़क मरम्मत के लिए निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल तखतपुर पहुंचे, जर्जर सड़कों का जायजा लिया

तखतपुर 12 जुलाई (देशबन्धु)। सड़क की खस्ताहाल को लेकर बीते दिवस कांग्रेसियों ने धरना प्रदर्शन कर शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए तत्काल मरम्मत की मांग की थी और इसके बाद कलेक्टर संजय अग्रवाल तखतपुर पहुंचकर सड़क की स्थिति का जायजा लेकर गए।

मोढ़े मार्ग से मनियारी पुल एवं गौरव पथ सड़क की दूर्दशा को लेकर कांग्रेसजनों के द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया कांग्रेसियों की मांग है कि सड़क की हालत इतनी दयनीय है कि वाहन तो दूर पैदल चलना दूभर हो गया है। लगातार दूर्घटना घट रही है कभी आटो पलट रहा है तो कभी सिलेण्डर से भरे आटो पलट रही है लोग हताहत हो रहे है लम्बे समय से इस सड़क की मरम्मत की मांग की जा रही है परंतु इस पर ध्यान नही दिया जा रहा है इसलिए कांग्रेसजनों ने धरना प्रदर्शन कर ध्यान आकृष्ट कराया था। आज कलेक्टर संजय अग्रवाल सुबह 8 बजे तखतपुर पहुंचें और स्थानीय प्रशासन के साथ सड़कों

की स्थिति का जायजा लिए तथा इसके शीघ्र मरम्मत कराए जाने की बात कहीं। मोढ़े मार्ग के पास यात्री प्रतिक्षालय का प्रस्ताव भेजे जाने को कहा साथ मंगल भवन की स्थिति, सब्जी बाजार को कंकट्टी डबरी प्रतिस्थापन करना, पचरैया नाला के पास हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाए जाने के लिए निर्देशित किया तथा पुराने मण्डी के पास नगरपालिका की ओर से बनाए गए काम्प्लेक्स की निलामी की फाईल को तत्काल कार्यालय में भेजने के निर्देश सीएमओं को दिए। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओं संदीप अग्रवाल, नगरपालिका अध्यक्ष रविंद्र पूजा मक्कड़, संजू मक्कड़, एसडीएम शिव कुमार कंवर, तहसीलदार पंकज सिंह, सीईओं सत्यव्रत तिवारी, सीएमओं अमरेश सिंह, अजय देवांगन, सुनील जांगड़े सहित अन्य उपस्थित रहे।

सीएमओं को लगाई फटकार-नगर में सफाई की दूर्दशा को लेकर कलेक्टर संजय अग्रवाल काफी नाराज दिखे और मौके पर उपस्थित सीएमओं अमरेश सिंह को जमकर फटकार लगाई तथा कहा कि साफ सफाई को लेकर विशेष सजगता बरते, बरसात के समय में गंदगी होने की स्थिति में बिमारी फैलने की अंदेशा रहती है इसलिए सफाई पर नजर रखे और गंदगी कहीं भी एकत्रित न हो इसका विशेष ख्याल रखे।

प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा नवमी में प्रवेश हेतु काउंसलिंग 15 से 18 तक

मुंगेली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा नवमी में प्रवेश के लिए प्रतीक्षा सूची में शामिल विद्यार्थियों की काउंसलिंग सत्र 2025-26 हेतु 15 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग महेंद्र खांडेकर ने जानकारी दी कि एस.टी. एवं पी.वी.टी.जी. वर्ग के बालकों की काउंसलिंग 15 जुलाई को तथा बालिकाओं की काउंसलिंग 16 जुलाई को आयोजित होगी। अनुसूचित जाति वर्ग के बालक एवं बालिकाओं की काउंसलिंग 17 जुलाई को तथा अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों की काउंसलिंग 18 जुलाई को की जाएगी। यह काउंसलिंग रायपुर स्थित गुढ़ियारी प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक संपन्न होगी। काउंसलिंग में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र, वर्ष 2024-25 में कक्षा आठवीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र, शाला स्थानांतरण पत्र, मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाण पत्र, सिकल सेल जाँच प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो एवं काउंसलिंग प्रपत्र आदि दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने की स्थिति में रिक्त सीटों के आधार पर संस्था का आबंटन किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर सहित सात नगरीय निकायों...

नवीन श्रेणी में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों का चयन हुआ है। अंबिकापुर नगर निगम (50 हजार से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी), पाटन नगर पंचायत तथा बिश्रामपुर नगर पंचायत (20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी) को एसएसएल के लिए चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयनित सातों नगरीय निकायों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा स्थानीय निकायों द्वारा सतत किए जा रहे प्रयासों का यह उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने आशा जताई कि आने वाले समय में राज्य के और भी अधिक नगरीय निकाय स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शहरी सरकारों से लेकर राज्य और केंद्र सरकार तक, सभी मिलकर शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधासंपन्न बनाने हेतु अनेक नवाचारों के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं।

1.18 करोड़ के इनामी नक्सली...

सुकमा, अमरजीत गुप्ता, उप कमांडेंट डीआईजी ऑफिस जगदलपुर , टी. सैमसन राजू, उप कमांडेंट, 02 वाहिनी सीआरपीएफ, मनीष रात्रे , उप पुलिस अधीक्षक, नक्सल ऑपस सुकमा, हर्षिल सहायक कमाडेंट 02 वाहिनी सीआरपीएफ एवं निरीक्षक मोहम्मद सुहैल सिद्दीकी , आरएटी जगदलपुर समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया।

आत्मसमर्पण करने वाले में पूर्व कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन का अपहरण करने वाले लोकेश उर्फ पोड़ियाम भीमा (दक्षिण सब जोनल ब्यूरो सप्लाई टीम कमांडर/डीव्हीसीएम ईनाम 8 लाख), टेकलगुड़ा मुठभेड़ में शामिल रमेश उर्फ कलमू केसा (पीएलजीए बटालियन नंबर 01, हेडक्वार्टर कम्पनी नंबर 03, प्लाटून नंबर 02, सेक्शन ''बी''/सीसीएम माड़वी हिड़मा का गार्ड कमाण्डर (पीपीसीएम) ईनाम 8 लाख), बुर्कापाल मुठभेड़ में शामिल कवासी मासा (पीएलजीए बटालियन नं. 01, कम्पनी नं0 02 प्लाटून नं0 02, सेक्शन ''बी'' का पार्टी सदस्य/पीपीसीएम ईनाम 8 लाख), प्रवीण उर्फ संजीव उर्फ मड़कम हुंगा (उत्तर/पश्चिम सब जोनल ब्यूरो स्टॉप टीम/पीपीसीएम। ईनाम 8 लाख), करेगुट्टा पहाड़ी की घटना में शामिल नुप्पो गंगी (पीएलजीए बटालियन नं. 01 कम्पनी नं.-02, प्लाटून नं. 01, सेक्शन ''ए'' की पार्टी सदस्या/पीपीसीएम ईनाम 8 लाख), ताड़मेटला मुठभेड़ में शामिल पुनेम देवे (पीएलजीए बटा. नं. 01, कम्पनी नं. 01, प्लाटून नम्बर 03, सेक्शन ''बी'' की पीपीसीएम ईनाम 08 लाख), परस्की पाण्डे (पीएलजीए बटालियन नम्बर 01 हेड चार्टर सप्लाई की पार्टी सदस्या ईनाम 08 लाख), माड़वी जोगा पिता (पीएलजीए बटालियन हेर्ड चाटर पार्टी सदस्य/बीएनपीसी राजे उर्फ राजक्का का गार्ड ईनाम 08 लाख), नुप्पो लच्छु उर्फ लक्ष्मण (पीएलजीए बटालियन हेर्ड चाटर/एसजेडसीएम सन्नु दादा का गार्ड ईनाम 08 लाख), पोड़ियाम सुखराम (पीएलजीए बटालियन नं. 01 कम्पनी नं. 03, प्लाटून नं. 03, सेक्शन ''ए'' का पार्टी सदस्य ईनाम 08 लाख), मिनपा मुठभेड़ में शामिल दूधी भीमा (प्लाटून नंबर 04 का डिप्टी कमाण्डर पीपीसीएम ईनाम 08 लाख), मुचाकी रनौती उर्फ हिड़मे (पामेड़ एरिया टेलर टीम पार्टी कमाण्डर/एसीएम ईनाम 05 लाख), कलमू दूला (दक्षिण बस्तर डिवीजन कृषि टीम कमाण्डर/एसीएम ईनाम 05 लाख), दूधी मंगली (कोंटा एरिया कृषि शाखा अध्यक्ष/एसीएम ईनाम 05 लाख), सिद्धार्थ उर्फ माड़वी इंदा (कालाहाण्डी, कंदमल डिवीजन अन्तर्गत पूर्वी ब्यूरो एलजीएस कमाण्डर/एसीएम ईनाम 05 लाख), हेमला रामा (दक्षिण सब जोनल ब्यूरो टी0डी0 टीम पार्टी सदस्य ईनाम 03 लाख), सोड़ी हिड़मे (पामेड़ एरिया मेडिकल टीम कमाण्डर/पार्टी सदस्या ईनाम 01 लाख), कवासी जोगा, रूपा उर्फ भीमे मड़कमी, गगन उर्फ करटम दुड़वा, कवासी हुंगी, कारम भीमा, मड़कम नंदे शामिल है।

आत्मसमर्पण करने वाले तीन नक्सल दंपति लोकेश उर्फ पोडियम भीमा - मुचाकी रनौती उर्फ हिडमें, दूधी भीमा - पोडियम मंगली, कारम भीमा - मड़कम नंदे है।

उपरोक्त सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन के नवीन पुनर्वास नीति ''छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति -2025 '' के तहत् प्रत्येक को 50-50 हजार रूपये के मान से प्रोत्साहन राशि एवं अन्य सुविधायें प्रदान करायें जायेंगे। आत्मसमर्पित नक्सली मे पूर्व कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन के अपहरण मे शामिल रहे। अब तक का सबसे बड़ी रकम ईनामी नक्सलियों के समर्पण से संघठन लगभग खात्मे की ओर अग्रसर है।

तालाब में डूबने से...

बाद जब बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। तालाब के किनारे बच्चों के कपड़े और चप्पल देखे गए, जिससे अनहोनी की आशंका और प्रबल हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल पानी में तलाश शुरू की और कुछ ही देर में चारों बच्चों के शव बाहर निकाले गए। परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बलौदा लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही बलौदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। गांव में एक साथ चार बच्चों की मौत की खबर ने पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। चारों परिवारों में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीण स्तब्ध हैं कि ऐसा भीषण हादसा कैसे हो गया।

विधायक ने घटना को बताया अत्यंत दुखद, परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

ग्राम भैसतरा में चार मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से हुई दर्दनाक मौत की खबर मिलते ही क्षेत्रीय विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह तत्काल बलौदा मरचुरी पहुंचे। वहाँ उन्होंने शोकसंतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। विधायक ने इस हृदयविदारक घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन को आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही विधायक श्री सिंह ने जनता से अपील की कि वर्तमान में वर्षा के कारण खेतों और तालाबों में जलभराव की स्थिति बन गई है। ऐसी परिस्थिति में बच्चों को अकेला न छोड़ें और उनकी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दें, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई

बलौदा थाना पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिवत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है, हालांकि अब तक किसी अपराधिक तत्व की पुष्टि नहीं हुई है।

बिलासपुर-पेंड्रा एन एच-45 की दुर्दशा पर वायरल मीम – जब घायल अमिताभ बोले- पेंड्रा गया था...

गौरेला पेंड्रा-मरवाही 12 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 यानी बिलासपुर-पेंड्रा-जबलपुर मार्ग की जर्जर हालत अब सोशल मीडिया का हॉट टॉपिक बन चुकी है। जहां एक ओर सड़क की मरम्मत को लेकर स्थानीय नागरिकों का आक्रोश लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के मीम्स, व्यंगचित्र और वीडियो पोस्ट करके लोग ने राष्ट्रीय राजमार्ग को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब फिल्म "शोले" के एक मशहूर दृश्य का व्यंग्यात्मक मीम तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें घायल अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र की गोद में पड़े हुए हैं। धर्मेंद्र जब पूछते हैं — "क्या हुआ तुम्हें?"

तो जवाब आता है — मैं बिलासपुर से पेंड्रा गया था... मीम में बिना कुछ और कहे ही सड़क की हालत सबकुछ कह जाती है। सड़क के गड्ढों को मानो 'सड़क नहीं, ट्रेंच वॉर ज़ोन' का दर्जा दे दिया गया हो।

ग्रामीणों और यात्रियों की शिकायतें

सड़क पर चल रहे वाहन चालक और राहगीर रोजाना इन गड्ढों से जूझ रहे हैं। जगह-जगह जाम, कीचड़, टूटी डामर और अधूरी मरम्मत ने इसे "जिंदगी और झटकों का हाईवे" बना दिया है। बारिश के मौसम में हालत और भी बिगड़ गई है — गड्ढे नहीं, अब तो तालाब जैसे दिखते हैं।

सोशल मीडिया बना विरोध का मंच

ट्विटर (अब ङ्क), फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस सड़क की हालत को लेकर हजारों पोस्ट्स, मीम्स और वीडियो वायरल हो रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा है-

एन एच-45 नहीं, ये तो "ट्रैक्टर टेस्टिंग" रूट है गड्ढे पूछ रहे हैं — सड़क में हम हैं या हममें सड़क है?

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

लंबे समय से हो रही इस परेशानी के बावजूद अभी तक इस रूट की स्थायी मरम्मत नहीं हो पाई है। लोगों की नाराजगी अब हास्य-व्यंग्य और इंटरनेट ट्रेंड के जरिए सामने आ रही है।

मीम बन गया सवाल — कब बनेगी ये सड़क? "शोले" के इस व्यंग्यात्मक मीम ने सड़क की हालत पर चोट करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग की सुस्ती पर तमाचा भी मारा है। लोगों की मांग है कि अब सड़क की मरम्मत केवल फाइलों में नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए ।

नगर पालिका गौरेला में भाजपा पार्षद और अध्यक्ष आमने-सामने

सीसी रोड निर्माण को लेकर टकराव, मंत्री को भेजी शिकायत

गौरेला नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 05 में तालाब परिसर के सामने सड़क निर्माण पर विवाद, पार्षद संदीप जायसवाल ने राजनीतिक भेदभाव का आरोप लगाया है।।1

गौरेला नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 05 में सीसी रोड निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय भाजपा पार्षद संदीप जायसवाल और नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे के बीच विवाद सामने आया है। पार्षद संदीप जायसवाल ने इस संबंध में नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव को लिखित शिकायत भेजकर राजनीतिक भेदभाव का आरोप लगाया है।

श्री जायसवाल के अनुसार, पूरन तालाब परिसर में स्वीकृत सीसी रोड का निर्माण कार्य 1 जुलाई को शुरू किया गया था, परंतु नगर अध्यक्ष मुकेश दुबे ने ठेकेदार को उनके मकान के सामने का हिस्सा छोड़ने का निर्देश दे दिया। संदीप जायसवाल का आरोप है कि अध्यक्ष ने कथित रूप से कहा — संदीप जायसवाल के घर के सामने एक इंच रोड नहीं बनने दूंगा।

पार्षद ने संलग्न किए सड़क की जर्जर स्थिति के फोटो

शिकायत में संदीप जायसवाल ने बताया कि उनका घर जिस क्षेत्र में है, वह हिस्सा बेहद जर्जर और खस्ताहाल है, जिसकी मरम्मत वार्ड की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने सड़क की स्थिति के फोटोग्राफ्स भी संलग्न किए हैं।

नगर अध्यक्ष का जवाब — टेंडर की सीमा मात्र 200 मीटर तक

इस प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे ने कहा कि-जारी टेंडर की लंबाई मंजू जायसवाल के घर से 50 फुट पहले खत्म हो रही है। कार्य की स्वीकृति लगभग 200 मीटर की है, यदि आगे अतिरिक्त सड़क निर्माण कराना है तो उसके लिए परिषद को प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजना होगा।

उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा-निर्माण की सीमा तकनीकी स्वीकृति और टेंडर के अनुसार तय की गई है, इसमें किसी तरह की दुर्भावना नहीं है।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SUBHASH CHAND AGRAWAL S/o FATEH CHAND AGRAWAL resident of WARD No. 12 P.O BILHA, DIST BILASPUR (C.G.) have changed my old name SHUBHASH CHAND AGRAWAL, so in future I should be recognized by my new name SUBHASH CHAND AGRAWAL in all Government and other documents.

SUBHASH CHAND AGRAWAL
WARD NO. 12, P.O. BILHA
DIST- BILASHPUR (C.G.)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं टी.ऊषा पत्नी श्री टी.मधुसूदन मूर्ति, निवासी L-5, राजलक्ष्मी निवास, विनोबा नगर बिलासपुर (छ.ग.) यह शपथ करती हूं कि विवाह के पूर्व मेरा नाम कु.डी.वी.एल.पी.वी. कुमारी था एवं विवाह के उपरांत मेरा नाम बदल कर टी.ऊषा हो गया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्ध शासकीय एवं अन्य अभिलेखों में मेरे नए नाम टी.ऊषा पत्नी श्री टी.मधुसूदन मूर्ति से जाना एवं पहचाना जाए।

टी.ऊषा
L-5, राजलक्ष्मी निवास,
विनोबा नगर
बिलासपुर (छ.ग.)

शपथ-पत्र

मैं आफरीन पति मोहम्मद आरिफ उम्र 25 वर्ष निवासी हाउस नं. 55 इंदिरा वार्ड नं. 10 देवांगन पारा सरगांव की हूं जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करती हूं कि:-

1/ शपथकर्ती उपरोक्त पते का स्थाई निवासी है।

2/ इस्लाम धर्म स्वीकृति पश्चात् मैं स्वयं अपनी एवं परिवार के सदस्यों की सहमति से अपना मूल नाम इस्लाम धर्म स्वीकृति पूर्व का नाम रीना चौधरी पिता राजमणी चौधरी के स्थान पर नया नाम आफरीन पति मोहम्मद आरिफ करना चाहती हूं।

3/ शपथकर्ती आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर व अन्य दस्तावेजों में इस्लाम धर्म के अनुसार अपना नाम आफरीन पति मोहम्मद आरिफ दर्ज कराना चाहती है।

4/ शपथकर्ती को रीना चौधरी के स्थान पर आफरीन आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर, निवास, वोटर कार्ड में दर्ज कर उक्त नाम से जारी किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

5/ यह शपथपत्र उक्त कथन के समर्थन में निष्पादित कर रही हूं।

शपथकर्ती
आफरीन
हाउस नं. 55 इंदिरा वार्ड नं.10
देवांगन पारा सरगांव

NAME CHANGE

I, SUBHASH KUMAR S/o Late DILIP KUMAR YADAV, Employee Code-36056656, Employed as Drill Helper Cat-II at Central Mine Planning & Design Institute Limited, A Govt of India Undertaking/ Subsidiary to Coal India Limited, Bilaspur, Chhattisgarh, Resident of H.No-02, School Para, Khamhariya Basti, Kusmunda, Korba Chhattisgarh-495454, have changed my name to SUBHASH KUMAR YADAV.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक : 08-CEE-C-SECR-2025, Date- 01.07.2025.
कार्य का नाम : द. पू. म. रेलवे बिलासपुर मण्डल के अर्न्तगत खरसिया से झाराडीह के बीच 5वीं लाइन के निर्माण से सम्बंधित (6.5 टीकेएम लगभग) एवं - रोबर्टसन एनआई गतिविधियां (2.5 टीकेएम लगभग) के साथ साथ गुर्दा (एक्स्क्लुडिंग) - रोबर्टसन कोर्ड लाइन से सम्बंधित गुर्दा रोबर्टसन को 2x25 केवी एसी ओएचई सिस्टम के द्वारा जोड़ने का विद्युतीकरण कार्य.
निविदा मुल्य : रू. 7,31,41,670.25 (सात करोड़ इकतिस लाख इक्तालिस हजार छह सौ सत्तर दशमलव दो पांच) मात्र । **बयाना राशि :** रू. 5,15,700/- (पांच लाख पन्द्रह हज़ार सात सौ) मात्र । **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक :** 25.07.2025 को 15:45 बजे । **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक :** 25.07.2025 को 15:30 बजे **कार्य पूर्णता की अवधि :** स्वीकृति का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बाराह) माह। **वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान :**उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी / ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई- निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइड www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर / देख सकते है।
उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)/बीएसपी.
सीपीआर/10/AM/157 द.पू.म.रेल्वे, बिलासपुर,(छ.ग)
South East Central Railway @secrail

देश

उवाच

हिंदी या हिंदी भाषियों को लेकर कोई विवाद नहीं है। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदी फिल्म और टेलीविजन उद्योग फल-फूल रहा है, जहां दूसरे राज्यों से आए लोग अवसरों का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग मराठी भाषा का अपमान कर रहे हैं, जो गलत है।

-प्रियंका चतुर्वेदी,शिवसेना (यूबीटी) नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.	28.
मुंबई	3.	26.
कोलकाता	32.	27.
चेन्नई	33.	29.

अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष : धनखड़

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

कोटा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के लिए भारतीय सिस्टम बनाकर उन्हें वैश्विक स्तर पर ले जाने की जरूरत बताते हुए कहा है कि अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे और संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा। धनखड़ शनिवार को यहां भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कोटा के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का आह्वान करते हुए कहा भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए। हमें भारत के लिए भारतीय प्रणालियां बनानी होंगी और उन्हें वैश्विक बनाना होगा।

युवाओं से स्थानीय समाधान को वैश्विक स्तर तक ले जाने का किया आह्वान

भारत के युवाओं को टेक्नोलॉजी की दुनिया के सजग संरक्षक बनना चाहिए : जगदीप धनखड़

तकनीकी नेतृत्व नई राष्ट्रभक्ति का आधार

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा कि हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। उन्होंने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। डिजिटल क्षेत्र की चर्चा करते हुए धनखड़ ने कहा कि एक स्मार्ट ऐप जो ग्रामीण भारत में काम नहीं करता, वह पर्याप्त स्मार्ट नहीं है।

एक एआई मॉडल जो क्षेत्रीय भाषाओं को नहीं समझता, वह अधूरा है। एक डिजिटल उपकरण जो दिव्यांगों को शामिल नहीं करता, वह अन्यायपूर्ण है। धनखड़ ने डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

कोचिंग सेंटर अब बन गए हैं पोचिंग सेंटर : उपराष्ट्रपति

कोटा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोचिंग सेंटरों को पोचिंग सेंटर एवं सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बताते हुए कहा है कि अनियंत्रित रूप से फैल रहे ये कोचिंग सेन्टर युवाओं के लिए एक गंभीर संकट बनते जा रहे है और इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा और हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते। धनखड़ ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें, हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए।

मोहन चरण माझी ने मोदी से की मुलाकात

■ विकास कार्यों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। मोदी से मुख्यमंत्री माझी की यह मुलाकात ओडिशा में

विकास कार्यों को गति देने और केंद्र-राज्य सहयोग को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्यमंत्री माझी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं ओडिशा के विकास के लिए उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। बैठक में ओडिशा के विकास के रोडमैप, भविष्य की योजनाओं और केंद्र-राज्य के बीच बेहतर तालमेल पर चर्चा हुई। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर एक समृद्ध ओडिशा और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में ओडिशा में चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं पर जोर दिया गया।

एमआरपीएल में जहरीली गैस रिसाव से दो कर्मचारियों की मौत

मंगलुरु, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु जिले के सूरतकल में स्थित मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) में शनिवार को जहरीली गैस के रिसाव से दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी की हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा एमआरपीएल के ऑयल मूवमेंट सेक्शन (ओएमएस) में हुआ। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के दीप चंद्र भारती और केरल के बिजली प्रसाद के रूप में हुई है। उनके सहयोगी, गदग के विनायक मायागेरी, जो गैस की चपेट में आने के बाद बेहोश हो गए थे, को मंगलुरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह घटना ओएमएस डिवीजन के टैंक (एफआईबीआई7029) में खराबी की जांच के दौरान हुई। दीप चंद्र और बिजली प्रसाद टैंक के ऊपरी हिस्से पर निरीक्षण के लिए गए थे। इसी दौरान हादसा हुआ। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दोनों को बचाया नहीं जा सका। दोनों को बचाने की कोशिश कर रहे एक अन्य कर्मचारी विनायक मायागेरी भी जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए।

हादसे की जांच को समूह महाप्रबंधकों की उच्च-स्तरीय समिति गठित

कर्नाटक में हाल के महीनों में यह तीसरी बड़ी दुर्घटना

यह कर्नाटक में हाल के महीनों में जहरीली गैस रिसाव से जुड़ी तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी 2025 में, कोप्पल जिले में एक औद्योगिक इकाई में जहरीली गैस के रिसाव से मजदूर मारुति कोरागल की मौत हो गई थी और दस अन्य कर्मचारी बीमार पड़ गए थे। मई 2024 में, मैसूर के यारागनहल्ली में एक परिवार के चार सदस्य (कुमारस्वामी, उनकी पत्नी मंजुला और बेटियां अर्चना व स्वाति) घर में जहरीली गैस की चपेट में आने से मृत पाए गए थे।

सार संक्षेप

एस महेंद्र देव ने की रेवंत रेड्डी से मुलाकात

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर एस महेंद्र देव ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत. रेड्डी से मुलाकात की। यहां जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री के आवास पर हुई यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई जिसमें तेलंगाना के विकास को गति देने और सहकारी संघवाद को मज़बूत करने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने संघीय ढांचे में केंद्र और राज्यों के बीच परस्पर सम्मान और सहयोग के महत्व पर जोर दिया।

पटना में सड़क हादसे में परिवार के तीन लोगों की मौत

पटना। बिहार में पटना जिले के रानीतालाब थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत तथा दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार पर सवार लोग पांच लोग जा रहे थे। इस दौरान सरैया गांव के समीप नहर रोड पर कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। इस घटना में कार पर सवार सभी पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को विक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया।

वरिष्ठ भाकपा नेता डोड्डा नारायण राव का निधन

हैदराबाद। वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता डोड्डा नारायण राव का शुक्रवार रात हैदराबाद स्थित उनके आवास पर निधन हो गया है। वह 96 वर्ष थे। वरिष्ठ भाकपा नेता डॉ. के. नारायण ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए राव को एक सिद्धांतवादी नेता बताया जो जीवन भर अपनी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने याद किया कि वयोवृद्ध राव ने 1948 के दशक में निज़ाम शासन के विरुद्ध लड़ते हुए स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभायी थी।

श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों का अध्ययन दौरा संपन्न

गांधीनगर। श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की पहल पर भारत का अध्ययन दौरा संपन्न किया। आरआरयू की ओर से बताया गया कि उप महानिरीक्षक और उससे ऊपर के पदों वाले 2 उच्च पदस्थ श्रीलंकाई पुलिस अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 11 जुलाई को भारत में पांच दिवसीय अध्ययन दौरा संपन्न किया। सात जुलाई से 11 जुलाई तक आयोजित यह दौरा, गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एक कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।

झारखंड के चयनित 172 में से 25 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

रांची, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रोजगार मेला के माध्यम से देश के 51 हजार नवचयनित केंद्रीय कर्मचारियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑडियो विजुअल माध्यम से नियुक्ति पत्र जारी किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर नौकरी पाने वाले युवाओं को सम्बोधित किया और उन्हें बधाई दी। केंद्र सरकार की ओर से रांची समेत देश के 47 स्थानों पर आज रोजगार मेला आयोजित हुआ। इस अवसर पर रांची सीसीएल सभागार, दरभंगा हाउस मे भी एक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने झारखंड के चयनित 172 में से 25 युवाओं को मौके पर नियुक्ति पत्र दिया। इनका चयन रेलवे, गृह मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय डाक सेवा के लिए हुआ है। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश के युवाओं को आगे रखना चाहते हैं। इस मौके पर दक्षिण पूर्व रेल मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक जसमित सिंह बिंद्रा ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार की उस नीति का प्रमाण है जिसमें मिशन विकसित भारत के लिए युवाओं को बेहतर मंच देने की प्रतिबद्धता है। वहीं अपने ऑनलाइन संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस तरह के अभियान से राष्ट्र निर्माण में युवाओं की बड़ी भूमिका होती जा रही है। उन्होंने नौकरी पाने वाले युवाओं से कहा कि इसको राष्ट्र सेवा के बड़े मंच के रूप में देखें। उन्होंने अपने हाल ही में समाप्त हुए पांच देशों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत जितने भी द्विपक्षीय समझौते हुए हैं उससे भारत के नौजवानों को फायदा होगा ,खासकर सेवा और उत्पादन क्षेत्र में।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दी बधाई

बिहार में कानून व्यवस्था परी तरह चरमराई : कांग्रेस

पटना में एक और व्यापारी की हत्या पर नीतीश सरकार को घेरा

पटना, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। आम जनता का जीना दूभर हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे सीएम का स्वास्थ्य खराब चल रहा है, वैसे ही राज्य की कानून-व्यवस्था भी बिगड़ रही है। उन्होंने पटना में एक और व्यापारी की हत्या का जिक्र करते हुए सरकार से जवाब मांगा और कहा कि प्रदेश में अपराधियों के बीच कानून व्यवस्था को लेकर बिल्कुल भी डर नहीं है। उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा-जेडीयू की 'डबल इंजन' सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में डबल मर्डर और बिहार में लगातार हत्याओं से आम लोग, व्यापारी, नेता और बेटियां असुरक्षित हैं। कांग्रेस नेता ने बिहार को खौफ और डर के साए में

बताया और कहा कि मौजूदा सरकार को सुरक्षित और खुशहाल बिहार के लिए जल्द ही हट जाना चाहिए। उन्होंने बिहार में इंडिया ब्लॉक के बिहार बंद का जिक्र किया, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी ने किया। यह बंद बिहार में चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कराए जाने के विरोध में था। अलका लांबा ने कहा कि पहले आयोग कागजात मांगता था। लेकिन, अब कहता है कि कागजात की जरूरत नहीं। कोर्ट ने आयोग को आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र मानने का आदेश दिया है। लेकिन, आयोग जवाब देने से बच रहा है। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को दबाव मुक्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

मोदी व अमित शाह रिमोट कंट्रोल से चला रहे बिहार सरकार : अल्लावरू

पटना। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर शनिवार को हमला बोला और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली से ही बिहार की सरकार को नियंत्रित कर रहे हैं। अल्लावरु ने शनिवार को यहां कहा कि बिहार की सरकार अब दिल्ली से संचालित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और शाह रिमोट कंट्रोल से बिहार की सरकार चला रहे हैं। बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी और शाह ने बिहार को देश की अपराध की राजधानी बना दिया है। बिहार कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब पूरी सजगता से सत्ता संभाल रहे थे तब कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब कुमार प्रभावी ढंग से सरकार को चलाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब से मोदी और शाह का प्रभाव बिहार में बढ़ा है, यहां गुंडाराज हो गया है। अल्लावरू ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मिली जान से मारने की धमकी के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि यह घटना बताती है कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो गई है।

पटना में हुए इस बंद का व्यापक

जानबूझ कर बिजली व्यवस्था को खराब कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश यादव

बिजली विभाग को निजी हाथों में बेचने की तैयारी का लगाया आरोप

लखनऊ, 12 जुलाई (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि बिजली के निजीकरण पर उतारू भाजपा सरकार जानबूझ कर बिजली व्यवस्था को खराब कर रही है। यादव ने यहां जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर बिजली व्यवस्था खराब कर रही है। सरकार बिजली विभाग को निजी हाथों में बेचने की तैयारी कर रही हैं। भाजपा की दिल्ली की सरकार हो या उत्तर प्रदेश की सरकार दोनों सब कुछ बेचने पर उतारू है। भाजपा ने बिजली मंत्री इसीलिए बनाया है, जिससे विभाग अपने करीबियों को बेचना आसान हो जाए। भाजपा सरकार ने बिजली व्यवस्था सुधारने और उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली की खराब स्थिति का ठीकरा कर्मचारियों के सिरफोड़ कर निजीकरण करने की जमीन तैयार कर चुकी है। उत्तर प्रदेश में आज जनता को जो भी बिजली मिल रही है। वह समाजवादी सरकार में लगाए गए पावर प्लांटों से मिल रही है। समाजवादी सरकार में एटा, कानपुर देहात, ललितपुर, पनकी, समेत कई जिलों में पावर प्लांट लगाए लेकिन भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन और आगे बढ़ाने के लिए कोई काम नहीं किया।

उप्र में बिजली को लेकर हाहाकार

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली को लेकर हाहाकार है। प्रदेश भर में बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। धान की रोपाई का समय चल रहा है। लेकिन किसानों को बिजली नहीं मिल रही है। छोटे शहरों और गांवों में बिजली की स्थिति बेहद खराब है। भाजपा सरकार नौ साल के कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ाया है। केवल बिजली का बिल बढ़ाया है।

मंत्री विजयवर्गीय के बयान पर मप्र कांग्रेस का हमला

भोपाल/इंदौर, 12 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में वन विभाग को लेकर दिए गए एक बयान पर कांग्रेस ने सरकार को घेर लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने विजयवर्गीय के बयान को सोशल मीडिया

पर वायरल करते हुए कहा, मायूस मंत्रीजी कह रहे हैं, जंगलराज का वन विभाग बेलगाम है! यह भी सरकारी अराजकता का पैगाम है। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस बयान को लेकर कहा कि नेता ही नहीं, अब मंत्री भी बेबस हैं। वन विभाग न मंत्री की सुनता है, न मुख्यमंत्री की। मंत्री खुद ही मंच से कह रहे हैं कि वन विभाग से पौधे तक समय पर नहीं मिलते। उन्होंने सवाल किया कि प्रदेश में सरकार चल रही है या अफसरों की मनमानी। मुख्यमंत्री और मंत्रियों की बात ठुकराना अब वन विभाग के अधिकारियों की आदत बन चुकी है। दरअसल पौधारोपण से जुड़े एक समारोह के दौरान विजयवर्गीय ने मंच से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संबोधित करते हुए कहा, वन विभाग का जितना सहयोग मिलना चाहिए, उतना मिला नहीं।

केरल में निपाह को रोकने के लिए कई रणनीतियां तैयार : खोबरागड़े

तिरुवनंतपुरम, 12 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजन खोबरागड़े ने कहा कि निपाह के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने रोकथाम के लिए कई रणनीतियां तैयार की हैं और उन्हें लागू किया है। डॉ. खोबरागड़े ने यहां आयोजित निपाह और अन्य जूनोटिक स्पिलओवर-रोकथाम के लिए स्वास्थ्य रणनीतियों का एकीकरण विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह टिप्पणियां कीं और सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। जंगली जानवरों से मनुष्यों में रोगजनकों के संचरण को 'जूनोटिक स्पिलओवर' कहा जाता है। उन्होंने 2019 से राज्य को प्रभावित करने वाली महामारियों का पता लगाने एवं उनकी रोकथाम करने के राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए वर्तमान परिदृश्य में 'वन हेल्थ' अवधारणा के महत्व पर प्रकाश डाला और राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए उन्नत वायरोलॉजी संस्थान जैसे संस्थानों से सहयोग मांगा। यह सम्मेलन संक्रामक रोग विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम और केरल वन हेल्थ सेंटर फॉर निपाह रिसर्च एंड रेजिलिएंस के सहयोग से आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की संयुक्त निदेशक डॉ. सिम्मी तिवारी ने उन्नत विषाणु विज्ञान संस्थान (आईएवी) की स्थापना के लिए केरल सरकार को बधाई दी और कहा कि संस्थान ने पहले ही विषाणु विज्ञान के क्षेत्र में अपनी पहचान बना ली है।

राजन ने सहयोग की आवश्यकता पर दिया बल

सुरक्षा अमरनाथ तीर्थयात्रियों की सुरक्षा व कल्याण सुनिश्चित करने में जुटा सीमा सुरक्षा बल

विशेष चिकित्सा दलों को तैनात कर बचाव अभियान किया तेज

जम्मू,12 जुलाई (देशबन्धु)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), कश्मीर ने चल रही अमरनाथ यात्रा 2025 के दौरान ऊंचाई पर होने वाली बीमारियों, निर्जलीकरण और थकावट से पीड़ित दर्जनों तीर्थयात्रियों को बचाया है। बीएसएफ के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बीएसएफ बचाव और राहत दल को समय पर जीवनरक्षक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए चुनौतीपूर्ण पहलगाम और बालटाल मार्गों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है।

यह दल हिमालय में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। तीन जुलाई से शुरू हुई वार्षिक अमरनाथ यात्रा देश भर से हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। हालांकि, इस तीर्थयात्रा मार्ग में खतरनाक पहाड़ी इलाकों, अप्रत्याशित मौसम और ऊंचाई वाले क्षेत्रों से गुजरना पड़ता है, जिसके कारण अक्सर चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हाल के दिनों में, कई यात्रियों ने चक्कर आना, सांस लेने में कठिनाई और थकान जैसे लक्षणों

■ बीएसएफ की चिकित्सा टीमें प्रमुख स्थानों पर तैनात

का अनुभव किया है, जिसके लिए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बल ने प्रशिक्षित पैरामेडिक्स और विशेष चिकित्सा दलों को तैनात करके अपने बचाव अभियान को तेज कर दिया है। प्रवक्ता का कहना था कि हमारी टीमें हर यात्री की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे सहायता प्रदान करते हुए हाई अलर्ट पर हैं। हम अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीएसएफ की चिकित्सा टीमें 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम-चंदनवाड़ी मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-दोमेल मार्ग पर प्रमुख स्थानों पर तैनात हैं। प्राथमिक चिकित्सा किट, ऑक्सीजन सिलेंडर और आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति से लैस, इन टीमों ने तीव्र पर्वतीय बीमारी के कई मामलों में महत्वपूर्ण ऑक्सीजन सहायता प्रदान की है, जिससे गंभीर जटिलताओं को रोका जा सका है और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी संभव हुई है। चिकित्सा सहायता के अलावा, बीएसएफ ग्रामीण स्वच्छता निदेशालय (डीआरएस) के सहयोग से तीर्थयात्रा मार्गों पर स्वच्छता प्रयासों में भी सहायता कर रहा है। तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल शौचालय, अपशिष्ट पृथक्करण इकाइयां और खाद बनाने की प्रणालियां स्थापित की गई हैं। उत्तर प्रदेश की एक तीर्थयात्री सुनीता देवी ने बताया कि चढ़ाई बहुत खड़ी और थका देने वाली थी। मैंने कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ के कारण गिरते देखा। बीएसएफ के जवान वहीं तैनात थे, बिना किसी हिचकिचाहट के सबकी देखभाल कर रहे थे।

वे ईश्वर का काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि इतनी ऊंचाई पर मैं बीमार पड़ जाऊंगी। मुझे कंपकंपी होने लगी और मैं ठीक से सांस नहीं ले पा रही थी। बीएसएफ वाले समय पर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंच गए।

हाना

गांव म रहय त भूतानाग,
शहर म रहय त देवानाग। गांव म रेहे ले भूतानाग मतलब बूताकाम म लगे रहिथे त बने ढंग ले उंखर रहन-सहन अलगे रहिथे। शहर म रेहे सभ्य ढंग ले पढ़े-लिखे बने व्यवहार करथे तेकर सेती ये हाना ल केहे जाथे।

शब्द अरथ

1. छंदइया-छानने वाला। फंसाने वाला, बांधने वाला
2. छदई - छानने, फंसाने या बांधने की क्रिया या भाव
3. छदउनी- छानने, फंसाने या बांधने का खर्च या पारिश्रमिक
4. छंदना- छानने के लिए प्रयुक्त वस्तु फंसना, बंधना
5. छदनी-छदना
6. छंदल- छना हुआ,फंसा हुआ
7. छंदवइया- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने वाला
8. छदवई- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने की क्रिया या भाव
9. छदवउनी- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने का खर्च या पारिश्रमिक
10. छदवा- छाना हुआ, शुद्ध किया हुआ, फंसा हुआ, बंधा हुआ।

सितारे ज़मीन पर भावनापूर्ण फिल्म

सितारे ज़मीन पर' भारतीय हिंदी भाषा के स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा फिल्म आये। ये फिल्म के निर्देशन आर. एस. प्रसन्ना के हावय। निर्माता आमिर खान अउ अपर्णा पुरोहित हावंय। येला 2007 के फिल्म च्तारे ज़मीन पर च्के अगला कड़ी के रुप म समझथें। ये गलत आये ये ह स्पेनिश फिल्म 'चैंपियंस' जेन 2018 म बने रहिस हे तेखर ऊपर आधारित हावय। ये फिल्म म आमिर खान अउ जेनेलिया देशमुख मुख्य भूमिका म हावंय।

'सितारे ज़मीन पर' के कहानी गुलशन अरोड़ा नाम के एक गुस्सैल बास्केटबॉल कोच ऊपर आधारित हावय। मुख्य कोच ले झगड़ा होय के बाद शराब पी के कार चलाथे अउ पुलिस के गाड़ी ल टक्कर मार देथे। थाना म भी पुलिस संग उलझ जथे। नौकरी ले सस्पेंड हो जथे। ओला सजा के तौर पर तीन महिना कम्युनिटी सर्विस के रुप म बौद्धिक विकलांगता वाले लइकामन ल ट्रेनिंग देय के जिमेदारी मिलथे।

इंहा ले शुरु होथे कहानी। लइकामन ल देख के काम करना नइ चाहय। हर तरह के विकलांग लइकामन ल देखाय गे हावय। बॉल ल बास्केट तक ले जाना अउ ओमा डालना येला सिखाये म जेन मेहनत दिखाये गे हावय। ये ह सच म बहुत ही प्रेरणादायक हावय। गुलशन के भाव कइसे बदलथे। लइकामन के बारे म जाने के बाद गुलशन याने आमिर खान के सोच कइसे बदलथे। फिल्म ह गुलशन के एक भावनात्मक अउ प्रेरणादायक यात्रा ल दर्शाथे।

यह फिल्म म वास्तव म जेन दस वयस्क पात्र लेय गे हावय ओ मन वास्तव म डाउन सिंड्रोम वाला आयें। येखर ले अभिनय कराना भी बहुत कठिन काम रहिस होही। सितारा समूह कई मैच जीते के बाद फाइनल म मुम्बई जाना रहिस हे। जाना बहुत कठिन रहिस हे, काबर के पइसा खतम होगे रहिस हे। बस म सामान्य मन संग बइठ के जाना कठिन रहिस हे। बस म अलग-अलग सोच अउ व्यवहार के कारण सब ल बस से उतार देय गे रहिस हे।

गुलशन आखिर म अपन पत्नी तीर जाके कुछ अलग तरह से पइसा के इंतजाम करथे। गुलशन के पत्नी घलो संग म जाथे। गुलशन के अलग सोच ले ऐखर पत्नी घलो अलग रहिथे। बहुत ही बढ़िया पारिवारिक स्थिति ल बताये हावय। अंत म जेन जोश के साथ लइकामन खेलथें अउ जेन जोश अरोड़ा देवाथे ओ ह देखे के लइक हावय। मैच हारे के बाद भी सितारे समूह दूसर समूह के जीत के खुशी म साथ देथे गला मिलथे। येला देख के गुलशन भावुक हो जथे। सब लइका कहीं न कहीं काम घलो करत रहिन हें। ये फिल्म बहुत अच्छा संदेश देवत हावय। अधिक उम्र म जीवन साथी चुनना, पति पत्नी के बीच के सम्बन्ध ल कइसे सुधारना, मानसिक विकलांग लइका से कइसे व्यवहार करना? ये फिल्म म हास्य घलो हावय गुलशन के मां अउ ओखर साथी संग गुलशन के हमेशा नोकझोंक चलय। विवाह म अपन मां ल झप्पी देथें साथी ल नहीं। एक सितारा कभी नहाये नइ रहिस हे। डूब जहूं सोचय ओला कइसे नहाये के प्रेरणा देथे ओखर मन ले डूबे के डर ल निकाल देथे।

दिव्य निधि शर्मा के लेखन अउ आर.एस. प्रसन्ना के निर्देशन बहुत ही बढ़िया हावय। हर लइका के अभिनय भावुक कर देथे। ये लइकामन ल सिखाना भी एक बहुत कठिन काम होथे। ये फिल्म सब ल सीख देथे के अइसना लइकामन से कइसना व्यवहार करना चाहिये। येला कइसे सम्हालना चाही। सच में ये अनोखा लइकामन आसमान के सितारा आयें जेन धरती म उतर के अपन रोशनी बगरावत हावंय।

सुधा वर्मा

सरग के भोग-बोरे बासी

एक झन बबा ह कहिथे-सुन बाबू हमन ह हमर धरती दाई के कोरा के सेवा बजावत हन जी,खेत के डिपरा ल खन के डबरा ल पाटत हन बाबू,खेत ह बरोबर रही न त अनाज ह घलोक बने होही जी,समझे न! अऊ तेहा पूछत रेहेस न कि तुंहर ताकत के का राज हे? त वोकर तोला सौहत दरसन करा देथों..। अतका कहि के वो सियांन मन ह माटी के हंडिया के बासी ल देखा के कहिथे-बेटा इही बासी ह हमर जिनगी के आधार हरे जी।

कहिनी

मोहित आज पहिली बार अपन पुरखा के गांव जावत रहिस हे, मन म कई किसिम के सवाल आत- जात रिहिस हे,मन ह कल्पना के तरिया म लहरा मारत रिहिस,काबर कि,वोहा आज तक नई देखे रिहिस हे कि गाँव कइसना होथे, वोकर जनम-करम ह तो शहर के चकाचौंध म होय रिहिस हावय। हां, अपन बाबूजी जी ले घेरी-बेरी ये बात ल जरूर सुने रहिस हे कि गांव ह सरग बरोबर होथे कहिके,आज उहि सरग बरोबर गांव के दरसन करे बर निकले हे पहिली बार—

शहर के लाम-लाम अऊ चमचमावत सड़क ल छोड़े के पाछु मोहित के कार ह जइसे- जइसे गांव के कच्चा-पक्का अऊ धुर्रा माटी से सने रसदा म आघु बढ़े ल धरिस, मोहित मनेमन म सोचे ल धर लिस- का बाबूजी के सरग के रसदा ह अइसने रहीथे का? अऊ मने-मन म हाँसे ल धर लिस। देखत-देखत धान अऊ उन्हारी के लहलहावत फसल ह आगे, जैन ल देख के वोकर मन ह खुस होगे,अवैया-जवैया मनखे मन के रूप,रंग,पहिनावा,ओढ़ावा ल देख के वोकर मन के कौतूहल ह अऊ उछाल मारे ल धर लिस।

लगभग दू घंटा के बाद मोहित के कार ह एक चौगड्डा म पहुंचिस,त वोहा सोच म पड़गिस कि कोन रसदा म जावंव? कहिके, कोन ल पता पूछवं कहिके सोचत रिहिस, तभे का देखथे कि दू झन सियान मन ह जेन मन ह लगभग साठ साल के रिहिस होही,वोमन ह खेत ल कोड़- कोड़ के माटी ल मेड़ म फेकत राहय, मोहित सोच म पड़ गे कि ये उम्मर म अतेक भारी काम कोनो मनखे ह कइसे कर सकत हे,वोकर से रहे नई गिस,अऊ गांव के पता पूछे के पहिली इही बात ल पूछीस कि- बबा हो तुमन ह ये का बुता करत हो?अऊ साठ-पैसठ साल के ये उम्मर मे भी अतका ताकत कहां ले अऊ कैसे मिलथे, थोरिक बताहू का?

मोहित के गोठ ल सुन के बबा मन ह कठल के हाँसे ल धर लिस,फेर थोकिन थिरा के एक झन सियान ह कीहिस- अइसे लागथे तेहा कोनो सहरिया बाबू हरस,जे सेती अइसने गोठ करत हस।

एक झन बबा ह कहिथे-सुन बाबू हमन ह हमर धरती दाई के कोरा के सेवा बजावत हन जी,खेत के डिपरा ल खन के डबरा ल पाटत हन बाबू,खेत ह बरोबर रही न त अनाज ह घलोक बने होही जी,समझे न! अऊ तेहा पूछत रेहेस न कि तुंहर ताकत के का राज हे? त वोकर तोला सौहत दरसन करा देथों..। अतका कहि के वो सियांन मन ह माटी के हंडिया के बासी ल देखा के कहिथे-बेटा इही बासी ह हमर जिनगी के आधार हरे जी, एकर बर न साग लागे न पान,मिर्चा के बुकनी,या आमा के अथान ह काफी हे। इहू ह नइहे त,फकत गोंदली ह नून-मिर्चा के झोझो (रसा) म काम चल जथे

मोहित के आश्चर्य के ठिकाना नई रिहिस। ये खाना म ये बोराय बासी म अतेक मजा? सियान मन कहे ल धरलीस- हहो बाबू ये 'बोराय बासी' म जेन मजा हे,वो कोनो छप्पन भोग म नई हे। बासी के अतेक मान बड़ाई सुन के मोहित ह अपन आप ल रोकनी सकिस अऊ कहिथे- बबा हो का महूं ल एको खोंची 'बोरे बासी' खाय बर देहू का?

सियान मन के हव काहत देरी रिहिस मोहित ह बटकी म बासी,अऊ चुटकी म नून, आमा के अथान अऊ गोंदली ल खाय के शुरू करीस ते खाते रहीगे। सियान मन ह आज सहरिया बाबू के ये रुप ल देख गदगद होगे,मोहित ह बासी ल खाय के बाद, गांव के पता पूछीस अऊ अपन डगर म धीरे-धीरे चल दिस।

कार चलावत-चलावत मन म सोचे कि बाबू ह मोला बताय रिहिस हे, कि गांव म सरग हे कहिके- फेर सरग के भोग-'बोरे बासी' म कतका जादू हे। आज खाय के बाद पता चलीस- अब तो मेंहा घर म जा के अपन दाई ल मोरो बर रोज दिन 'सरग के भोग-बोरे बासी' बनाबे कहिके कइहूं। इही विचार करत गांव के धुर्रा म सनावत वोहा अपन गांव के डगर म आगू बढ़गे।

-श्रवण कुमार साहू, 'प्रखर'
शिक्षक/साहित्यकार, राजिम- गरियाबंद

नान्हे कहिनी

चेहरा

बनेच पढ़े-लिखे नर्स हर्षिता हा मेडिकल स्टोर मा काम करइया महेंद्र ले प्रेम बिहाव करे हे। महतारी-बाप मन अपन जिनगी के अनुभव के हवाला देके अउ ये समझा के, के हमर संस्कार म अइसन बिहाव हा टिकय नहीं। संगे संग महेंद्र के बिगड़े आदत ल बता के बरजे रहिन फेर महेंद्र के सुंदर चेहरा अउ मंदरस कस बहुतेच मीठ-मीठ बोली म मोंहाये, प्रेम जाल म फंसे हर्षिता ह नइ माने रहिस। कइसे मानतिस—प्रेग रोग म तो अंधरी होगे रहिस।

उही कहूं साले भर ऊंकर दाम्पत्य जीवन हा ठीक ठाक रहिस तहां ले खटर-पटर चालू होगे। महेंद्र के शक करे के बीमारी ह एक झन बच्चा होये के पाछू तो अउ जादा बाढ़गे। बात-बात मा दारू पीके मारपीट करना, जीव ले देहूं कइके घेंच ल मस के ल धर लेना, मोबाइल म ककरो ले यहां तक के दाई-ददा, भाई -बहिनी सखी सहेली मन सो तको बात नइ करन देना ओकर आदत बनगे। हर्षिता हा अपन तरफ ले भरसक कोशिश करिस। समझाइस, सफाई देइस के महेंद्र सुधर जाय। फेर उल्टा दिनोंदिन वोकर जिनगी नरक लहुटे ल धरलिस। थक-हार के छै महिना ले अपन मइके म बइठे हे।

ये बीच म महेंद्र ह कई पइत मना के लेगे बर आइस फेर वोहा नइ गइस। काबर के जानत हे —स्वारथ के पूरा होवत ले दू-चार दिन ठीक रइही तहां ले फेर, मारपीट अउ मानसिक प्रताड़ना चालू हो जही। वोला समझ आगे हे. के कुकुर के टेड़गा पूछी कभू सीधा नइ होवय।

महेंद्र आजो आये हे अउ लइका के हवाला देके संग चले बर केलौली करत हे। तभो ले हर्षिता टस ले मस नइ होवत ये। दाल नइ गलिस त वोहा बच्चा ल छीन के रेंगे ल धरिस तइसने हर्षिता ह चिल्ला के मोहल्ला के मन ल बलालिस अउ अपन बच्चा ल छीन के रिपोट करे बर थाना कोती रेंगत महेंद्र ल कहिस— दुबारा तैं झन दिखबे काबर के, तैंहा मोर मन म घेरी-बेरी अतका पथरा मारे हस के वोहा दर्पन सहीं कई टुकड़ा होगे हे जेमा तोर कई ठन राक्षस कस चेहरा दिखथे।

महेंद्र ह मुड़ धरे अपन वो चेहरा मन ल बारी-बारी देखे ल धरलिस।

चोवा राम वर्मा 'बादल', हथबंद,

नकलची बेंदरा

तइहा तइहा के बात आय। नवापारा ले भेंडरी जाय के रसता म महानदी म पुलिया नी बने रहय। पानी बादर के दिन म डोंगा ह ये पार ले ओ पार नाहके के साधन रहय। भेंडरी अऊ बुड़ेनी के बहुत मनखे मन अपन बुता काम के सिलसिला म रोज रोज नवापारा आय।

पानी बादर के मौसम म .. एक दिन के बात आय, डोंगा म चघत बेर सिटिर सिटिर पानी गिरे लगिस। उपर डहर अऊ अंधियारे लगिस। केंवट ह मौका ल ताड़त डोंगा रेंगाना उचित समझिस। हवा धुँकत रहय। थोकिन आगू जाय के पाछू ... हवा के सरसराना ह बाढ़गे। पानी बने गिर लगिस। डोंगा म बइठे मनखे मन भीजे लगिस। कुछ मन छत्ता धरे रहय। ओमन अपन अपन छत्ता निकाल लिन। केंवट ह छत्ता ताने बर मना करिस। छत्ता के सेती हवा के बहाव कोति डोंगा खिंचाय लगिस। डोंगा सम्हलत नी रहय। कुछ मानिन कुछ मन मानबेच नी करिन। डोंगा डगमगाय लगिस। लोगन डर्राय लगिन। प्राण बचाय बर एती ले ओती हड़बड़ाय लगिन। डोंगा म न पानी भराय रहय .. न तूफान आय रहय ... मनखे मन काबर हड़बड़ाथे ... केंवटा सोंचे बर मजबूर होगे।

दिन बुड़त रहय। बैपारी, कर्मचारी, कमइया खवइया सबो अपन अपन घर लहुटत रहय। रझरझ रझरझ पानी गिरे लगिस। ओमा बइठे मन पानी ले बाँचे बर अपन अपन तिर म धराय साधन ल हेरे लगिन। कन्हो मनकापड़ .. कन्हो मोरा .. कन्हो छत्ता .. त कन्हो खुमरी ल .. अपन मुड़ म मढ़ा के अपन आप ल भीजे ले बँचाय के उदिम करे लगिन। डोंगा म बिसरू गौरिया अऊ रमतू देवार घला बइठे रहँय। इँकर तिर बाँचे बर कुछु नी रहय बल्कि इँकर संग म रमतू देवार के बेंदरा हा भीजत काँपे लगिस। ओहा कभू अपन मालिक तिर लुकाय .. कभू छाता वाले मनला ताकय। आखिर म बेंदरा ल घला अपन मुड़ बँचाय के साधन मिलगे। बेंदरा के इही उपलब्धि के सेती डोंगा डगमग डइया होवत रिहिस

असल म बेंदरा ह अपन मुड़ ल ढाँके बर जे छतरी ल अपन हाथ म धरिस ओ छतरी ह गौरिया के बाँस के झपोली (साँप धरे के पेटारा) के ढक्कन रिहिस। बेंदरा ह जइसे झपोली के ढक्कन ल अपन मुड़ म मढ़इस ... साँप बाहिर निकल अइस। जब तक गौरिया ह साँप ल धरतिस तब तक साँप ह खुदे घबराय कस डोंगा म एती वोती सरकें लगिस ... येकरे सेती डोंगा म हड़कम्प माते रिहिस।

पानी बंद होगे। सब अपन अपन खुमरी छाता ल समेट लिन। बेंदरा ह घला अपन मुड़ उपर धरे झपोली के ढकना ल गौरिया कोति फटिक दिस। गौरिया ह तब तक साँप ल अपन आकुस म करके झापोली म डार डरिस। साँप के झपोली के ढकना के मुंदात ले डोंगा म सवार मनखे मन थरथरातेच रहिन।

डोंगा ह दूसर खड़ म अमर गिस। लोगन पार हो गिन। सब सोंचे लगिन- बेंदरा ल घला मुड़ ढाके बर कहिं दे देतेन ते अइसन घटना नी होतिस। नकलची बेंदरा के सेती होय घटना ल पाछू सुरता करके .. मनखे मन एक दूसर संग ... एक पइत जरूर गोठियाय .. जब जब डोंगा म बइठे के समे आय।

गजानंद प्रसाद देवांगन , छुरा

चेंदरू - 9

लइका मन के सबले पसंदीदा खेल गुल्ली-डंडा रहय। ओमन कभू किन्नस रुख तिर त कभू दूसर छोर म खइरखा डाड़ ले लगे बड़े जिनीस चातर भुंइयां म गुल्ली-डंडा के खेल खेलय।

एक दिन के बात आय- मंझनी-मंझना लइका मन गुल्ली डंडा खेलत रिहिन। परोसी बबा हा अपन भर्री ले अपन घर वापिस आवत रिहिस। ओहा देख नी पइस.. गुल्ली सीधा ओकर माथ म आके लगिस। झन्नाटेदार शाट सहि नी सकिस। पट ले गिर गिस। छटपटाय लगिस। लइका मन डर के मारे भाग गिन।

बांच गिस के वल चेंदरू..। ओकर संगवारी खोरवा, सूरदास अऊ पोसहा कुकुर। पानी लान के थोप डरिन। ओहा उठबेच नी करिस। ओला हला-डोला के देखिस। ओहा न हूंकय न भूंकय। बारह-तेरह बछर के लइका मन म कतेक अक्कल? ओमन ला कुछु समझ नी आत रिहिस। चेंदरू हा ओकर मुंह म बूंद-बूंद पानी डारे लगिस। परोसी हा दांत ओंठ ला बइठारे ला धरलिस। ओकर मन के बुध पतरागे। खोरवा अऊ सूरदास घला बबा ला उही तिर छोंड़ के जाय के बात कहय। चेंदरू हा बबा ला अइसन हालत म छोंड़ के जाय से मना कर दिस। खोरवा अऊ सूरदास हा ओकर पक्का संगवारी रिहिस .. यहू मन संग म रहि गिन।

बबा.. बबा.. बबा... कइसे करथस गो.. चल उठ। घर जाबो। जोर-जोर से चेंदरू ह चिचियावत केहे लगिस। बबा के छाती ला जोर-जोर से मारे लगिस। बबा के देंहे म छटपटाहट दिखिस। लम्भा-लम्भा सांस लेय लगिस बबा हा। कोन्हो हव, कोन्हो आवत हव का? एती आव। बबा कइसे करत हे। चिल्ला-चिल्ला के खोरवा अऊ सूरदास हा हांक पारे लगिस। चेंदरू अऊ ओकर संगवारी मन ओकर हथेली ल सुक्खा घसरे लगिन। ओकर पांवतरी ल गरम करे लगिन .. बबा के देंहे म थोकिन गरमाहट आय लगिस, फेर ओकर मुंह ले बोली नी निकलत रहय।

पल-पल पहाड़ कस बीते लगिस। कोन्हो नी दिखत रहय। बेरा ढरकत रहय। गांव के मन कमा के वापिस आत दिखही तहन बताबो सोंचत रिहिन..। फेर देरी झन होय सोंच सूरदास संग उचा डरिस अऊ लेगे लगिन। कुछ धूरिहा म गांव के मनखे दिखिन। सब दऊड़िन। सियान के माथा हा डोडोक ले फूलगे रहय। ओकर आंखी लिबिर-लिबिर करत रहय। ओकर जिंदा रेहे के आभास होइस। सबो मिल के चिंगिर-चांगर उचइन। गांव तक उइसने लेगिन।

गांव म देखो-देखो होगे। जेन लइका के मारे गुल्ली ह ओकर माथ म परे रहय। तेकर घर के मन ले बबा के घर के दुश्मनी रहय। चेंदरू ल पूछिन कोन मारिस? काकर मारे गुल्ली म लगिस? चेंदरू हा अपन नाव लिस। अपन संगवारी मन ल घला चेता दे रिहिस। खोरवा अऊ सूरदास घला ओकरे नाव लेहे लगिस। सबो झन सूरदास ला पूछय - तैं थोरेन देखे हस तेमा? सूरदास कहय-जतका झन खेलत रिहिन तेमन बतावत रिहिन। उही ला सुन के कहत हंव। हमला दिखहि थोरेन? पूरा इल्जाम ला अपन माथ म ले लिस चेंदरू ह।

घर म बइद आइस। नाड़ी छुये ले ओकर जिये के एहसास आभास होइस। लकर-धकर दवई दिस। ओकर छाती ल मसकत मालिश करे कस करिस। बबा के लम्भा होवत सांस हा बने होइस। बबा पानी मांगिस। थोरिक बेर म बबा उचके बइठिस।

बबा बतइस- छाती पिरावत रिहिस। तेकर सेती बुता ला आधा छोंड़ के लकर-धकर आवत लइका मनला नी देख पायेंव। गुल्ली आके परिस तेला भर जानथंव। तहन ओ पार ल नी जानव।

चेंदरू के खोरवा संगवारी बतइस- बबा के गिरे के पाछू दऊड़ेन तहन चेंदरू हा डर के मारे बबा.. बबा.. कइसे करथस कहत ओकर छाती ला जोर-जोर से पीटे लगिस। हमन मना नी कर सकेन। गऊकिन काहिं हो जतिस ते? हमरे मन के नाव हो जतिस।

बइद बतइस- छाती ला जोर-जोर से मार के चपके के प्रयास हा ओला जिंदा कर दिस। ओकर छाती ल नी चपकतिस ते? ओकर बंद होत सांस हा चालू नी होतिस। चेंदरू ल मालूम नी रिहिस फेर ओकर काम ले बबा के जीवन बांचगे। गांव म ओला बहुत अशीष मिलिस।

हरिशंकर प्रसाद देवांगन, छुरा

बेटा बचाव

लेड़गा गावत राहय 'काला बतावव मै नारी महिमा देवता घलो नई पावे पार... काला। में पूछेंव का होगे जी लेड़गा?

तब लेड़गा कथे- भइया नारी के महिमा ल कोनो पार नई पा सके। कथे नारी ले दुनिया हारी। एक समे राहय नारी अपन सुहाग ल बचाय बर देवता यमराज ले घलो जोम दे देय (भिड़ जाय)रहिसे। सावित्री ह अपन पति सत्यवान के काया म जब तक जान नी आईस तब तक पाछू नई छोड़िस। माता अनुसुइया ह देवता ब्रम्हा, विष्णु,महेश ल छै महीना के लईका बना देय रिहीस। माता सीता ह घलो अपन पति के सुख-दुख म संग देय बर 14 बछर के बनवास काटे बर ओकर संग ल नई छोंड़िस अऊ अपन सरी सुख ल तियाग दिस।

तैं सही काहत हस जी लेड़गा! तेखरे सेती तो नारी ल शक्ति के रुप माने गेहे। फेर तब अऊ अब म बड़ फरक हे। अब के तिरिया चरितर ल सुनके पोटा कांप जथे। अब तो शेर मन कम अऊ शेरनी मन जादा शिकार करत हे।

लेड़गा कथे-बने फोर के बता न भइया, का कथस समझ नहीं आवत हे? मैं केहेंव यहू मन अभिव्यक्ति के आजादी के नाम म उच्छंद हो गेहे रे लेड़गा। इंकर ब्युटी पार्लर वाले रुप ल देखबे ते भस्मासुर कस तहूं मोहा जबे। इंकर नाम म घलो बड़ जादू रहिथे जइसे- मुस्कान,सोनम, निधि। पहली के सियान मन कहे बेटा एक कुल ल तारथे,बेटी मन दू कुल ल तारथे, फेर अब तो कतनो बेटी मन दू कुल ल मारत हे। इंकर डर (दहशत)अइसन हो गेहे के नीला रंग के डराम वाले के धंधा चौपट (ठप्प) हो गेहे।

लेड़गा कथे-अब के शक्ति ल नई बताय हस भइया।

मै केहेंव-एक झन ह अपन मरद ल कुटी-कुटी काट के नीला डराम म डार के सीरमेंट म छाब दिस, एक झन घुमे के नाम म जंगल में लेग के मरवा दिस। एक झन ह जान बूझके एक्सीडेंट करवा के मरवा दिस। ऐ ह अब के नारी शक्ति आय जी लेड़गा। पाछू पांच बछर म कमसलहा (लगभग)785 मरद मन ल ओकर सुवारी मन यमराज ल मिले के अपाइंटमेंट देवा दिस। ये हरे अब के शक्ति। वइसे ये मन ल कलयुग के विष कन्या भी केहे जा सकथे।

बियंग

लेड़गा पूछथे बेटी पढ़हाव बेटी बचाव के का हो ही भइया? मैं केहेंव अब तो 'बेटा बचाव' अभियान चलाय ल पड़ही जी लेड़गा। पहिली के दाई-ददा मन ल दमाद कइसे मिलही कहिके संसो राहय अब तो बहू कईसे मिलही कहिके संसो रहिथे। अब तो सीरियल नंदागे सास भी कभी बहू थी। अब तो उल्टा चलत हे डायन भी कभी बहू थी। कतनो झन कम पढ़हे लिखे मरद मन अपन सुवारी ल खुब पढ़हाईस पद पा के वहू मन ठेंगा देखा दिस।

लेड़गा पूछथे बेटी पढ़हाव बेटी बचाव के का हो ही भइया? मैं केहेंव अब तो 'बेटा बचाव' अभियान चलाय ल पड़ही जी लेड़गा। पहिली के दाई-ददा मन ल दमाद कइसे मिलही कहिके संसो राहय अब तो बहू कईसे मिलही कहिके संसो रहिथे। अब वो सीरियल नंदागे सास भी कभी बहू थी। अब तो उल्टा चलत हे डायन भी कभी बहू थी। कतनो झन कम पढ़हे लिखे मरद मन अपन सुवारी ल खुब पढ़हाईस पद पा के वहू मन ठेंगा देखा दिस। ऐला कथे 'धन जाय अऊ धरम घलो जाय'। एक ठन अऊ हाना हे 'नकटी के नाक कटे सवा हांथ बाढ़े।' ये इक्कीसवीं सदी आय रे लेड़गा...। अब गुन,गण, नाड़ी मिलाय ल छोड़ के मोबाइल के डेटा निकलवा के,नारको टेस्ट करवा के बहू बिहाय ल पड़ही। अब यहू मन 'मेड इन चाइना' कस हो गेहे। अभिनेच कुन एक झन दूल्हा ह विज्ञापन म छपवाय राहय -

मै फलानी से विवाह करने जा रहा हूं किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचित करें। लेड़गा कथे पहिली पढ़ें रेहेन-

बुंदेलों हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी,
खुब लड़ी मरदानी वह तो झांसी वाली रानी थी।

फेर अब तो ...।

मैं लेड़गा ल कहेंव कहूं घुमना हे तो लड़का मन ल बाडी गॉर्ड लेके घुमे ल पड़ही। एकर ले गॉर्ड मन ल घलो रोजगार मिलही। तहूं एक ठन पोगरही गॉर्ड के आफिस खोल लेबे,जेमा लिखवाबे नवविवाहितों को (विशेष पुरुषों को) सुरक्षा दिया जाता है। बिलकुल कम दामों में।

जान है तो जहान है- प्रोपाइटर -लेड़गा

-फकीर प्रसाद साहू,
'फक्कड़' ग्राम -सुरगी,
राजनांदगांव

मया के खातिर

मोर हाथ के लकीर म मया हि नईहे
मैंय मया के राह म आंव कईसे
मैंहा जेन दिन मया के सिरिफ नांव ले हव
मैंय परसान हौव ओ दिन ले ओला बताव कईसे

मैंय हालत ले लड़के भी हार मानेव
अब मया के सपना सजाव कईसे
मोर मजबुरी के आज घलोक ए पीरा हे
ओ रोवाथे मोला ऐला बताव कईसे

बात बात म एक बात तहुं पुछबे
मया का होथे तेन ल बतातेव अईसे
जिनगि के बेरा बहुतेच कमति हे
तोला हरेक बात ल फोरके बताव कईसे!!

- सोनु नेताम 'माया'
रुद्री नवागांव धमतरी

देशबन्धु
संस्कारधानी

उल्टा पुल्टा

डॉक्टर पागल से- जब तुम तनाव में होते हो क्या करते हो?
पागल - जी, मंदिर चला जाता हूं...
डॉक्टर- बहुत बढ़िया, ध्यान-व्यान लगाते हो वहां?
पागल - जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को देखता रहता हूं, उनको तनाव में देख कर मेरा तनाव दूर हो जाता है।

रुसा जांच समिति ने अटल विवि का किया निरीक्षण दिखा अव्यवस्थाएं

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में गत दिवस केंद्रीय उच्च शिक्षा मंत्रालय अंतर्गत रुसा दिल्ली की जांच समिति विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने पहुंची जिसमें वहां उन्हें भारी अव्यवस्थाएं दिखी।

ज्ञात हो कि रुसा योजना के तहत अटल विश्वविद्यालय को 20 करोड़ रुपए विश्वविद्यालय के भवन व अधोसंरचना आदि के विकास हेतु प्राप्त हुए थे जिस पर किए खर्च का जायजा लेने रुसा की 5 सदस्यीय समिति विश्वविद्यालय पहुंची थी, अलग अलग विभागों में कक्षाओं तथा लैब्स के निरीक्षण के समय निरीक्षण समिति को कई अव्यवस्थाएं दिखी जिसमें जवाब मांगने पर संबंधित अधिकारी गोल मोल जवाब देते रहे तत्पश्चात रुसा की समिति वहां पर उपस्थित छात्र छात्राओं से मिली तथा उनसे निरीक्षण संबंधित प्रश्न पूछे इस दौरान छात्र छात्राओं ने बताया कि विश्वविद्यालय की बिल्डिंग में थोड़ी वर्षा में भी पानी टपकते लगता है दीवारों में अभी से क्रैक्स आ गए है तथा विश्वविद्यालय प्रशासन बेवजह इसमें समय समय पर रेनोवेशन कार्य करवा कर फंड का दुरुपयोग कर रहा है साथ ही विभिन्न विभागों में प्रयोग शाला में इक्विपमेंट्स की खराब स्थिति, विभागों में फंड की कमी से प्रैक्टिकल ना होने तथा लैंग्वेज लैब समेत कई लैब्स को केवल फंड खर्चने के उद्देश्य से बनाए गए हैं जिसकी छात्र छात्राओं को खासी उपयोगिता भी नहीं है, उक्त को निरीक्षण समिति के सदस्यों ने गंभीरता से सुना और सारी बातें लिख कर जांच करने की बात कही, सूरज सिंह राजपूत समेत समिति के सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य के लिए बिलासपुर नगर निगम पुरस्कृत

नई दिल्ली में 17 जुलाई को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु करेंगी पुरस्कृत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पुरस्कार के लिए चयनित नगरीय निकायों को दी बधाई

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर धमक दिखाई है। नई दिल्ली में आगामी 17 जुलाई को आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के सात नगरीय निकायों को स्वच्छता के पैमानों पर खरे उतरने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ये पुरस्कार प्रदान करेंगी। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और बिलासपुर सांसद व केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी पुरस्कार समारोह में शामिल होंगे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसीडेन्ट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम का तीन लाख से दस लाख तक आबादी की शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार जनसंख्या तक की श्रेणी में और बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इसके लिए चयनित किया गया है। राज्य स्तर पर स्वच्छता में अच्छे कार्यों के लिए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा रायपुर नगर निगम को मिनिस्टिरियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा। स्वच्छता के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहरों को मान्यता देने के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के अंतर्गत इस बार सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) की एक विशेष श्रेणी की शुरूआत की जा रही है। इस लीग में उन शहरों को शामिल किया गया है जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में रहे हों और जो चालू वर्ष के स्वच्छ सर्वेक्षण मूल्यांकन में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं। सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) की विशेष एवं नवीन श्रेणी में असाधारण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में छत्तीसगढ़ के भी तीन नगरीय निकाय शामिल हैं। अंबिकापुर नगर निगम को 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में तथा पाटन नगर पंचायत और बिश्रामपुर नगर पंचायत को 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में एसएसएल के लिए चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयनित सातों नगरीय निकायों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा स्थानीय निकायों द्वारा लगातार किए जा रहे कार्यों का यह सुपरिणाम है। आने वाले समय में राज्य के और भी नगरीय निकायों को स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होंगे। शहरी सरकारों से लेकर राज्य और केंद्र की सरकार शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए कई नवाचारों के साथ सतत काम कर रहे हैं।

सार-संक्षेप

लायंस क्लब वसुंधरा ने सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत की गतिविधि

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट सड़क सुरक्षा के अंतर्गत लायंस क्लब वसुंधरा ने अध्यक्ष एमजेएफ रश्मि लता मिश्रा जी के मार्गदर्शनमें सकरी बहतराई प्राइमरी एवं हाई स्कूल में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जिसमें डिस्ट्रिक्ट से माइक्रो चेयरपर्सन वी श्रद्धा राव ने सड़क सुरक्षा हेतु शाला के 10वीं,11वीं और 12वीं के बच्चों को एकजुट करके सड़क सुरक्षा के विभिन्न नियमों से अवगत कराया चूंकी वे पैशे से एक वकील भी है इसलिए अंडर एज में गाड़ी चलाना एवं परिवहन नियमों का पालन न करने से किन-किन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इससे भी सभी को अवगत कराया माइक्रो चेयरपर्सन का विषय ही सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना है जिसके अंतर्गत उन्होंने प्रैक्टिकल तोर पर भी विभिन्न स्लोगन एवं रेड सिग्नल येलो सिग्नल और ग्रीन सिग्नल की महत्ता को समझाया सभी बच्चों को स्लोगन के जरिए सड़क सुरक्षा हमारे लिए क्यों जरूरी है इससे अवगत कराया यह जीवन अनमोल है इसलिए सड़क सुरक्षा हमारे लिए बहुत आवश्यक है लायंस क्लब वसुंधरा से सचिव अर्चना तिवारी, सलमा बेगम, कोषाध्यक्ष विनीता मिश्रा सुधा परिहार उषा मुदलियार की उपस्थिति रही स्कूल की प्रिंसिपल अंजली गुप्ता ने अपनी कार्यशाला में सड़क सुरक्षा के लिए बच्चों को अवगत कराने हेतु आश्वासन दिया स्कूल में सड़क सुरक्षा अभियान के नियमों के पंपलेट भी बांटे गए क्योंकि यह जीवन है अनमोल और बच्चों को इस बात की जानकारी दी गई लायंस क्लब वसुंधरा की ओर से की मत करो बच्चों इतनी मस्ती क्योंकि यह जिंदगी नहीं है इतनी सस्ती सड़क सुरक्षा अभियान को अपनाना है अपने जीवन को बचाना है।

अमर ने कैट के सदस्यों से ली जानकारी

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। आज बिलासपुर प्रवास में कैट के वाइस चेयरमेन व व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर परवानी बिलासपुर आये थे। इस अवसर पर बिलासपुर कैट कार्यकारणी टीम के साथ बैठक की जिसमे बिलासपुर इकाई द्वारा चल रही गतिविधियों की जानकारी लेते हुए। बिलासपुर इकाई द्वारा के द्वारा किये जा रहे काम की सराहना की इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीतेन्द्र गाँधी, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजू सलुजा, बिलासपुर जिले के अध्यक्ष किशोर पंजवानी, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, कार्यकारणी अध्यक्ष सुरेंद्र अजमानी, हीरानंद जयसिंह, संगठन मंत्री परमजीत सिंह उबेजा, विष्णु गुप्ता, अरविंद वर्मा एवं छत्तीसगढ़ चेम्बर के बिलासपुर अध्यक्ष भागचंद बजाज व महिला मंडल बिलासपुर से निहारिका त्रिपाठी, रेशु शर्मा, फिरोज आलिम व अन्य ने मुलाकात की।

शिवसेना कार्यकर्ताओं ने खंड शिक्षा अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। शिवसेना के प्रदेश महासचिव सुनील झा के निर्देश पर तखतपुर ब्लाक के शिवसैनिकों द्वारा हरदीग्राम में शासकीय प्राथमिक शाला माध्यमिक प्राथमिक शाला एवं आंगनवाड़ी जो विगत कई वर्षों से जर्जर पड़े हुए हैं इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी तखतपुर को ज्ञापन दिया गया। जिला उपाध्यक्ष नीलमणि कौशिक ने बताया गया कि छात्र-छात्राओं द्वारा एक किलोमीटर की दूरी से बरसात में सफर कर स्कूल पढ़ने आते हैं लेकिन जर्जर पड़े हुए स्कूल में ऊपर से पानी टपक रहा है छत की छड़ दिखाई दे रही है जिसमें कभी भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है और गांव के सरपंच के बार-बार बोलने पर भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है इस संबंध में शिव सैनिकों तक द्वारा तखतपुर खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया गया जिसमें मुख्य रूप से नीलमणि कौशिक जिला उपाध्यक्ष बिलासपुर उमेश साहू विधानसभा उपाध्यक्ष तखतपुर जिला कार्यकारिणी सदस्य द्वारिका वस्त्रकार एवं समस्त शिव सैनिक उपस्थित थे।

असंभव कुछ भी नहीं का प्रकाशन सार्थकता की सिध्दि-डॉ.पाठक

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। शनिवार को विमोचन एवं सम्मान समारोह के मुख्यअतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं थावे विद्यापीठ के कुलपति डॉ.विनय कुमार पाठक ने कहा-बुक्स क्लिनिक एवं साहित्यग्राम प्रकाशन द्वारा प्रकाशित गुड्डु कुमार राणा द्वारा लिखित आत्मकथात्मक कृति अतिसामान्य व्यक्ति के उम्मीद की किरणों से आलोकित होने के कारण नयी पीढ़ी की उलझनों में सुलझन बनकर प्रकाश स्तंभ प्रमाणित होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि श्री राणा की यह पुस्तक शून्य ऐ क्षितिज की ओर प्रस्थान करने का केंद्र बिंदु प्रमाणित हुआ है। विमोचन समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार केशव शुक्ला ने कहा-श्री राणा ने समस्याओं के पीछे अवसरों को पहचाना और आगे बढ़े।यह पुस्तक युवाओं को पथ दिखाएगी।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार अमृतलाल पाठक ने कहा-हर इंसान के जीवन में संघर्ष होता है।उन्होंने अपने और राणा के जीवन संघर्षों का एक संक्षिप्त तुलनात्मक विवेचन भी किया। आरंभ में बुक्स क्लिनिक पब्लिकेशन के डॉयरेक्टर हितेश सिंह बिसेन ने स्वागत भाषण दिया।समस्त कार्यक्रम का संचालन विश्व हिंदी परिषद नई दिल्ली के छत्तीसगढ़ शैक्षिक प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. संगीता बनाफर ने किया।

इस अवसर पर डॉ.राघवेंद्र दुबे,डॉ.ए. के.यदु,अशरफी लाल सोनी,अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर आदि ने भी विचार व्यक्त किया।आरंभ में गुड्डु कुमार राणा ने अपने जीवन के संघर्षों पर प्रकाश डाला।उनके मित्र जो उनके साथ आये थे शंकर वर्मा (गिरिडीह) ने भी अपने विचार व्यक्त किये।उनके साथ आये मित्रों में अनूप कुमार स्वर्णकार (गिरिडीह),नरेश कुमार (राजस्थान),सप्तम साहू (छत्तीसगढ़)उपस्थित रहे। अंत में आभार डॉ.यदु ने व्यक्त किया।

बुक्स क्लिनिक पब्लिकेशन कुदुदण्ड स्थित कार्यालय में हुए इस समारोह में इस उपस्थित नगर के प्रमुख साहित्यकारों में वरिष्ठ कवि विजय तिवारी, डॉ.राघवेंद्र दुबे, शत्रुघन जैसवानी,शीतल प्रसाद पाटनवार,राम निहोरा राजपूत,राजेश सेवतकर साहित्यग्राम प्रकाशन की डॉयरेक्टर श्रीमती ऋचा सिंह,दिव्या सिंगरौल रजनी विश्वकर्मा ,जिया तुमनिया,राजेश बंजारे,लव थवाईत,आयुष सिंह ठाकुर,आशीष धुरी,पूर्णिमा श्रीवास पल्लवी पांडेय चंद्रप्रकाश लहरे आदि गण मान्य नागरिक मौजूद रहे हैं।

रोजगार मेला का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में सफल आयोजन

बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर में कुल 407 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। रोजगार मेला के 16वें चरण के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर में रोजगार मेलों का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित कुल 407 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के लगभग 51,000 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किया एवं उन्हें नई भूमिका हेतु शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बिलासपुर में यह आयोजन नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट ऑडिटोरियम में किया गया, जहाँ 185 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसमें 173 अभ्यर्थी रेलवे विभाग से तथा 12 अभ्यर्थी अन्य विभागों (सीआईएसएफ एवं डाक विभाग) से थे। मुख्य अतिथि के रूप में तोखन साहू, केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार, उपस्थित रहे। उन्होंने प्रारंभिक 30 नियुक्ति पत्र प्रदान किए। शेष नियुक्ति पत्र विभागीय अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल, रेल अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे। इसी प्रकार से रायपुर रेल मंडल में यह आयोजन कम्युनिटी हॉल, डब्लूआरएस कॉलोनी में किया गया। यहां 73 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिनमें से 57 अभ्यर्थी फिजिकली उपस्थित रहे। इसमें रेलवे विभाग के 45, पोस्टल विभाग के 4, गृह मंत्रालय के 2, स्वास्थ्य मंत्रालय के 5 एवं संस्कृति मंत्रालय के 1 अभ्यर्थी शामिल थे। तथा नागपुर में रोजगार मेला मंगल मंडप, कड़बी चौक में आयोजित किया गया। यहाँ 149 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। रोजगार मेला के इस आयोजनों के माध्यम से युवाओं को रोजगार प्रदान कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में सार्थक योगदान दिया गया। तीनों स्थानों पर अभ्यर्थियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने इन आयोजनों को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बनाया।

पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में धूमधाम से मनाया जा रहा सावन महोत्सव

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। सरकंडा स्थित श्री पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में सावन महोत्सव धूमधाम के साथ श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आ शारदेश्वर पारदेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेकात्मक महायज्ञ चल रहा है, जिसमें विद्वानों द्वारा प्रतिदिन नमक चमक विधि द्वारा पाठ एवं अभिषेक किया जा रहा है। पीठाधीश्वर आचार्य डॉ. दिनेश जी महाराज ने बताया कि रूद्राभिषेक एक धार्मिक अनुष्ठान है, जो शक्तिशाली मंत्रो के उच्चारण द्वारा किया जाता है। और रुद्राभिषेक पूर्ण रुप से भगवान शिव को समर्पित है, क्योंकि सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता भगवान शिव है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण,आरोपी गिरफ्तार

आरोपी को अपराध दर्ज होने के महज 06 घंटे के अंदर टेक्निकल इनपुट की मदद से बलौदा बाजार से किया गया गिरफ्तार

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। पीड़िता ने थाना पचपेड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी अजय साहू पीड़िता को नाबालिक लड़की होना जानते हुए भी शादी का झांसा देकर अपने साथ गुजरात भगा ले गया और शारीरिक शोषण करता रहा। रुपये की कमी होने पर पीड़िता को मारपीट कर प्रताड़ित करने लगा। कुछ महीने बाद रायपुर मोवा में आकर रहने लगे थे ।पीड़िता, आरोपी की चंगुल से भाग कर अपने घर आई ।पीड़िता के रिपोर्ट पर थाना पचपेड़ी में अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया ।अपराध के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। एसडीओपी मस्तूरी लालचंद मोहल्ले (सी.पी.एस.) के द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त होने पर विवेचना के दौरान

त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी अजय कुमार साहू पिता अशोक साहू उम्र 19 वर्ष साकिन लोहर्सी थाना पचपेड़ी जिला बिलासपुर के विरुद्ध अपराध घटित करने का सबूत मिलने पर अपराध दर्ज होने के महज 06 घंटा के अंदर टेक्निकल इनपुट की मदद से बलौदा बाजार से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी पचपेड़ी श्रवण कुमार, स उ नि ओंकार बंजारे ,प्रधान आरक्षक हरेंद्र खूंटे,आरक्षक रघुनाथ रेड्डी, महिला आरक्षक यशोदा कश्यप का योगदान रहा।

सीयू के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय नैक से ए डबल प्लस ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय की सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन दिनांक 11-12 जुलाई, 2025 को किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की थीम आत्मनिर्भर भारत के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल का विचार रही। दिनांक 11 जुलाई, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार के उद्घाटन समारोह के मुख्य संरक्षक एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सेमीनार का आयोजन किया गया। प्रो. अमित कुमार सक्सेना, प्रभारी कुलपति ने 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर भारत की महत्वाकांक्षाओं की चर्चा की और संसाधनों के कुशल उपयोग, नीति-निर्माण एवं निष्पादन की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि प्रो.

आदित्य प्रसाद पाढ़ी, पूर्व कुलपति, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा, ने सरदार पटेल की दृढ़ता, चतुराई और निष्ठा के साथ आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो. देवेंद्र कुमार मदान, अंतरराष्ट्रीय मामलों के डीन और सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला ने सरदार पटेल के प्रारंभिक जीवन और उनके सरदार बनने की यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। विशेष अतिथि प्रो. एस. के. मिश्रा, अर्थशास्त्र अध्ययनशाला के अध्यक्ष एवं डीन विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने सरदार पटेल के आर्थिक योगदान पर प्रकाश डाला। प्रो. रामकृष्ण प्रधान, संगोष्ठी के सह-अध्यक्ष एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता ने ऑर्गेनिक फिलॉसफी की आवश्यकता पर बल दिया।

इससे पूर्व मां सरस्वती की वंदना एवं कुलगीत से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। संगोष्ठी के संयोजक एवं आयोजक सचिव तथा अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. राजकुमार नागवंशी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। बी. श्रीनिवास द्वारा मंचस्थ अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन हुआ। मंचस्थ अतिथियों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर ए.एस. रणदिवे ने धन्यवाद एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. सांत्वना पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्षगण, शिक्षकगण एवं अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

एकलव्य विद्यालय में छात्रों का बढ़ाया उत्साह

राज्यपाल रामेन डेका ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर में आंवला के पौधे रोपे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की, ताकि धरती को हरा-भरा और जीवनदायिनी बनाया जा सके। इस अवसर पर राज्यपाल ने परिसर में संचालित एकलव्य विद्यालय और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों से परिचय लेते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में सफलता पाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहने का संदेश दिया।

तारकेश्वर को बनाया मंडल महामंत्री

कोरबा-पाली, 12 जुलाई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी मंडल पाली में संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम निर्णय लेते हुए तारकेश्वर पटवा को मंडल महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी ने उनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक सशक्त और जन-संवेदनशील बनाने की उम्मीद जताई है। भाजपा पाली मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्री पटवा को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई दी हैं।

ऐतमानगर बांगो में कृषक संगोष्ठी आयोजित

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर मत्स्य बीज प्रक्षेत्र ऐतमानगर बांगो में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा की अध्यक्ष श्रीमती माधुरी तंवर, जनपद सदस्य आयुष सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र कटघोरा के मछली पालन के वैज्ञानिक श्रीमती सुलोचना भूमिया, कृषि विभाग से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अखिलेश देवांगन, मत्स्य बीज प्रक्षेत्र महासंघ के वरिष्ठ प्रबंधक श्री तंजिया उपस्थित थे। उनके द्वारा प्रक्षेत्र का अवलोकन भी किया गया एवं उपस्थित मत्स्य कृषकों से परिचर्चा हुई।

मटमैला पानी आ रहा एसईसीएल कालोनी में

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। बारिश के मौसम में विभिन्न क्षेत्रों में साफ पानी नहीं आने की शिकायतें आ रही है। एसईसीएल कोरबा पूर्व क्षेत्र के अंतर्गत रजगामार में भी लोगों ने ऐसी शिकायतें की है। एसईसीएल क्वाटर और विद्यालय में गंदा पानी मिलने से परेशानी बढ़ी हुई है। खबर के अनुसार पानी के साथ मिट्टी और दूसरे तत्व आ रहे हैं। दूषित पानी का उपयोग करने से लोगों को पेट संबंधी परेशानी हो रही है। सांसद प्रतिनिधि दीप चंद केशरवानी ने सब एरिया मैनेजर के को इस बारे में पत्र लिखा है। कहा गया कि हस्तक्षेप करते हुए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए ताकि लोगों की समस्या दूर हो।

अनाचार का आरोपी हुआ गिरफ्तार

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। बालकोनगर पुलिस ने 11 वर्षीय किशोरी से अनाचार के मामले में आरोपी सरना रिंकू 26 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि किशोरी लालघाट स्थित अपने घर पर थी तब यह घटना हुई। बालको पुलिस ने आरोपी को पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बताया गया है कि आरोपी इससे पहले अपने पुत्र की हत्या कर चुका है और हाल में ही जेल से छूटकर बाहर आया था।

बुधवारी क्षेत्र में आम जगह को बनाया रेत यार्ड

कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। शहर के बुधवारी बस्ती इलाके में सार्वजनिक स्थल पर रेत का अवैध भंडारण किया जा रहा है। इस वजह से आवागमन बाधित हो रहा है। लोगों की आपत्ति के बावजूद ऐसी हरकतें जारी है। जानकारी के अनुसार यहां सरेआम ऐसा काम चल रहा है। बताया गया कि जैन मंदिर कोरबा से रामपुर चौक मार्ग पर बुधवारी में गांधी जी की मूर्ति वाले मैदान में एक व्यापारी द्वारा रेत का अवैध भंडारण किया गया है। इसकी शिकायत मिलने पर नगर निगम की एक टीम मौके पर पहुंची और फिर बालू भरी गाड़ी को जप्त कर लिया गया। इसी बीच लाल गाड़ी में सवार होकर व्यापारी का पुत्र वहां पहुंचा निगम के कर्मचारियों और उसके मध्य कुछ बातचीत हुई। इसके बाद जप्त की गई रेत को यहां छोड़ने के साथ टीम चली गई। यहां रहने वाले लोगों का दावा है कि ऐसा कई बार हो चुका है। शिकायत होने पर निगम की टीम पहुंचती है और फिर कार्यवाही नहीं करती है। लोगों की आपत्ति इस बात को लेकर है कि सार्वजनिक जगह का इस्तेमाल रेत यार्ड के लिए आखिर किस नियम से किया जा रहा है।

पूर्णिमा पर दीपों से जगमगाया हसदेव तट, हुई आरती

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। आषाढ़ पूर्णिमा पर कोरबा का हसदेव तट दीपमालिका से जगमग हो उठा। नमामि हसदेव सेवा समिति ने यहां परंपरागत तरीके से हसदेव की आरती की। आरती में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी मुख्य यजमान के रूप में सहभागी हुए। विशिष्ट यजमान, परशुराम ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता बृजेश कुमार शुक्ला, राजपूत क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह ठाकुर, झेरिया यादव समाज के जिलाध्यक्ष रिखी राम यादव व कनौजिया राठौर समाज के जिलाध्यक्ष सीताराम राठौर थे। कार्यक्रम में अशोक मोदी ने कहा कि नदी संरक्षण के लिए जो कार्यक्रम नमामि हसदेव ने शुरू किया है वह अत्यंत वंदनीय है। ऐसी कोशिश से हम लोगों में नदियों के प्रति सम्मान व श्रद्धा की भावना को बढ़ा सकेंगे। समापन पर समिति ने अतिथियों व सहयोगियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन में शामिल हुए।

लोकार्पण के 29 दिन बाद ही गिरा कन्वेंशन हॉल का छज्जा

जिला जेल तक सुनाई दी आवाज, लोग दहशत में

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के नाम पर कोरबा के रिस्दी रोड में बने वृहद क्षमता वाले कन्वेंशन हॉल के छज्जे का बड़ा हिस्सा बीती रात धराशायी हो गया। इसकी आवाज इस कदर रही कि उसे जिला जेल के आसपास तक सुना गया। अगली सुबह इस बारे में तथ्य सामने आए। आनन-फानन में सुधार कार्य शुरू कराया गया। सबसे खास बात यह रही कि यह घटना हॉल के लोकार्पण के ठीक 29 दिन बाद हुई। दावा किया जा रहा है कि घटना के पीछे बारिश एक कारण हो सकती है।

1714.62 लाख रुपए जिला खनिज न्यास मद से इस निर्माण पर व्यय किए गए। लगभग 7 वर्ष में इस काम को पूरा किया गया। लंबे समय में निर्माण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 12 जून 2025 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री अरूण साव के द्वारा कन्वेंशन हॉल का लोकार्पण किया गया। इसके लिए स्थानीय स्तर पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। कई बड़ी हस्तियां और जन सामान्य की उपस्थिति समारोह में दर्ज हुई। लोकार्पण समारोह का एक महीना भी पूरा नहीं हुआ था कि कन्वेंशन हॉल के निर्माण की क्वालिटी उजागर हो गई। बारिश के महीने में हुई घटना के दौरान पिछली रात जोर की आवाज के साथ छज्जे का एक बड़ा हिस्सा भरभरा कर नीचे आ गिरा। काफी ऊंचाई से वजनी सामान के नीचे गिरने पर हुई आवाज को जिला जेल परिसर और कर्मियों की कालोनी तक सुना गया। लोगों को भ्रम हुआ कि कहीं कोई धमाका हुआ है। अगली सुबह मालूम चला कि कन्वेंशन हॉल का छज्जा गिरा था। नीचे सैंकड़ों पक्के टुकड़े पड़े थे और ऊपर के निर्माण स्थल पर लोहे की रॉड कामकाज की सच्चाई बता रही थी। खबर के अनुसार आनन-फानन में ही यहां के सुधार कार्य को आज सुबह प्रारंभ कराया गया।

योग दिवस का हुआ था आयोजन

लोकार्पण के 9 दिन बाद इस भवन में पहला बड़ा आयोजन अंतर्राष्ट्रीय 11वें योग दिवस पर किया गया। इस मौके पर जिले के प्रभारी मंत्री अरूण साव, श्रम, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन सहित जिले के जनप्रतिनिधि व नागरिक संगठनों के लोग शामिल हुए। इसके साथ कन्वेंशन हॉल की ख्याति बढ़ी। याद रहे इससे पूर्व कन्वेंशन हॉल के लोकार्पण पर लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की विशाल प्रतिमा का अनावरण भी सामने के हिस्से में किया गया।

मुआवजा घोटाला की जांच कराने राज्यपाल से मिले पूर्व मंत्री कंवर

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने राज्यपाल रामेन डेका से एनटीपीसी के कावेरी गेस्ट हाउस में मुलाकात की। राज्यपाल से एसईसीएल दीपका परियोजना के अधिग्रहण में हुए मुआवजा घोटाला और फ्लोरा मैक्स में ठगी की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई। भुगतान कराया जाए। उन्होंने जिला खनिज संस्थान न्यास मद की राशि को मनमर्जी ढंग से उपयोग करने पर रोक लगाने, सरकार के आदेशों का शत-प्रतिशत पालन कराने की मांग की। उन्होंने कुछ अधिकारियों की गतिविधियों की जानकारी दी और नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा। राज्यपाल ने आश्वस्त किया

ननकीराम कंवर ने राज्यपाल से मिलकर कहा कि विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत रजगामार में जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों का शीघ्र है कि उनकी मांगों और मामलों के संबंध में गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान ननकी राम कंवर के साथ अनिल चौरसिया भी उपस्थित रहे।

15वें वित्त की राशि का सदुपयोग करें ग्राम विकास में, बोले राज्यपाल

ग्रामीण जनप्रतिनिधि समय पर पूरा करें पीएम आवास

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। राज्यपाल रामेन डेका ने इस बात पर जोर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र में 15वें वित्त की राशि का सदुपयोग विकास के लिए होना चाहिए। ग्रामीण प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे इस पर ध्यान दें। अपने गांव से जुड़कर रहें और योजना के क्रियान्वयन को देखें भी।

जिले के आकांक्षी ब्लाक कोरबा और पोड़ी-उपरोड़ा के ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की बैठक के दौरान राज्यपाल ने सरपंचों, जनपद व जिला पंचायत सदस्यों सहित अध्यक्षों से बातचीत की। इससे पहले उन्होंने महत्वपूर्ण इंडीकेटर की समीक्षा की। उनसे कहा गया कि अपने क्षेत्र की जो भी समस्याएं हैं उनको चिन्हांकित करें और आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कलेक्टर से मिलकर उनसे चर्चा करें। उन्होंने गांव में स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने तथा पीएम आवास योजना अन्तर्गत हितग्राहियों को आवास निर्माण समय पर पूरा करने के लिये जन प्रतिनिधियों की भूमिकाओं को महत्वपूर्ण बताते हुए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहित किया। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सरपंचों द्वारा राज्यपाल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस दौरान कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ कुमार निशांत, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग तथा जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सैंकड़ों स्कूलों में भरे जाएंगे मानदेय पर शिक्षकों व भृत्यों के पद

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में शहर से लेकर ग्रामीण सुदूर अंचलों में संचालित होने वाले प्राथमिक शालाओं, माध्यमिक शालाओं में रिक्त पदों पर मानदेय शिक्षकों और भृत्यों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी टीपी उपाध्याय के द्वारा आदेश व निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सभी पांचों ब्लॉक में आवश्यकता वाले एकल शिक्षक प्राथमिक शालाओं तथा जरूरत वाले माध्यमिक शालाओं में गणित, अंग्रेजी, विज्ञान और कला विषय के मानदेय शिक्षक भर्ती लिए जाएंगे। इसी तरह प्राथमिक और माध्यमिक व हाई/हायर सेकेंडरी स्कूलों में भृत्यों की भी नियुक्ति मानदेय के आधार पर होगी।

करतला विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक शालाओं में 48, पूर्व माध्यमिक शालाओं में विभिन्न विषयों के लिए 28 और भृत्य के 35 पद मानदेय पर भरे जाने हैं। इसी तरह क्रमशः कोरबा ब्लॉक में 72,38, 45 कटघोरा ब्लॉक में 15, 1 (गणित), 56, पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में 73 ,22, व 112 तथा पाली ब्लॉक में प्राथमिक शालाओं के लिए 23, माध्यमिक शालाओं के लिए 10 मानदेय शिक्षकों व 40 मानदेय भृत्य की नियुक्ति की जानी है। इस प्रकार प्राथमिक शालाओं में कुल 231, माध्यमिक शालाओं में 99 मानदेय शिक्षकों व 294 भृत्यों की नियुक्ति होना है। इसके लिए वांछित शर्तों और नियमों के साथ आवेदन लिए जाकर प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

सच्ची श्रद्धा से प्रसन्न होते है भगवान शिव : प्रदीप मिश्रा

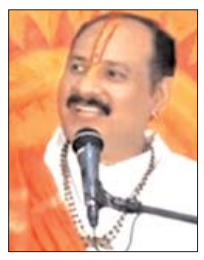

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा है कि भगवान शिव वरदानी है और अपने भक्तों पर शीघ्रता से कृपा करते है। उन्हें व्यर्थ के आडंबर पसंद नहीं है। सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से उनकी पूजा की जाए तो वे प्रसन्न हो जाते है।

कुदुरमाल में परिवर्तित कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार से पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा प्रारंभ हुई। पहले दिन पूजा-अर्चना के साथ उन्होंने कथा की शुरूआत की। लाखों की भीड़ की बजाय कथा सुनने का मौका खास लोगों को मिल सका। पहले दिन उन्होंने भगवान की महिमा बताई और यह भी कहा कि पूरे ब्रम्हाण्ड में कोरबा का नाम हो गया है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण आयोजकों को परेशानी हुई। इसके बावजूद संकल्प के तहत कोरबा में शिव कथा कराई गई। इससे पता चलता है कि इच्छा शक्ति होने पर ईश्वर सबकी सहायता करते है। इससे पहले 3 जगह प्रस्तावित की गई और बाद में आयोजन नहीं हो सका। वैकल्पिक रूप से सीमित लोगों के लिए कथा की व्यवस्था कराई गई और आम लोगों को आस्था चैनल से कथा सुनने को कहा गया। 7 दिन तक चलने वाली कथा के अंतर्गत लोग शिव की महिमा जानेंगे और कई समस्याओं से बाहर निकलने के उपाय भी जानेंगे। कथा में प्रत्यक्ष रूप से भागीदारी करने का अवसर आयोजकों और यजमानों को मिल रहा है। बाकी लोगों के लिए टेलीवीजन प्रसारण का विकल्प दिया गया।

धवईहापारा में प्रवेशोत्सव पर दी गई पुस्तकें

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। संकुल केंद्र रजकम्मा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला धवईहापारा में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि सरपंच उर्मिला पैकरा थीं। नोडल प्राचार्य राजीव जोगी ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथियों में प्रियंका पाटले उपसरपंच, जीवन सिंह मरकाम सीएसी, पुष्पक साहू, विनोद जायसवाल, छत्रपाल पाटले उपस्थित थे।

इस अवसर पर उर्मिला पैकरा ने पालकों से बच्चों को मोबाइल से दूर रखते हुए प्रतिदिन विद्यालय भेजने को कहा। एसएमसी अध्यक्ष श्री पाटले ने शिक्षकों से कमजोर बच्चों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। प्राचार्य राजीव जोगी ने कहा कि हम शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्ति के बेहद करीब है। छात्र-छात्राओं के साथ माताओं का समन्वय हमारे लिए मील का पत्थर साबित होगा। अतिथियों ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का शाला प्रवेश कराया। प्राथमिक प्रमाण पत्र परीक्षा में विद्यालय में प्रथम मीनाक्षी और द्वितीय सुनैना को स्कूल बैग भेंटकर सम्मानित किया। बच्चों को पाठ्य पुस्तक वितरित किया गया।

हाफ रिसेस में चलाई ब्लेड से 7वीं का छात्र जख्मी

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिले के ग्राम दादर स्थित माध्यमिक शाला में दो छात्रों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद एक छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से हमला कर जख्मी कर दिया। छात्र के गले और चेहरे पर गंभीर जख्म आए हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में प्रभारी प्रधान पाठक लता जायसवाल को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा गया है।

जानकारी के मुताबिक मानिकपुर पुलिस सहायता केंद्र अंतर्गत दादरखुर्द के शासकीय पूर्वमाध्यमिक शाला में मारपीट की घटना हुई है।

रोज की तरह शनिवार को भी 7वीं कक्षा का पीड़ित छात्र सिद्धार्थ स्कूल पहुंचा था। सुबह 9.35 बजे रिसेस के दौरान स्कूल से लगी बांसबाड़ी नर्सरी में दोनों छात्र आपस में किसी बात को लेकर भिड़ गए थे। बहस इतनी बढ़ गई कि इसी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र आयुष चौहान ने सिद्धार्थ पर अचानक ब्लेड से वार कर दिया और मौके से फरार हो गया। पीड़ित छात्र के गले और चेहरे पर गंभीर जख्म लगने से वह लहूलुहान हो गया। जख्मी छात्र को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और इलाज जारी है। हैरानी की बात यह है कि स्कूल प्रशासन को इस गंभीर घटना की भनक तक नहीं लगी।

शिक्षक सुशील कुमार ने बताया कि दोनों 7वीं कक्षा के छात्र हैं। दोनों के बीच पहले से लड़ाई-झगड़ा चल रहा था। शिक्षकों को खबर हुई तो उन्होंने संज्ञान लिया। बाद में पीड़ित को हास्पिटल भेजा गया, जहां पर उसे चिकित्सा दी गई।

चौपाटी में बिगडैल तत्वों की पहुंच से कारोबारी परेशान

इस मौसम में बढ़ा जीव-जंतुओं का खतरा

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। शहर में संचालित चौपाटी में असामाजिक तत्व सक्रिय होने लगे हैं। साथ ही बड़े-बड़े गाजर घांस भी उग आए हैं। इसकी वजह से दुकानदारों और घूमने आए लोगों के लिए भी खतरा बना हुआ है। जहरीले जीव जंतु कहीं भी विचरते देखे जा सकते हैं। बारिश के मौसम में इनके चलते अनहोनी की आशंका बनी हुई है। शाम होते ही यदि मन में ख्याल आए कि कहीं घूमने जाया जाए या कुछ खा लिया जाए तो सबसे पहले चौपाटी की तसवीर उभरती है। निहारिका स्थित चौपाटी जो कि नए जगह पर संचालित हो रही है, यहां कुछ अव्यवस्थाएं सामने आ रही हैं। बड़े बड़े गाजर घांस में जहरीले जीव जंतु निवास कर रहे हैं जिससे इस मौसम में अनहोनी की आशंका बनी हुई है। दुकानदारों का कहना है कि असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी यहां होता है जो नशे में गाली गलौच करते हैं। चौपाटी में काफी सारे दुकानदार अपनी दुकान चलाते हैं । रात में भी यहां पर्याप्त लाइट नहीं होती जिसका फायदा असामाजिक तत्वों को आसानी से मिलता है। इन दिनों जीव-जंतुओं को बाहर करने में लोगों का काफी समय जाया हो रहा है। कारोबारी चाहते हैं कि पर्याप्त सुधार के साथ यहां निगरानी भी हो ताकि अराजक तत्वों से मुक्ति मिले।

छात्राओं को स्वास्थ मार्गदर्शन दिया चिकित्सकों ने

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। अग्रसेन पब्लिक स्कूल के कक्षा सातवीं से 12वीं कक्षा के छात्राओं को माहवारी से संबंधित सावधानी बरतने, पीड़ा से बचने व पौष्टिक भोजन लेने की जानकारी दी गई। डॉ. रितेश सुनहरे के द्वारा बताया गया कि लापरवाही के कारण कई बार महिला वर्ग को ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की शिकायत होती है। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को सेनेटरी पैड का उपयोग भी सिखाया गया। यहां लगभग 400 निशुल्क पैड का वितरण भी किया

गया। कार्यक्रम का आयोजन भारत विकास पारिषद ने किया। इसका संयोजन भगवती अग्रवाल, बिमला, ममता गुप्ता ने किया। अंत में संस्था की ओर से डॉ. सुनहरे को स्मृति चिन्ह दिया गया।

नमामि हसदेव के अध्यक्ष बने चंद्रकिशोर

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। नमामि हसदेव सेवा समिति के कार्यकारिणी की घोषणा की गयी।

घोषित कार्यकारिणी में संरक्षक श्रेष्ठ सिह ठाकुर, अध्यक्ष चन्द्र किशोर श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष रणधीर पाण्डेय, उपाध्यक्ष नरेश कुमार अरोरा, उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार परासर, उपाध्यक्ष शैलेश पाण्डेय, सचिव यशवंत कुमार मिश्रा, सयुक्त सचिव सुखविन्दर सिंह धंजल, संयुक्त सचिव कीर्ति कुमार अग्रवाल, सयुक्त सचिव विजय कुमार राठौर, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष शिवम पाण्डेय, आचार्य प्रमुख पं. रविशंकर मिश्रा, आचार्यसह प्रमुख पं.मोहनधर दीवान, पर्यावरण प्रमुख प्रकाश सिंह चाहल, स्वच्छता प्रमुख संजय पाण्डेय, आरोग्य जनजागरण प्रमुख डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा, हनुमान चालीसा पाठ प्रमुख अखिलेश भारती, हनुमान चालीसा पाठ सह प्रमुख मनीष मैत्री शामिल हैं।

सार-संक्षेप

मनेंद्रगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में नई सौगात

चैनपुर में बनेगा जवाहर नवोदय विद्यालय, 11.8 हेक्टेयर भूमि का हुआ चिन्हांकन

मनेंद्रगढ़,12 जुलाई (देशबन्धु)। अब स्वास्थ्य के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो रहा है। क्षेत्रवासियों के लिए एक और बड़ी सौगात के रूप में जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। चैनपुर में इस विद्यालय के लिए 11.8 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निरंतर प्रयासों से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी है। उनके नेतृत्व में मनेंद्रगढ़ को पहले ही मेडिकल कॉलेज जैसी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा मिल चुकी है, और अब शिक्षा के क्षेत्र में भी नई क्रांति की शुरुआत हो रही है। जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना से अब जिले के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने ही जिले में मिल सकेगी। उन्हें उच्च स्तर की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे अभिभावकों की चिंता भी कम होगी और विद्यार्थियों का समग्र विकास संभव होगा। यह कदम मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा और आने वाले वर्षों में यहां की नई पीढ़ी को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा।

मारपीट करने वाले दो विधि के साथ संघर्षरत बालक समेत छह आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़ 12 जुलाई (देशबन्धु)। गांधीनगर, जूटमिल में मारपीट की घटना के बाद जूटमिल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार बालिग सहित दो विधि के साथ संघर्षरत बालकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में रिमांड पर पेश किया है। घटना 10 जुलाई की रात की है जब थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत राव को सूचना मिली कि गांधीनगर में कुछ लड़कों द्वारा मारपीट की जा रही हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आहत से पूछताछ कर आरोपियों की पहचान करते हुए सभी को हिरासत में लिया।

घटना के संबंध में ग्राम चुरेला, थाना सारंगढ़ जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ निवासी प्रिंस भारद्वाज (20 वर्ष) ने थाना जूटमिल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सराईभदर, रायगढ़ में अपनी मौसी के घर शादी समारोह में आया था। रात करीब 10:30 बजे वह अपनी दीदी और जीजा को मिट्ठुमुड़ा मोटरसाइकिल से छोड़कर लौट रहा था, तभी गांधीनगर में रास्ता रोककर बादल यादव, वंश रात्रे और उनके अन्य साथियों ने पैसे की मांग करते हुए गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। किसी तरह भागकर उसने अपनी मौसी को घटना की जानकारी दी और फिर परिजनों के साथ थाना जा रहा था, तभी रात करीब 11. 30 बजे वही युवक दोबारा रास्ता रोककर गाली-गलौज करने लगे और डंडे व लात-घूंसे से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए प्रार्थी के माता-पिता और भाई के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। जूटमिल पुलिस ने गांधीनगर के वंश रात्रे, करन भारद्वाज, बादल यादव, युवराज उर्फ गोपी टंडन और दो विधि के साथ संघर्षरत बालकों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त डंडा भी जब्त कर लिया है। चूंकि यह बलवा और सामूहिक मारपीट की गंभीर घटना थी, इसलिए आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 119(1), 296, 351(3), 115(2), 191(2), 191(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर सभी आरोपियों को न्यायालय में रिमांड पर भेजा गया है।

आईजी संजीव शुक्ला ने की रायगढ़ पुलिस के पौधरोपण अभियान की सराहना

रायगढ़, 12 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज डॉ. संजीव शुक्ला रायगढ़ प्रवास के दौरान कल पुलिस नियंत्रण कक्ष में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चैकी प्रभारियों के साथ बैठक लेने के पश्चात उर्दना स्थित पुलिस फायरिंग रेंज पहुंचे, जहां उन्होंने फायरिंग रेंज परिसर में चल रहे वृक्षारोपण कार्यों का निरीक्षण किया और अभियान की सराहना करते हुए स्वयं भी पौधारोपण किया।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने फायरिंग रेंज में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि लगभग साढ़े चार एकड़ में फैले फायरिंग रेंज को पहले चारों ओर घेराव कर सुरक्षित किया गया है। मवेशियों से पौधों की रक्षा के लिए परिधि पर खुदाई कर मजबूत मेड़ बनाई गई है और सभी पौधों को टी-गार्ड से संरक्षित किया गया है। इस मानसून सत्र में अब तक 800 से अधिक फलदार एवं छायादार पौधे लगाए जा चुके हैं।

आईजी डॉ. शुक्ला सर ने वृक्षारोपण कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसे पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। उन्होंने फायरिंग रेंज में एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम, नगर पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, डीएसपी ट्रैफिक उत्तम प्रताप सिंह, डीएसपी सुशांतो बनर्जी, एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल, एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी, आरआई अमित सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने सामूहिक रूप से पौधारोपण में सहभागिता की। फायरिंग रेंज परिसर में यह हरियाली अभियान रायगढ़ पुलिस द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किया जा रहा एक ठोस और दीर्घकालिक प्रयास है, जिसे उच्च अधिकारियों से प्रोत्साहन मिलना विभागीय कार्यों के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत करता है।

कबीर चौक स्थित ब्लॉसम वूमन एंड किड्स वेयर ने दुकान के बाहर भी लगाए सीसीटीवी कैमरे

रायगढ़ 12 जुलाई (देशबन्धु)। जूटमिल क्षेत्र निवासी व्यवसायी संदीप अग्रवाल द्वारा कबीर चैक स्थित अपने परिधान संस्थान ब्लॉसम वूमन एंड किड्स वेयर में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इनमें से दो कैमरे अपने संस्थान के बाहर सड़क की दिशा में फोकस किए गए हैं, जिससे आसपास के क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। श्री अग्रवाल ने बताया कि रायगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सीसीटीवी जागरूकता अभियान की जानकारी उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से मिली थी, साथ ही जूटमिल थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत राव ने कबीर चैक को प्रमुख स्थान बताते हुए यहां के व्यापारियों को उनके संस्थान के बाहर कैमरे लगाने की सलाह दी थी। इसके परिपालन में उन्होंने न सिर्फ दुकान की सुरक्षा हेतु बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र की निगरानी को ध्यान में रखते हुए दो कैमरे सड़क की दिशा में लगाए हैं।

स्कूल में शिक्षक जो भी पढ़ाए छात्र घर पर जाकर उसको दोहराए-रेणुका सिंह

कोरिया,12 जुलाई (देशबन्धु)। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड अंतर्गत सुंदरपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय शाला प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसका आयोजन प्रशासन के द्वारा किया गया था । और जिसकी मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह रहीं । कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर स्कूली छात्र छात्राएं , शिक्षक शिक्षिकाए, अभिभावक, सोनहत क्षेत्र के युवा ऊर्जावान और वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता , जिला और जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि साथ ही प्रशासनिक अफसर के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं एसडीएम सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम में पहुंचते ही विधायक रेणुका सिंह का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया । और जिसके बाद रेणुका दीदी जिंदाबाद के नारों से सारा परिसर गूंजता रहा । विधायक के स्वागत उद्बोधन पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विधायक रेणुका सिंह ने उपस्थित गुरुजनों, और वरिष्ठ गणमान्य जनों को मंच में बुलाकर कर फूल माला और श्री फल से उनका सम्मान किया । तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्राओं को विधायक द्वारा उन्हें कुमकुम का टीका लगाते हुए लड्डू और मिठाइयां खिलाई गईं। और उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया । विधायक रेणुका सिंह ने गुरु पूर्णिमा के महत्व को समझाते हुए गुरुओं के सम्मान में गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु: गुरुर्देवो महेश्वर:। गुरु: साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः के श्लोक को साझा किया गया। साथ ही छात्र और गुरु के बीच पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा की गुरु पूर्णिमा तिथि को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं, । इस दिन की तरह प्रत्येक दिन गुरु की पूजा करने से जीवन में ज्ञान और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है । शिष्य अपने गुरु के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। गुरु शिष्य को सही दिशा दिखाने वाले, अज्ञानता का नाश करने वाले और ज्ञान की रोशनी फैलाने वाले होते हैं। इसलिए इस दिन की भांति हम सभी को सदैव अपने गुरु का सम्मान करते हुए उनके द्वारा दिए गए उपदेशों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिये ।सुंदरपुर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में कक्षा पहली, छठवीं और नौवीं के विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि स्कूल में शिक्षक जो कुछ भी पढ़ाते हैं उसे घर जाकर पढ़ना चाहिए । विद्यार्थियों को सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करनी चाहिए । सुबह उठकर पढ़ने से सबक जल्दी याद होता है ।

विधायक ने कार्यकर्ताओं का मनाया जन्मदिन,,देर रात तक सैकड़ों कार्यकर्ता क्षेत्र भ्रमण में रहे विधायक के साथ

अवगत करा दें की भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक रेणुका सिंह की राजनीतिक कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता जो की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित है। और जिस तर्ज पर उन्होंने बतौर विधायक बिल्कुल नई ऊर्जा और कार्यकर्ताओं के बीच सौहार्द पूर्ण स्वभाव से उनका दिल जीता है। और कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र के मतदाताओं के लिए एक मसीहा के रूप में सामने आई हैं । इससे क्षेत्र वासियों और सत्ता के बीच विकास की जोरदार वापसी हुई है । साथ ही कार्यकर्ताओं का भी मनोबल बढ़ा है। जिससे छोटे से छोटे कार्यक्रम को भव्य रूप मिल रहा है । अवगत करा दें की भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के जनसमुदाय या भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि बड़े पैमाने पर कोरिया और एम सी बी जिले के कट्टर भाजपा कार्यकर्ता विधायक रेणुका सिंह के साथ आंतरिक और सार्वजनिक रूप से जुड़े हैं। जिसका एकमात्र कारण विधायक रेणुका सिंह का सभी लोगों के बीच स्थापित सौहार्द और अपनापन सहित मधुर स्वभाव है । विधायक रेणुका सिंह क्षेत्र की आमजनता और कार्यकर्ताओं के हर सुख और दुख में उस घर के सदस्य के रूप हमेशा खड़ी देखी जाती रही हैं । और जिससे क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी में मजबूती के साथ एकजुटता भी दिख रही है । शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की समाप्ति पश्चात विधायक रेणुका सिंह अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओ के साथ डी ओ कोरिया जितेन्द्र गुप्ता,सोनहत के भाजपा कार्यकर्ता व सोनहत जनपद पंचायत उपाध्यक्ष संदीप जायसवाल के घर पहुंचीं और वहां एकत्रित कई महिला व पुरुष कार्यकर्ताओं का जन्मदिन मनाया और उन्हें शुभकामनाएं दीं । साथ ही क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायजा भी लिया ।

बोजिया में विकास कार्यों की रफ्तार तेज

स्ट्रीट लाइट सुधारी गई, बहा हुआ पुल भी बन रहा

रायगढ़ 12 जुलाई (देशबन्धु)। रायगढ़ जिले के छाल क्षेत्र के ग्राम पंचायत बोजिया में स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में सराहनीय पहल की जा रही है।

ग्राम सरपंच भगतराम राठिया के नेतृत्व में लंबे समय से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट को आखिरकार ठीक करवा दिया गया है, जिससे अब कातिकेश्वर मंदिर क्षेत्र सहित आस-पास के रास्ते रात में रोशन होंगे। इससे श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को रात्रि में आवाजाही में सुविधा मिलेगी और सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।

इसके साथ ही, बारिश के कारण बोजिया-कटाईपाली-चितापाली मार्ग पर बहा हुआ पुल ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन गया था। अब ग्राम पंचायत द्वारा इस क्षतिग्रस्त पुल के निर्माण कार्य को भी प्रारंभ कर दिया गया है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद तीनों गांवों के बीच आवागमन फिर से सुगम हो सकेगा।

गांववासियों ने सरपंच द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि आगे भी इसी तरह बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

सावन के पहले दिन कोरिया में हरियाली का संकल्प

पौधों की परवरिश करें बच्चों की तरह,तभी वृक्षारोपण सार्थक-कलेक्टर

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत फलदार पौधों का भव्य रोपण

कोरिया,12 जुलाई (देशबन्धु)। सावन माह की हरियाली की शुरुआत कोरिया जिले में विशेष रूप से यादगार बन गई, जब श्एक पेड़ माँ के नामश् अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन और पंचायत विभाग के नेतृत्व में ग्राम चेरवापारा में बड़े पैमाने पर फलदार पौधों का रोपण किया गया। जिला पंचायत कार्यालय के पीछे स्थित लगभग डेढ़ एकड़ रिक्त शासकीय भूमि पर आम, आंवला, कटहल, लीची, जामुन और अमरूद के करीब 100 पौधे लगाए गए।

बच्चों की तरह परवरिश हो

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने स्वयं फावड़ा उठाकर उन्नत किस्म के आम का पौधा लगाया और पानी डालकर यह संदेश दिया कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, श्पौधा लगाना सरल है, लेकिन उसकी परवरिश बच्चों की तरह करना ही असली काम है। पौधों को मवेशियों से बचाना, खरपतवार हटाना और समय-समय पर देखरेख करना जरूरी है।श्

उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण का उद्देश्य केवल फल या छांव प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका लाभ सम्पूर्ण जीव-जगत और पर्यावरण को मिले, यह सोचकर पौधे लगाए जाने चाहिए।

बंजर भूमि को हरित बनाना भी हम सबकी दायित्व

जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने औषधीय गुणों से भरपूर आंवले का पौधा लगाया और कहा कि जैसे कुपोषित बच्चों को पोषण देकर सशक्त बनाना हमारी जिम्मेदारी है, वैसे ही बंजर भूमि को हरित बनाना भी हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए प्राणवायु, भूजल स्तर में वृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

पौधरोपण स्थल पर सेल्फी पाइंट भी बनाया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा सेल्फी फ़ोटो ली गई। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य राजेश साहू, श्रीमती सौभाग्यवती कुसरो, सुरेश सिंह, श्रीमती शिव कुमारी सिंह, श्रीमती सुषमा सिंह कोराम, श्रीमती स्नेहलता उदय, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर प्यारे लाल साहू तथा जिला प्रशासन और पंचायत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी इस अभियान में पूरे उत्साह से शामिल हुए और पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली।

विजय मंगलम छात्रावास में दिग्गजों का होगा सम्मान

मनेंद्रगढ़,12 जुलाई (देशबन्धु)। सरस्वती विकास विद्यालय गर्ल्स कॉलेज के संस्थापक सदस्य एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष विजय पोद्दार की स्मृति में संचालित विजय मंगलम गर्ल्स छात्रावास के सभागार में शिक्षा स्वास्थ्य समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न चर्चित व्यक्तित्व को रविवार सायं 4ः00 बजे सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजिका रूपा पोद्दार ने ने बताया की अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एवं समाज के सामने सर्वोत्तम आचरण प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों को गुजराती समाज प्रमुख ज्योत्सना बहन एवं गुजराती समाज के प्रमुख मणि भाई सेजपाल के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित के लिए चयनित व्यक्तियों में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ पूर्णिमा सिंह ,वरिष्ठ योग प्रशिक्षक सतीश उपाध्याय ,शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबेहरा के प्राचार्य बलराज पाल,शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आदिम जाति कल्याण विभाग के प्राचार्य उदयभान मिश्रा, निबंध प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान आई प्रतिभागी ऐश्वर्या गर्ग, स्वयंसेवी संस्था की अध्यक्ष पूनम सिंह, छत्तीसगढ़ योगासन फेडरेशन के युवा प्रशिक्षक विवेक कुमार तिवारी ,पतंजलि योग समिति के महिला जिला प्रभारी श्रीमती बलवीर कौर ,शा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिक्षा विभाग से शिवकुमार शुक्ला , की विजय गोपाल राव ,राजीव कुमार सोनी ,सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर चंदन कुमार केवट, हास्य सेवा समिति के अध्यक्ष जसवीर सिंह कालरा आदि का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम का संपूर्ण संयोजन विजय मंगलम गर्ल्स छात्रावास की संचालिका रूपा पोद्दार द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने दोहरे हत्याकांड में पीड़ित प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालिब के परिवार को 20 लाख की दी आर्थिक सहायता की स्वीकृति

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री का आभार जताया

चिरमिरी, 12 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुरजपुर जिले में हुए दोहरे हत्याकांड में पीड़ित प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालिब के परिवार को आर्थिक सहायता स्वरूप 20 लाख रुपये राशि की स्वीकृति प्रदान की है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया है।

श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा मानवीय संवेदनाओं को समझते हुए यह त्वरित सहायता दिया जाना न केवल पीड़ित परिवार के लिए राहतदायक है, बल्कि यह प्रशासन की संवेदनशीलता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा अपने नागरिकों के साथ खड़ी है। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे पीड़ित परिवार को नई आशा मिलेगी और समाज में न्याय व संवेदना की भावना और मजबूत होगी।

तेज रफ्तार बोलरो एंबुलेंस से टकराकर पलटी,एक की मौके पर मौत, दो गंभीर

जेपीएल गेट-01 के पास हुआ हादसा

रायगढ़ 12 जुलाई (देशबन्धु)। शुक्रवार की शाम तेज रफ्तार बोलरो एक एंबुलेंस को ठोकर मारकर डिवाईडर से टकराकर पलट गई। इस घटना में बोलेरों में सवार एक की मौत हो गई वहीं दो लोग घायल हो गए है। उक्त घटना तमनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की शाम तकरीबन 5 बजे के आसपास जेपीएल कंपनी के गेट नंबर एक से निकल रहे एंबुलेंस क्रमांक सीजी 13 एव्हाई 8186 को तेज रफ्तार बोलेरो क्रमांक सीजी 13 बीएफ 2964 के चालक ने जोरदार ठोकर मारते हुए डिवाईडर में टकराकर सडक किनारे ही पलट गई। इस घटना में जहां बोलेरों में सवार एक व्यक्ति शिव सिंह 35 साल मस्तुरी रिस्दा बिलासपुर की मौत हो गई वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। घायलों को उपचार के लिये एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो जाने के बाद मृतक के शव को मर्चुरी में रखकर उसके परिजनों को सूचना देते हुए तमनार पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बताया जा रहा है कि तीनों किसी कंपनी में काम करते हैं और कल शाम काम करके अपने घर लौट रहे थे इसी बीच यह घटना हो गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जेपीएल कंपनी के बाहर भारी वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी इस बीच सडक में एक ही वाहन जाने लायक रास्ता बचा हुआ था इस दौरान कंपनी के गेट से बाहर निकलते ही बोलेरो चालक ने एंबुलेंस को ठोकर मार दिया जिससे यह घटना हो गई।

आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने पुलिस अधिकारियों के साथ ली समीक्षा बैठक

नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन व बेसिक पुलिसिंग को मजबूत करने पर दिया विशेष जोर

कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों को पुरस्कृत करने व लापरवाही बरतने वालों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश

रायगढ़ 12 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज डॉ0 संजीव शुक्ला ने कल जिला पुलिस कार्यालय रायगढ़ के नियंत्रण कक्ष में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चैकी प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक की शुरुआत उन्होंने 1 जुलाई 2024 से लागू हुए नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ की और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बुनियादी पुलिसिंग की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस महानिरीक्षक डॉ. शुक्ला ने कहा कि गृह मंत्रालय एवं राज्य पुलिस मुख्यालय द्वारा नए कानूनों के तहत कार्यों की लगातार समीक्षा की जा रही है तथा पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा भी इसके सफल क्रियान्वयन हेतु स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने नये कानून के तहत अपराध अनुसंधान में ई-साक्ष्य, क्राइम मैक्स एवं नेट ग्रिड जैसे नवीन डिजिटल उपकरणों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता बताई तथा फॉरेंसिक टीम की साझेदारी को अनिवार्य बताया।

बैठक में उन्होंने विगत छह महीनों में रायगढ़ पुलिस के किए गए कार्यों का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने कहा कि बेसिक पुलिसिंग ही अपराध नियंत्रण और विवेचना की नींव है, और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से पुलिसिंग में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित होती है। उन्होंने अधिकारियों को अधीनस्थों के कार्यों का नियमित मूल्यांकन करने, अच्छा कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करने और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुशासन, तकनीकी दक्षता और जनता से समन्वय पर आधारित एक उत्तरदायी और जनहितकारी पुलिस व्यवस्था की अपेक्षा व्यक्त की।

आईजीपी ने रायगढ़ पुलिस के सीसीटीवी कैमरा अभियान की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान नागरिक सहभागिता की मिसाल है और इससे शहरी सुरक्षा को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने इसे और अधिक व्यापक बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को सीसीटीवी लगाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम सभी उप पुलिस अधीक्षक, थानाध्चैकी प्रभारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

जन्मजात हर्दिय रोग से पीड़ित पांच बच्चों का चिरायु योजना से हुआ सफल ऑपरेशन

सारंगढ़, 12 जुलाई (देशबन्धु)। चिरायु योजना में जिले के बच्चे, सरिता विश्वकर्मा 10 वर्ष अमलीपाली ब सारंगढ़, नेहा निषाद 10 वर्ष छिंद सारंगढ़, गरिमा लहरे 5 वर्ष चुरेला सारंगढ़, दृष्टि बरेठ 4 वर्ष बरदुला सारंगढ़, आँचल सिदार 10 वर्ष भंवरपुर बरमकेला, इशिका बरिहा विक्रमपाली बरमकेला इन सभी बच्चों का सफल ऑपरेशन श्रीबालाजी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस रायपुर में नि:शुल्क हुआ है। अब ये बच्चे कुशल व पहले से स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। इस प्रकार के सभी बच्चों के जांच, पहचान व चिन्हांकन में चिरायु टीम डॉक्टर्स की प्रमुख भूमिका है जो जमीनी स्तर पर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करती है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के द्वारा टीम को पूरी तन्मयता के साथ समस्त बच्चों के जांच व ईलाज को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है जिससे चिरायु कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफआर निराला के मार्गदर्शन में चिरायु का सफल संचालन हो रहा है।

प्रधानमंत्री आवास में अनियमितता पर कलेक्टर का कड़ा एक्शन, रोजगार सहायक बर्खास्त

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। रोजगार सहायक को हितग्राही के अधूरे आवास को पूर्ण बताना उस समय भारी पड़ गया, जब जांच के दौरान मकान अपूर्ण पाया गया। अनियमितता पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पामगढ़ ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत भुईगांव विकासखंड पामगढ़ के रोजगार सहायक चंद्रकिरण मनहर की तत्काल संविदा सेवा समाप्त कर दी है।

जनपद पंचायत पामगढ़ के ग्राम पंचायत भुईगांव में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवास निर्माण में रोजगार सहायक चंद्रकिरण मनहर की अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री महोबे द्वारा संज्ञान लिया गया। कलेक्टर ने मामले की जांच के लिए तहसीलदार पामगढ़ को निर्देशित किया। जांच में सामने आया कि संबंधित हितग्राही का आवास अपूर्ण स्थिति में पाया गया। जिसे रोजगार सहायक द्वारा अन्य जगह का मकान का उपयोग कर एप्लीकेशन में जीयो टैगिंग कर मकान को पूर्ण बताया गया है। इसी तरह एक अन्य हितग्राही का आवास अपूर्ण पाया गया एवं आवास एप्लीकेशन में उक्त आवास पूर्ण प्रदर्शित हो रहा है एवं सपूर्ण राशि का आहरण किया जाना पाया गया। उक्त आवास को भी अन्य जगह के मकान का उपयोग कर रोजगार सहायक द्वारा जीयो टैगिंग कर मकान को पूर्ण बताया गया है। जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में आवास निर्माण स्थल एवं पीएमएवाई-ग्रामीण पोर्टल में दर्ज जानकारी में भिन्नता पाई गई, जो घोर अनियमितता की श्रेणी में आता है। कलेक्टर श्री महोबे ने निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रैक्टर चालक को धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार, शराब पार्टी के लिए मांग रहा था पैसे

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। ट्रैक्टर चालक का रास्ता रोककर अश्लील गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी ने पीड़ित से शराब पार्टी के लिए 2,000 रुपये की जबरन मांग भी की थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी शुभम उर्फ राहुल राठौर (26 वर्ष), निवासी देवरी थाना सारागांव, ने ट्रैक्टर चालक का रास्ता रोककर मां-बहन की अश्लील गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। इसके साथ ही आरोपी ने जबरन शराब पीने और पार्टी करने के लिए पैसे मांगे। पीड़ित की शिकायत पर 12 जुलाई को संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसके खिलाफ पहले भी थाना बाराद्वार में अपहरण का मामला दर्ज है और वह आदतन अपराधी है। आरोपी के खिलाफ धारा 126(2), 296, 351(3), 119(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। इस पूरी कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में अंजाम दिया गया। आरोपी को पकड़ने और पूछताछ में थाना प्रभारी निरीक्षक सावन सारथी, सउनि राजेश कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक रेमन सिंह राजपूत व आरक्षक रामायण का योगदान रहा।

पुत्री की बरसी पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा व न्योता भोज

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। पूर्व माध्यमिक शाला जावलपुर के प्रधान पाठक कलेश्वर कांत ने अपनी दिवंगत पुत्री भूमिका कांत की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं न्योता भोज का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला ठाकुरदिया पारा जावलपुर के छात्र-छात्राओं एवं संकुल के शिक्षकों के लिए रखा गया था। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष नरेश गुरूद्वान ने जानकारी देते हुए बताया कि होनहार छात्रा भूमिका कांत का एक वर्ष पूर्व सर्पदंश के कारण आकस्मिक निधन हो गया था। श्रद्धांजलि सभा में सभी उपस्थितजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला संगठन सचिव रामरतन मिलन ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भूमिका एक प्रतिभाशाली और अनुशासित छात्रा थी, जिसकी कमी हमेशा खलेगी। इस अवसर पर आयोजित न्योता भोज में लगभग 200 लोग सम्मिलित हुए, जिनमें छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्व-सहायता समूह की सदस्याएं, अंशकालिक सफाई कर्मी सहित ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे। सभी ने भूमिका कांत को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कलेक्टर ने ली प्राचार्यों की मैराथन बैठक

विनोबा ऐप से उपस्थिति दर्ज नहीं होने पर अनुपस्थिति होगी दर्ज, शिक्षकों को मुख्यालय में रहने के निर्देश

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले के समस्त प्राचार्यों की मैराथन बैठक ली। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनी भारद्वाज, डीएमसी आर के तिवारी, सर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी, एपीसी सहित प्राचार्य उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री महोबे ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षा में मात्र उपस्थिति नहीं, गुणवत्ता आवश्यक है। विद्यालयों में शिक्षण कार्य परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित होना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में उत्कृष्ट जांजगीर योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचें, शिक्षक समयबद्ध सिलेबस पूर्ण करें तथा हर बच्चे की समझ व प्रगति पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उनका कार्य पढ़ाने के साथ छात्रों को संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना है। कलेक्टर ने शत प्रतिशत रिजल्ट देने वाले प्राचार्यों से उनके किये गये कार्यों पर फीडबैक लिया। उन्होंने उत्कृष्ट जांजगीर अंतर्गत चल रहें कार्यक्रमों का पुन: पूर्व वर्ष की भांति शालाओं में आयोजन निर्देश दिए। जिसके अंतर्गत विनोबा एप के माध्यम से शिक्षको एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, बोलेगा बचपन, जवाहर नवोदय विद्यालय एवं एनएमएमएसई परीक्षा पूर्व की तैयारी, प्रति माह पालक शिक्षक बैठक, कक्षा-दसवीं एवं बारहवीं में टेस्ट के साथ-साथ मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक एवं दो बार प्री बोर्ड आयोजन करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षकों की उपस्थिति विनोबा एप के माध्यम से दर्ज की जा रही है, उपस्थिति दर्ज न होने की स्थिति में संबंधित शिक्षक अनुपस्थित होगे। कलेक्टर ने सभी शिक्षकों को मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्राचार्यों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी जर्जर स्कूल भवनों में कक्षाएं संचालित न की जाए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि शिक्षकों की सर्विस बुक अद्यतन की जाए तथा पेंशन, वेतनमान और पदोन्नति से

संबंधित कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। साथ ही सेवानिवृत्त शिक्षकों के पीपीओ समय पर जारी करने, शिक्षकों के समय-समय पर प्रशिक्षण की व्यवस्था करें, ताकि वे शैक्षणिक दक्षता और नवीन पद्धतियों से अद्यतन रहें। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पीएम श्री स्कूलों में नवाचार, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के साथ इन्हें मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बच्चों की आपार शीघ्र बनाई जाए तथा जाति प्रमाण पत्र की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, वीडियो क्लास का नियमित रूप से प्रयोग करने कहा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास, वीडियो क्लास से प्रायोगिक गतिविधियाँ छात्रों में रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देंगी। कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में मध्यान्ह भोजन में गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक, गरम और संतुलित आहार मिले यह सुनिश्चित करें।

मासिक पेरेंट-टीचर मीटिंग आयोजित की जाए

कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में मासिक पेरेंट-टीचर मीटिंग आयोजित की जाए, ताकि अभिभावकों की सहभागिता बढ़े। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेल गतिविधियों, सेल्फ-डिसिप्लिन सिखाया जाए और सिलेबस के अनुसार समय पर शिक्षण कार्य पूर्ण हो। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया जाए और लगाए गए पौधों की ऑनलाइन एंट्री फोटो के साथ अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड की जाए। इस अवसर पर परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम वाले प्राचार्यों को सम्मानित भी किया गया।

प्रायोगिक गतिविधियों से जोड़ने पर बल

कलेक्टर ने अटल टिंकरिंग लैब में मौजूद ऑप्टिकल लेंस, इलेक्ट्रॉनिक किट, सेंसर आदि उपकरणों को पूरी तरह सक्रिय करने तथा बच्चों को रुचिपूर्वक नवाचार और प्रायोगिक गतिविधियों से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में विज्ञान और तकनीक के प्रति जिज्ञासा जगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों के साथ कौशल विकास के माध्यम से भी बच्चें को मार्गदर्शन दिया जाए ताकि वह अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर सके।

हसदेव के हीरो कार्यक्रम के तहत किशोर-किशोरियों ने लिया बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित युवोदय कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बनारी में बाल विवाह के प्रति जागरूकता लाने एवं इसे समाप्त करने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर छात्रों को बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों एवं इसके सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राहुल देव दिवाकर द्वारा बाल विवाह की सामाजिक और वैधानिक जटिलताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल विवाह एक गम्भीर सामाजिक समस्या है, जो बच्चों के अधिकारों का हनन करती है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विकासखंड समन्वयक नरेंद्र कश्यप ने बाल विवाह से उत्पन्न होने वाली समस्याओं जैसे कम उम्र में मातृत्व, प्रसव के दौरान जटिलताएं, कुपोषण, शिक्षा में रुकावट एवं मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव—की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्रों को साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन 1930, आपातकालीन पुलिस सहायता 112 एवं बाल सुरक्षा हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी गई, साथ ही बताया गया कि किसी भी संकट की स्थिति में इन नंबरों का प्रयोग कैसे करें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्रों को युवोदय कार्यक्रम के स्वयंसेवक के रूप में जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर युवोदय हसदेव के हीरो के नोडल अधिकारी केशव चंद्र साहू, विद्यालय के प्राचार्य राहुल दिवाकर, शिक्षकगण, स्वयंसेविका हेमपुष्पा हंसराज सहित बड़ी संख्या में विद्यालय के किशोर-किशोरियाँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक साथ बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया।

करैत का कहर, लेकिन जागरूकता बनी जीवनरक्षक

झाड़-फूंक छोड़ अब सीधे अस्पताल पहुंच रहे लोग, जिला अस्पताल में बेहतर इलाज से बच रहीं जानें

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। बरसात के मौसम में सर्पदंश के मामले तेजी से बढ़ते हैं, लेकिन अब हालात पहले से काफी बेहतर हैं। अब लोग झाड़-फूंक और अंधविश्वास की बजाय सीधे अस्पताल पहुंच रहे हैं, जिससे अधिकतर की जान बचाई जा रही है।

जिला अस्पताल जांजगीर-चांपा में तीन माह में 81 सर्पदंश के मरीज पहुंचे, जिनमें से 80 की जान बचा ली गई।

स्वास्थ्य विभाग ने विशेष एडवाइजरी जारी की है, जिसमें बताया गया है कि सर्पदंश के मामले में झाड़-फूंक, घरेलू इलाज या देरी खतरनाक हो सकती है। सही तरीका यही है कि मरीज को बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जाए, जहां एंटी स्नेक वेनम की पर्याप्त व्यवस्था है।

कोबरा और करैत के डसने के बावजूद बची जान

शांति केशरवानी (जांजगीर) को कोबरा ने काटा, परिजन बिना देरी के अस्पताल पहुंचे। उन्हें 8 से अधिक डोज एंटी वेनम दी गई और जान बच गई। इसी तरह ग्राम जर्वे के 10 वर्षीय सिंधू सिंह को जहरीले सांप ने काटा, लेकिन झाड़-फूंक न कर सीधे अस्पताल लाने से उसकी जान भी बच गई।

एक मौत, समय की चूक बनी वजह

तीन माह में एकमात्र मौत उस मरीज की हुई, जिसे अस्पताल लाने में देरी हो गई थी। डॉक्टरों के अनुसार, अगर समय पर इलाज नहीं होता तो शरीर में ज़हर पूरी तरह फैल जाता है और एंटी वेनम भी कारगर नहीं रहती।

विशेषज्ञों की राय

सांप के काटने के बाद पहले 30 मिनट से 3 घंटे का समय बहुत अहम होता है। इस दौरान अगर एंटी वेनम लग जाए, तो जान बचाई जा सकती है। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में दवा है और मरीज समय पर आ रहे हैं, जिससे लगभग सभी की जान बच रही है।

डॉ. एस. कुजूर,
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

लंबित राजस्व प्रकरणों को फोकस कर प्राथमिकता से करें निराकृत-डॉ संजय कन्नौजे

सारंगढ़, 12 जुलाई (देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की जिला स्तरीय बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने अविवादित और विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन भूअर्जन, त्रुटि सुधार, डायवर्सन, वृक्ष कटाई, अतिक्रमण बी 121 के विभिन्न राजस्व प्रकरणों की तहसील और एसडीएमवार विस्तृत समीक्षा करते हुए राजस्व प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान समय सीमा के बाहर 1 वर्ष, 2 वर्ष, 3 वर्ष के लंबित प्रकरणों को समय सीमा में विशेष ध्यान रखते हुए निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा बटानकन के कार्यों में प्रगति लाने तथा भू अर्जन के प्रकरणों में अवार्ड पारित होने पर उसके मुआवजा राशि का तत्काल वितरण करने तथा रिकॉर्ड दुरुस्ती करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सभी एसडीएम और तहसीलदार को निर्देश दिए कि आप सभी सप्ताह में कम से कम तीन दिन न्यायालय में सुनवाई के कार्य अवश्य करें। जिस जिस दिन व समय सुनवाई करेंगे, उसकी जानकारी आपके न्यायालय के बाहर सूचना पटल में प्रदर्शित होना चाहिए। राजस्व प्रकरणों में अधिकतम दो पेशी देवें। बार-बार पेशी की तारीख ना बढ़ाएं। पक्षकारों को अनावश्यक कोर्ट के चक्कर न लगाना पड़े इसका ध्यान रखें।

बरसात व अतिवृष्टि को देखते हुए कलेक्टर ने कहा कि आपदा आरबीसी 6 (4) के प्रकरणों को तत्काल बनाकर उनका निराकरण करें। स्कूलों में जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र के लिए संबंधित स्कूलों के प्रधान पाठक एवं प्राचार्य संकुल समन्वयक तथा पटवारी से समन्वय कर विशेष अभियान चलाकर स्कूली बच्चों को जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र बनाना सुनिश्चित करें।कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को आगामी समय में धान खरीदी को देखते हुए किसानों के पंजीयन को बढ़ाने और इस वर्ष किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पटवारी अपने हल्के गांव में अनिवार्य रूप से जाए। जिस गांव में जिस दिन जाए, उसका दिन स्थान व समय सभी ग्राम पंचायत के सूचना पटल में या एक बोर्ड में लिखा होना चाहिए ताकि गांव वालों को किसी प्रकार के परेशानी ना हो। निर्धारित तिथि में पटवारी और ग्रामीण उपस्थित होकर अपना कार्य निष्पादन करें। बैठक में अपर कलेक्टर एस के टंडन, प्रकाश सर्वे, एसडीएम प्रखर चंद्राकर वर्षा बंसल डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू सहित जिले के सभी तहसीलदार उपस्थित थे। वाट्सएप ग्रुपों में नागरिकों ने कसे तंज– कलेक्टर द्वारा विगत बैठकों में कार्य में तेजी नहीं तो कार्यवाही सम्बंधित निर्देश के बाद नगर के कुछ वाट्सएप ग्रुपों में इस पर तंज कसते हुए कहा है बैठक व निर्देश से कुछ होने जाने वाला नहीं है क्योंकि ऐसी बैठकें क ई बार हो चूकीं हैं पर अब तक कोई विशेष लाभ नहीं दिखाई देता है।

रायगढ़ कलेक्टर का खरसिया आगमन विकास कार्यों का किया निरीक्षण

स्पोर्ट्स कंपलेक्स के स्वच्छता और सुंदरता की करी प्रशंसा

खरसिया, 12 जुलाई (देशबन्धु)। आज खरसिया नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे प्रमुख विकास कार्यों की समीक्षा एवं निरीक्षण हेतु रायगढ़ जिले के कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी जी जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेंद्र यादव जी का आज खरसिया आगमन हुआ। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ऑडिटोरियम, मोहन तालाब, चंदन तालाब, बंधवा तालाब, अटल आवास, मंगल बाजार, पोनी पसारी सहित नगर के विभिन्न विकास स्थलों का अवलोकन कर कलेक्टर महोदय ने कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए एवं शीघ्र निराकरण के लिए आश्वासन भी प्रदान किया।

नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग एवं पार्षदों द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों एवं प्रस्तावित कार्यों से अवगत करवाया कलेक्टर महोदय ने आश्वस्त किया की जनहित के सभी कार्यों को मिलजुल कर आगे बढ़ाएंगे। नगर में प्रस्तावित ओवर ब्रिज एवं अंडर ब्रिज के लिए स्थल निरीक्षण किया एवं अति शीघ्र कार्य प्रारंभ करवाने का आश्वासन दिया। कलेक्टर महोदय ने स्पोर्ट्स कंपलेक्स की सराहना करते हुए वहां की स्वच्छता और हरियाली की प्रशंसा की एवं उसे और डेवलप करने के सुझाव दिए उन्होंने अपने नाम से पौधारोपण भी किया। उनके द्वारा सब्जी मंडी एवं मंगल बाजार का निरीक्षण करते हुए उसे व्यवस्थित करने प्रस्ताव बनाने पोस्ट ऑफिस रोड को बड़े शहरों की तर्ज पर सुंदर व्यवस्थित बनाने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। आज के निरीक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत रायगढ़ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेंद्र यादव अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रवीण तिवारी नगर पालिका सीएमओ नीतू अग्रवाल नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग छाया विधायक महेश साहू, उपाध्यक्ष अवध नारायण बंटी सोनी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष डॉ हितेश गबेल, सीईओ जनपद पंचायत पवन पटेल, पार्षद गिरधारी गबेल, राधेश्याम राठौर, दीपक अग्रवाल, अरुण चौधरी, दीपक तारा, साहिल शर्मा, ललित राठौर, तथा अन्य सभी पार्षद जनपद पंचायत नगर पालिका के अधिकारियों कर्मचारियों और नगर के गण मान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

रिश्वत लेते रंगे हाथ धरा गया तहसीलदार, कमिश्नर ने तत्काल प्रभाव से किया सस्पेंड

जांजगीर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। राजस्व प्रकरण के निराकरण के लिए 20 हजार रुपए की रिश्वत लेने वाला जैजैपुर तहसीलदार एनके सिन्हा को कमिश्नर बिलासपुर ने निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय सक्ती निर्धारित किया गया है। तहसीलदार पर आरोप था कि राजस्व प्रकरण के निराकरण के लिए जनता से खुलेआम पैसे की मांग करता था। तहसीलदार ने 24 मार्च को दिलीप कुमार द्वारा दुर्गेश सिदार के खाते में 15 हजार तथा 26 मार्च को 5 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराकर अनुचित लाभ लिया था। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। संतोषजनक जवाब नहीं मिला, सक्ती कलेक्टर ने तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। तहसीलदार सिन्हा का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया।

इससे शासन की छवि धूमिल हुई। इसके चलते छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 के प्रावधानों के विपरीत होने तथा स्वेच्छाचारिता का परिचायक है। इसके चलते तहसीलदार एनके सिन्हा को निलंबित किया गया।

अधूरा गौरव पथ निर्माण, खाद की किल्लत, अघोषित बिजली कटौती को लेकर विधायक रामकुमार ने हजारों समर्थकों ग्रामीणों के साथ किया धरना प्रदर्शन

डभरा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मां चंद्रहासिनी देवी की नगरी चंद्रपुर में अधूरे गौरव पथ निर्माण कार्य एवं क्षेत्र के ग्रामीण किसानों को खाद व अघोषित बिजली कटौती को लेकर 12 जुलाई को नगर पंचायत चंद्रपुर में हजारों समर्थकों ग्रामीणों महिलाओं के साथ जोरदार बारिश में भी भीगते हुए धरना प्रदर्शन कर रहे है।

सुबह 9 बजे से ही अपने मांगों को विधायक रामकुमार यादव धरना आंदोलन कर रहे है। चंद्रपुर नगर की गौरव पथ सड़क निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है कई सालों से सड़क जर्जर हालत में है आवागमन में भारी असुविधा हो रही है। वही चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के किसानों को डीएपी यूरिया खाद बिजली कटौती से किसान परेशान है इन समस्याओं को लेकर विधायक यादव ने जिला प्रशासन शासन को पत्र लिखकर अवगत कराया था इसके बाद भी प्रशासन शासन नहीं जागा है । नागरिकों की समस्याओं को लेकर प्रशासन शासन गंभीर नहीं है। सक्ती जिले के चंद्रपुर में लंबे समय से अधूरे पड़े गौरव पथ निर्माण और किसानों को उर्वरक खाद की किल्लत अघोषित बिजली कटौती को लेकर क्षेत्रीय विधायक रामकुमार यादव ने मोर्चा खोल दिया है। बारिश में भीगते हुए

उन्होंने सरकार के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धार्मिक नगरी चंद्रपुर में यह गौरव पथ अब गौरव नहीं बल्कि दुर्दशा पथ बन गया है। महीनों से अधूरा पड़ा इसका निर्माण कार्य अब जनता के लिए भारी मुसीबत का सबब बन चुका है। इस अधूरे रास्ते पर रोज हाइवा और भारी वाहनों के पलटने की घटनाएं आम हो गई हैं। सुबह स्कूल जाने वाले नन्हे-मुन्ने बच्चे इस अधूरे निर्माण के कारण घंटों जाम में फंसे रहते हैं। कई बार तो हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि जीवन रक्षक एंबुलेंस को भी रास्ता मिलना मुश्किल हो जाता है। इन सब से स्थानीय व्यापारी भी आक्रोशित हैं जो अपने ठप होते कारोबार से परेशान हैं। इन तमाम समस्याओं को लेकर चंद्रपुर के नागरिक और नेताओं ने विधायक रामकुमार यादव को अवगत कराया था, जिसके बाद विधायक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उर्वरक खाद की कमी और अधूरे गौरव पथ के मुद्दे पर आर्थिक नाकेबंदी के साथ जोरदार धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। बारिश की तेज बौछारों के बावजूद विधायक रामकुमार यादव और कार्यकर्ता अपने स्थान से टस से मस नहीं हुए और जमकर भाजपा सरकार पर बरसे। उन्होंने सरकार की विफलताओं को गिनाते हुए कहा कि जनता की समस्याओं पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। विधायक यादव के इस आंदोलन ने चंद्रपुर की जनता में नई उम्मीद जगाई है। लोग अब यह उम्मीद कर रहे हैं कि उनके इस सशक्त प्रदर्शन से जल्द ही गौरव पथ का निर्माण कार्य पूरा होगा और उर्वरक खाद की कमी सहित अन्य समस्याओं का भी समाधान निकलेगा।

देश विदेश

रूस के शीर्ष राजनयिक द्विपक्षीय वार्ता के लिए पहुंचे उत्तर कोरिया

वाशिंगटन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव उत्तर कोरिया पहुंचे हैं, जहां वे उत्तर कोरियाई विदेश मंत्री के साथ बातचीत करेंगे। एक रूसी समाचार एजेंसी के अनुसार, यह दौरा दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी का एक और संकेत है। योनहाप ने रूसी समाचार एजेंसी तास के हवाले से बताया कि उनका विमान पूर्वी तटीय शहर वॉनसन पहुंचा, जहां प्योंगयांग ने 1 जुलाई को अपने पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक तटीय पर्यटन क्षेत्र खोला था। लावरोव की उत्तर कोरिया यात्रा रविवार तक चलेगी, जिसके बाद वह शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले सुधार की दलील को बीएनपी ने खारिज किया, कहा

अब चुनाव में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी

ढाका, 12 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तर्क पहले न्याय और सुधार, फिर चुनाव को सख्ती से खारिज कर दिया है। पार्टी ने स्पष्ट कहा है कि अब किसी भी सूरत में चुनाव में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शनिवार को पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य डॉ. अब्दुल मोईन खान ने कहा कि अब सबसे अहम मुद्दा जनता को मताधिकार का अधिकार देना है और इसके लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जल्द से जल्द कराए जाने चाहिए। डॉ. खान ने कहा कि बीएनपी अब पहले सुधार, फिर चुनाव जैसी दलील नहीं मानेगी। सुधार और न्याय एक सतत प्रक्रिया है। अंतरिम सरकार का मुख्य कर्तव्य लोकतंत्र की पुनर्स्थापना है, और इसके लिए सत्ता को जल्द से जल्द जनता को लौटाया जाना चाहिए।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संयम बरतने की सलाह देते हुए कहा कि उनका आचरण लोकतांत्रिक होना चाहिए, न कि सत्तारूढ़ अवामी लीग की तरह। इससे एक

दिन पहले, बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने भी यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि सुधार कोई स्थिर प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक गतिशील प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सुधार कोई थाईलैंड की पहाड़ी श्रृंखला की तरह स्थिर नहीं है। रिजवी ने यह भी कहा कि सुधार जरूरी हैं, लेकिन उन्हें चुनाव टालने के बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जनता को गुमराह करने की कोशिश क्यों की जा रही है? चुनाव टालने की जो कोशिश की जा रही है, वह लोकतंत्र के खिलाफ है। सबसे जरूरी काम सत्ता को जनता के हाथों में लौटाना है। बीएनपी की यह कड़ी प्रतिक्रिया उस वक्त आई है, जब एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा था कि देश की जनता न्यायिक और राजनीतिक सुधारों के बिना आम चुनाव नहीं होने देगी।

अब सबसे अहम मुद्दा जनता को मताधिकार का अधिकार देना है और इसके लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जल्द से जल्द कराए जाने चाहिए : डॉ. अब्दुल मोईन खान

बांग्लादेश में डेंगू बना चुनौती, स्कूल-कॉलेज के छात्र ज्यादा संक्रमित

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू के मामलों में तेजी से वृद्धि जारी है। कई स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस साल कुल संक्रमितों की संख्या 14,069 तक पहुंच गई है और 54 लोगों की मौत हो चुकी है। मच्छर की वजह से पैदा होने वाली इस बीमारी ने देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में गंभीर कमियों को उजागर किया है, जिससे जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि कई गंभीर रूप से बीमार मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। कोमिला जिले में चिंता बढ़ती जा रही है, जहां शनिवार को प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, एक ही दिन में 72 नए मामले सामने आए।

बांग्लादेश में छात्र की हत्या से भड़का जन-आक्रोश

बीएनपी कार्यकर्ताओं पर लिंचिंग का आरोप

ढाका। बांग्लादेश में छात्र और स्क्रैप का काम करने वाले लाल चंद उर्फ सोहाग की हत्या के बाद जनाक्रोश फूट पड़ा है। दो दिन पहले ढाका में उसकी हत्या हुई थी। न्याय की मांग करते हुए ढाका में लोग सड़क पर उतर आए हैं।

ढाका में सर सलीमुल्लाह मेडिकल कॉलेज (मिटफोर्ड) अस्पताल के बाहर दिनदहाड़े लाल चंद उर्फ सोहाग की हत्या हुई थी। कथित तौर पर बुधवार शाम करीब 6 बजे अस्पताल के तीसरे गेट के पास कई लोगों ने मिलकर लोहे और सीमेंट के टुकड़ों से सोहाग को बेरहमी से मारा। ईंटों-पत्थरों से उसका सिर कुचल दिया। इसके बाद हमलावर उसके बेजान शरीर को घसीटकर सड़क पर ले गए, जहां सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में उन्होंने अपनी क्रूरता जारी रखी।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कथित तौर पर जबरन वसूली इसकी मुख्य वजह थी। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की युवा शाखा, जुबो दल के सदस्यों पर इस लिंचिंग में शामिल होने और जबरन वसूली के विवाद में हमला करने का आरोप है। लाल चंद उर्फ सोहाग के साथ क्रूरता का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया था। बाद में घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिससे आक्रोश की लहर दौड़ पड़ी।

सुडोकू 6972

6			1				2	
		4						
	5		6	2	4	7		
2		7		8				
3	4						5	8
				4		1		7
		8	4	5	1		7	
						5		
	6				2			9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6972

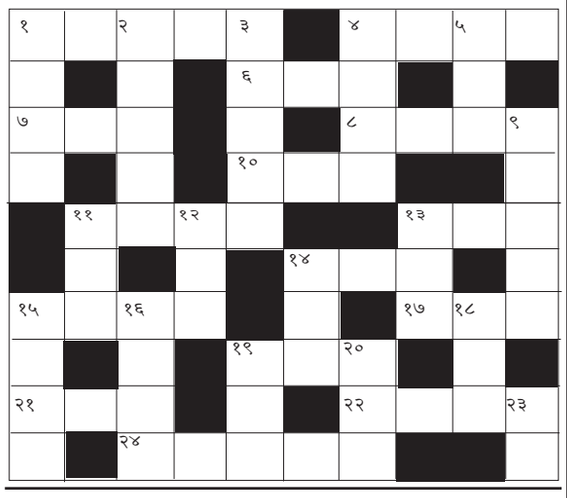

बायें से दायें:-

१. कलाकार, गुणवान, निपुम (उर्दू)
४. झंडा, ध्वज (उर्दू)
६. गति, चाल वेग (उर्दू)
७. विफल(उर्दू)
८. बातचीत
१०. प्रार्थना करना
११. गुत्थी, फंसाव कठिनाई, चिंता
१३. नाइंसाफी
१४. हर्ष, पुलक
१५. एक बंददार, मर्दाना पहनावा
१७. लोभी
१९. विपदा,विरक्ति
२१. धनी, अमीर (उर्दू)
२२. चुभना, गड़ना, अनुचित जान पड़ना
२४. पछताना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. आज्ञा पत्र (उर्दू)
२. उदारमना (उर्दू)
३. बीच, मध्य (उर्दू)
४. पतंगा, लिखित आज्ञा पत्र(उर्दू)
५. गाज, बिजली
९. समानार्थी
११. श्रम, उद्यम उत्पादक, जीवन के लिए आवश्यक सामग्री उत्पन्न करने का धंधा
१२. छोटी खिड़की, गवाक्ष
१३. पृथ्वी
१४. रोकने वाला
१५. बदलना (अंतरिम)
१६. बचा-खुचा
१८. गहरी इच्छा, लालसा
१९. युद्ध
२०. एड़ी के ऊपर की हड्डी की गांठ
२३. अनेक

वर्ग पहेली-6971

१ प्रा	णा	२ धा	र	■	■	३ ख	ल	४ ब	ली
तः	■	रा	■	५ वि	क	ट	■	ल	■
६ का	ल	वा	च	क	■	७ प	रि	वा	८ र
ल	■	बि	■	९ ल	ला	ट	■	■	ति
■	१० नि	क	११ टा	■	■	■	१२ औ	जा	र
■	भी	■	ह	■	१३ प	र	ला	■	म
१४ नौ	क	१५ रा	नी	■	हे	■	१६ द	१७ क्षि	ण
ज	■	ज	■	१८ कु	ली	१९ न	■	ति	■
२० वा	र्षि	क	■	सु	■	२१ व	न	जा	२२ त
न	■	२३ र	ह	म	दि	ल	■	■	रू

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 13 जुलाई , 2025 श्रावण कृष्ण पक्ष 3

राशिफल

मेष - आज आपके किसी काम या प्रोजेक्ट में सरकार से लाभ होगा। ऑफिस में महत्वपूर्ण मुद्दों पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। ऑफिस के कामकाज के लिए बाहर जाना होगा। कार्यभार बढ़ेगा।

वृषभ - विदेश गमन के लिए सुनहरे अवसर आएंगे। विदेश बसने वाले स्नेही या मित्रों का समाचार मिलेगा। व्यापारियों को व्यापार में धन लाभ होगा। नए आयोजन हाथ में ले सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा होगी, तीर्थ यात्रा होगी।

मिथुन - किसी भी प्रकार के अनिष्ट से बचने के लिए आज क्रोध की भावनाओं को नियंत्रण में रखने की जरूरत है। नई दवाई या चिकित्सा शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। खर्च बढ़ जाने से आर्थिक तंगी अनुभव होगी।

कर्क - आज का दिन दोस्तों और स्वजनों के साथ आनंदपूर्वक गुजार सकेंगे। मनोरंजक प्रवृत्तियों का भी आनंद प्राप्त होगा। व्यापार में भी लाभ होने की संभावना अधिक है। भागीदारों से भी लाभ होगा।

सिंह - आज आपके परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर आप आनंदपूर्वक समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यश, कीर्ति और आनंद की प्राप्ति होगी।

कन्या - आज आपको किसी न किसी कारणवश से मन में चिंता रहेगी। विशेष रूप से संतान और स्वास्थ्य के बारे में आप अधिक चिंतित होंगे। पेट संबंधी बीमारियों की शिकायत रहेगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई में कठिनाइयां आएंगी।

तुला - आज आप शारीरिक रुप से शिथिलता और मानसिक रुप से चिंता का अनुभव करेंगे। माता के विषय में चिंता रहेगी। स्थायी संपत्ति से संबंधित कामों में सावधानी बरतें।

वृश्चिक - आज का दिन खुशी से व्यतीत करेंगे। नए काम की शुरुआत करेंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा। स्वजनों और मित्रों के साथ मुलाकात होगी। किसी छोटी यात्रा के योग हैं।

धनु - आज का दिन मध्यम फलदायी हैं। निरर्थक व्यय होगा। मन में ग्लानि रहेगी। परिजनों के साथ गलतफहमी के कारण मनमुटाव हो सकते हैं। कामों में मनवांछित सफलता नहीं मिल पाएगी। दुविधायुक्त मनोदशा के कारण निर्णय नहीं ले पाएंगे।

मकर - आज निर्धारित कार्य सफलता से पूरे होंगे। ऑफिस या व्यवसायिक स्थल पर आपका वर्चस्व बढ़ेगा। गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

कुंभ - आज किसी का पक्ष ना लें। पैसे की लेन-देन से परहेज करें। खर्च में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद से बचें। किसी के साथ गलतफहमी होने से झगड़ा होगा। क्रोध को नियंत्रण में रखना पड़ेगा।

मीन - आज आपके लिए लाभदायक दिन है। नौकरी व्यवसाय में आय वृद्धि होगी। बुजुर्ग और मित्रों की तरफ से आपको लाभ होगा। नए मित्र बनेंगे। इनसे मित्रता भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

अफ्रीका में हैजा व एमपॉक्स का प्रकोप, इस साल 4,200 से ज्यादा की मौत

अदीस अबाबा, 12 जुलाई (एजेंसियां)। अफ्रीका में 2025 में हैजा और एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) जैसी बीमारियों के कारण अब तक 4,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

यह जानकारी अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) ने दी है। एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, अफ्रीका सीडीसी में एमपॉक्स के डिप्टी इन्सिडेंट मैनेजर, याप बूम द्वितीय ने बताया कि हैजा और एमपॉक्स को इस साल की सबसे बड़ी बीमारी माना जा रहा है, जिसकी वजह से कुल 4,275 लोगों की मौत हो चुकी है। अफ्रीकी संघ की एक खास स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, इस साल की शुरुआत से अब तक अफ्रीका के 21 देशों में लगभग 1,76,136 लोग हैजा से बीमार हुए हैं, और 3,697 लोगों की मौतें हुई हैं। अफ्रीका में बार-बार हैजा फैलने की सबसे बड़ी वजह साफ पानी की कमी है। इसके अलावा, अफ्रीका की बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं हैं, जिनकी स्थिति और दयनीय हो गई है। अफ्रीका सीडीसी के अनुसार, 2025 की शुरुआत से अब तक, अफ्रीका के 23 देशों में एमपॉक्स के 79,024 मामले सामने आए हैं।

अजित डोभाल के बयान से बौखलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर दिए गए बयान से पाकिस्तान तिलमिला उठा है। डोभाल ने शुक्रवार को पहली बार पाकिस्तान की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाया और इस दौरान एक भी चूक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन मात्र 23 मिनट में पूरा हुआ और इसका आधार पूरी तरह खुफिया जानकारी थी। अब पाकिस्तान के हुक्मरान भारतीय एनएसए के इस खुलासे पर बौखला गए हैं।

दरअसल, डोभाल ने विदेशी मीडिया को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर भारत को नुकसान पहुंचा है, तो एक भी फोटो, एक भी सैटेलाइट इमेज दिखा दें। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो तो बताएं। हम जानते थे कौन कहां है और हमने उसी जगह को निशाना बनाया। हमसे कोई चूक नहीं

■ पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन व अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का लगाया आरोप

हुई। डोभाल के इस बयान के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डोभाल के बयान को तोड़फोड़ और झूठ से भरा हुआ करार दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने भारत पर संप्रभुता के उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया।

लाल सागर में नागरिक जहाजों पर फिर से हूती विद्रोहियों का हमला

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने की कड़ी निंदा

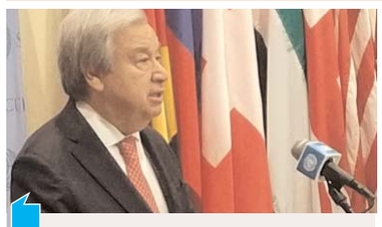

सभी पक्षों को हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए : एंटोनियो गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र, 12 जुलाई (एजेंसियां)। यमन में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में नागरिक जहाजों पर फिर से हमले शुरू कर दिए हैं, जिसकी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी निंदा की है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि दो कमर्शियल जहाजों का डूबना, कम से कम चार क्रू मेंबर्स की मौत और अन्य के घायल होने की घटनाएं इस महत्वपूर्ण जलमार्ग में एक खतरनाक रूप ले रही हैं। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम 15 चालक दल के सदस्यों के लापता होने की खबर है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हूती विद्रोहियों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी कदम को न उठाएं जो लापता क्रू मेंबर्स की तलाश और बचाव अभियान में बाधा पहुंचाए।

प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि नाविकों की सुरक्षा पर हमले के साथ-साथ, यह कृत्य नौवहन की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। यह समुद्री परिवहन के लिए खतरा उत्पन्न करता है और पहले से ही संवेदनशील तटीय पर्यावरण के लिए गंभीर पर्यावरणीय, आर्थिक और मानवीय क्षति का जोखिम पैदा करता है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुटेरेस ने जोर देकर कहा कि सभी पक्षों को हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए।

पाकिस्तान में बाढ़ को लेकर अलर्ट, 17 जुलाई तक सतर्क रहने की चेतावनी

इस्लामाबाद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मानसून की बारिश के बीच अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कई जगह तेज बारिश से नदियों का पानी बढ़ सकता है। कुछ कमजोर इलाकों में बाढ़ आने की भी आशंका जताई गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और पंजाब की प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने लोगों से सावधान रहने और पानी भरे हुए इलाकों में जाने से बचने की अपील की है।

खासकर 17 जुलाई तक अलर्ट रहने के कारण लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। अरब सागर से आई नमी की वजह से पंजाब में मॉनसून एक्टिव है। लाहौर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे नमी (ह्यूमिडिटी) बढ़ गई है। एनडीएमए के अनुसार, 26 जून से अब तक देशभर में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम 98 लोगों की जान चली गई है और 185 अन्य घायल हो गए हैं। पंजाब प्रांत में सबसे अधिक 37 मौतें हुईं, जिनमें 20 बच्चे शामिल हैं।

आज का इतिहास

1534- ऑटोमन सेना ने उत्तर पश्चिमी फारस में ताबरिज पर कब्जा किया।
1645- अलेक्सेई रोमानोव अपने पिता माइकल की जगह रूस के शासक बने।
1830- राजा राम मोहन राय और अलेक्जेंडर डफ ने कलकत्ता में स्कॉटिश चर्च कॉलेज की स्थापना की।
1882- रूस में ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण 200 लोगों की मौत।
1929- क्रांतिकारी जतिंद्रनाथ ने अपनी ऐतिहासिक भूख हड़ताल शुरू की।
1931- डोगरा सैनिकों ने श्रीनगर में अदालत के बाहर इकट्ठा हुए प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की जिसमें 22 कश्मीरी मारे गए। इसे जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
1974- भारत ने अपना पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में खेला।
1977- जनता पार्टी की सरकार ने भारत रत्न और अन्य नागरिक सम्मानों को वापस लेने की घोषणा की, लेकिन 1980 में कांग्रेस सरकार ने इसे फिर से शुरू किया।
1995- बंगाली लेखिका आशापूर्णा देवी का निधन।
1998- भारत के लिएंडर पेस ने हॉल आफ़ फ़ेम टेनिस चैंपियनशिप में अपने जीवन का प्रथम ए.टी.पी. ख़िताब जीता।
2000- फिजी में महेन्द्र चौधरी समेत 18 बंधक रिहा।
2006- परमाणु बम निर्माण संबंधी ईरान मसला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के हवाले।

सुविधा डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के प्रयोग के लिए पहला रोडमैप किया तैयार

डब्ल्यूएचओ ने आयुष में भारत के प्रयासों को किया स्वीकार

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेष रूप से आयुष (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एकीकृत करने में भारत के अग्रणी प्रयासों को स्वीकार किया है। इसकी जानकारी आयुष मंत्रालय ने दी। डब्ल्यूएचओ ने अपने तकनीकी विवरण पारंपरिक चिकित्सा में एआई में भारत के इन प्रयासों को प्रमुखता से उजागर किया है, जो पारंपरिक चिकित्सा में डिजिटल तकनीकों के उपयोग को दर्शाता है।

मंत्रालय ने बताया कि भारत की ओर से मिले प्रस्ताव के बाद हमारे प्रयासों को सराहा गया है। हमारे प्रस्ताव के परिणामस्वरूप डब्ल्यूएचओ ने पारंपरिक चिकित्सा में एआई के अनुप्रयोग के लिए पहला रोडमैप तैयार किया।

मंत्रालय ने इस मान्यता को पारंपरिक चिकित्सा के लिए मजबूत वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भारत के नेतृत्व का प्रमाण करार दिया। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के तकनीकी विवरण में भारत की एआई-आधारित पहल हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इसके अंतर्गत आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी में एआई-संचालित अनुप्रयोग शामिल हैं, जैसे नाड़ी

■ आयुष में एआई समावेश पर डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट ऐतिहासिक

रीडिंग, जीभ परीक्षण और प्रकृति मूल्यांकन को मशीन लर्निंग और डीप न्यूरल नेटवर्क के साथ जोड़ने वाली निदान सहायता प्रणालियां। जाधव ने आगे कहा कि एसएएचआई पोर्टल, नमस्ते पोर्टल और आयुष अनुसंधान पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से भारत न केवल अपनी सदियों पुरानी चिकित्सा विरासत को संरक्षित कर रहा है, बल्कि व्यक्तिगत, साक्ष्य-आधारित और वैश्विक स्तर पर सुलभ स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को भी आकार दे रहा है। डब्ल्यूएचओ के विवरण में आयुर्जेनोमिक्स पर भी प्रकाश डाला गया है, जो जीनोमिक्स को आयुर्वेदिक सिद्धांतों के साथ जोड़ने वाली एक वैज्ञानिक उपलब्धि है। यह पहल आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के तहत एआई-आधारित विश्लेषण से रोगों के पूर्वानुमानित संकेतों की पहचान कर वैयक्तिक परामर्श प्रदान करती है। इससे आधुनिक रोगों के लिए हर्बल योगों के जीनोमिक और आणविक आधार को समझने के प्रयासों को भी मान्यता मिली है।

वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि ये एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को संरक्षित और सत्यापित करने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक साक्ष्य-आधारित डिजिटल स्वास्थ्य ढांचे में एकीकृत कर रहे हैं।

दुनिया को जानें

नासा करेगा एक्सियम मिशन-4 के प्रस्थान का सीधा प्रसारण

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक्सियम मिशन-4 के प्रस्थान और पृथ्वी पर वापसी का सीधा प्रसारण करेगा। यह मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला समेत 4 अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। प्रस्थान 14 जुलाई, सोमवार को सुबह 7:05 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हॉर्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए होने की संभावना है। पृथ्वी वापसी के बाद यह यान कैलिफोर्निया तट के पास सागर में लैंड करेगा।

नासा की कवरेज सुबह 4:30 बजे हैच क्लोजिंग के साथ शुरू होगी और इसे नासा+ सहित कई सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा सकेगा। 4:55 बजे चालक दल ड्रैगन यान में प्रवेश करेगा और हैच बंद की जाएगी। इसके बाद 6:45 बजे अंडॉकिंग कवरेज शुरू होगी और 7:05 बजे यान अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होगा। प्रसारण यान के अलग होने के 30 मिनट बाद तक जारी रहेगी, जिसके बाद एक्सिओम स्पेस अपने प्लेटफॉर्म पर ड्रैगन की पृथ्वी वापसी और स्प्लैशडाउन का प्रसारण करेगा।

सुडोकू 6972 का हल

6	8	3	1	9	7	4	2	5
7	2	4	8	3	5	9	1	6
1	5	9	6	2	4	7	8	3
2	1	7	5	8	6	3	9	4
3	4	6	7	1	9	2	5	8
8	9	5	2	4	3	1	6	7
9	3	8	4	5	1	6	7	2
4	7	2	9	6	8	5	3	1
5	6	1	3	7	2	8	4	9

खेल जगत

ढब मोनाको डायमंड लीग स्टीपलचेज से हुए बाहर

मोनाको, 12 जुलाई (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के चैंपियन और दो बार के ओलंपियन अविनाश साबले को शनिवार को मोनाको डायमंड लीग 2025 में पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ के शुरुआती दौर में गिरने के बाद दौड़ से हटना पड़ा। स्टेड लुइस द्वितीय स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा कर रहे 30 वर्षीय भारतीय एथलीट ने दौड़ शुरू करने के एक मिनट से थोड़ा ज्यादा समय बाद ही पानी में कूदते समय एक अन्य प्रतियोगी का पैर फिसल जाने के कारण लड़खड़ाकर गिर पड़े। इस घटना के कारण सेबल को घायल अवस्था में ट्रैक से बाहर निकलना पड़ा और वह लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें दौड़ पूरी नहीं करने (डीएनएफ) का सामना करना पड़ा। उन्हें सहारा देकर स्थानीय चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। चोट की गंभीरता का पता नहीं चल पाया है।

लॉर्ड्स टेस्ट : केएल राहुल का शतक, भारत 254 पर चार

लॉर्ड्स, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के प्रथम सत्र की समाप्ति पर भारतीय टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 248 रन बना लिए हैं। केएल राहुल ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए अपना शतक लगा दिया है।

भारतीय टीम ने तीसरे दिन का खेल तीन विकेट पर 145 रन से शुरू किया। राहुल और पंत ने पहला सत्र बेहतरीन तरीके से खेला। दोनों ने रन भी बनाए और विकेट भी बचाया। लेकिन सत्र के आखिरी ओवर में दोनों बल्लेबाजों के बीच गलतफहमी हो गई, जिसका खामियाजा पंत को रन आउट के रूप में भुगतना पड़ा। अंगुली की चोट से जूझ रहे पंत ने इस बार भी बढ़िया पारी खेली। उन्होंने 112 गेंद में 2 छक्के और 8 चौके की मदद से 74 रन बनाए। पंत ने चौथे विकेट के लिए राहुल के साथ 141 रन की अहम साझेदारी की। लंच तक केएल राहुल 171 गेंद पर 98 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे सेशन की शुरुआत में आर्चर की गेंद पर अपना शतक पूरा किया। राहुल ने 176 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से यह पारी खेली। यह टेस्ट क्रिकेट में राहुल का 10वां और इस दौरे का दूसरा शतक है। राहुल दूसरे दिन के आखिरी सत्र से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अपनी बल्लेबाजी के दौरान राहुल ने धैर्य और संयम का परिचय दिया है और एक छोर को मजबूती से संभालकर रखा है। भारत को अगर पहली पारी में इंग्लैंड पर बढ़त बनानी है, तो राहुल बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी। खबर लिखे जाने तक रवींद्र जडेजा चार रन के निजी स्कोर पर राहुल का साथ दे रहे थे। इससे पहले, भारतीय टीम ने दूसरे दिन स्टंप्स तक तीन विकेट पर 145 रन बना लिए थे। दूसरे दिन के आखिरी सत्र में यशस्वी जायसवाल 13, करुण नायर 40 और शुभमन गिल 16 रन बनाकर आउट हुए थे। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 387 रन बनाए थे। जो रूट ने 104 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा जेमी स्मिथ ने 51 और ब्रायडन कार्स ने 56 रन बनाए थे।

नियंत्रण में दिखे केएल राहुल रवैया बेहद सटीक था : कुंबले

लंदन। भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी के लिए सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के 'बेहतरीन रवैये' को सराहा है। जोफ्रा आर्चर की अगुवाई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन के खेल तक नाबाद अर्धशतक जड़ा। अनिल कुंबले ने जियो-हॉटस्टार के 'मैच सेंटर लाइव' पर कहा कि यह शानदार था। केएल राहुल की एक खास पारी, जिसमें उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। जोफ्रा आर्चर ने जबरदस्त गेंदबाजी की। खासकर पहला स्पैल, जहां उन्होंने 150 किमी प्रति घंटा से ज्यादा की रफ्तार के साथ गेंदबाजी की। अनिल कुंबले ने आगे कहा कि केएल राहुल ने आर्चर का बखूबी सामना किया। उनका अंदाज बेहद सटीक था। केएल राहुल नियंत्रण में नजर आए। यह एक बहुत ही अनुशासित और परिपक्व पारी थी। मुझे यकीन है कि केएल राहुल अपने खेल से संतुष्ट होंगे। अनिल कुंबले के अलावा इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने भी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में केएल राहुल की सोच-समझकर खेली गई पारी को सराहा है। जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप इस पिच पर गेंदबाजों को अपने अनुसार खेल सकते हैं।

शुभमन गिल ने बदली हुई ड्यूक्स गेंद से जताई नाराजगी

■ क्रिकेट गेंद बिल्कुल एक विकेटकीपर की तरह होती है जिसकी चर्चा बहुत ही कम की जाती है

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड में एक बार फिर ड्यूक्स गेंद चर्चाओं के केंद्र में बनी हुई है, एक बार फिर भारत के दूसरी गेंद लेने के बस 10.3 ओवर बाद ही गेंद ने अपना शेप खो दिया था। जिसके बाद दूसरे दिन सुबह उसे फिर बदला गया।

बदली हुई गेंद से अंतर साफ दिख रहा था, दूसरी नई गेंद से जसप्रीत बुमराह ने कहर बरपाते हुए 14 गेंदों के अंदर तीन विकेट ले लिए थे, लेकिन इसके बाद पूरे सत्र में फिर भारत को विकेट नहीं मिली थी।

दूसरी नई गेंद 1.869 डिग्री पर स्विंग हो रही थी जबकि औसतन वह गेंद 0.594 डिग्री पर सीम हो रही थी। लेकिन जब दूसरी नई गेंद को बदला गया तो वह 0.855 डिग्री पर स्विंग हो रही थी और औसतन 0.594 डिग्री ही सीम कर रही थी। जाहिर है इसके बाद भारतीय टीम और कप्तान का गुस्सा बढ़ता जा रहा था। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने ब्रॉडकास्ट चैनल के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी गेंद को लेकर अपनी नाराजगी ज़ाहिर की। ब्रॉड के मुताबिक बदली हुई गेंद देखने में 18-20 ओवर पुरानी दिख रही थी। क्रिकेट गेंद बिल्कुल एक विकेटकीपर की तरह होती है जिसकी चर्चा बहुत ही कम की जाती है। लेकिन यहां हम गेंद की लगातार बात कर रहे हैं कि क्योंकि ये एक समस्या बनती जा रही है और हर पारी में करीब-करीब बदली जा रही है। जो कहीं से भी जायज नहीं है, मुझे लगता है पांच सालों से मैं देख रहा हूं कि ड्यूक्स गेंद में समस्या है। जिसे सही करने की जरूरत है, एक गेंद को 80 ओवर चलना चाहिए न कि सिर्फ 10 ओवर। एक और पूर्व इंग्लिश कप्तान नासिर हुसैन ने भी कहा कि ड्यूक्स गेंद के साथ गंभीर समस्या है। लेकिन साथ ही साथ उन्होंने कहा कि गेंदबाज चाहते हैं कि गेंद बिल्कुल परफेक्ट हो और तभी बार-बार गेंद बदल दी जाती है। ये भी देखिए कि पहला घंटा बुमराह को खेल पाना बेहद कठिन था। और तभी मैंने देखा कि वे लोग गेंद बदल रहे हैं, मैं ये देखकर हैरान था कि गेंद से जब इतनी मदद मिल रही है तो फिर बदलने की क्या जरूरत। भले ही वह देखने में कैसी लग रही है, शेप कैसा है, इससे क्या मतलब जब गेंदबाज को मदद मिल रही हो ? मुझे लगता है उस समय गेंद को बदलने की मांग करना ही हैरान करने वाला फैसला था।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम ने फ्रांस को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की

आइंडहोवन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने तीसरे मुकाबले में फ्रांस को 3-2 से हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। आइंडहोवन के हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में खेले गये मुकाबले में आज भारत ए पुरुष हॉकी टीम के लिए फॉरवर्ड आदित्य अर्जुन लालगे ने दो गोल किए, उनके साथी बॉबी सिंह धामी ने भी गोल किया। आदित्य अर्जुन लालगे ने पहला गोल किया, जिसके बाद उन्होंने एक पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में बदला। बॉबी सिंह धामी ने भारत के लिए तीसरा गोल किया और जीत हासिल की।

वहीं, फ्रांस के लिए दोनों गोल क्लेमेंट की ओर किये गये। जीत के बाद भारत ए टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ए पुरुष हॉकी टीम इस दौरे की तैयारी में पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रही है और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मैदान पर भी सब कुछ ठीक चल रहा है। इस दौरे पर हमें कुछ और मैच खेलने हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि टीम अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेगी और अपनी लय बनाए रखेगी। भारत ए पुरुष हॉकी टीम रविवार को फ्रांस से भिड़ेगी। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को अपने यूरोप दौरे में कुल पांच मैच और खेलने हैं।

टेलर फ्रिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

■ हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूटा

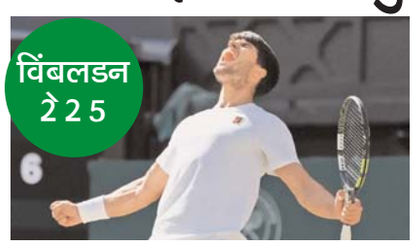

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है। पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने

अल्काराज की कभी हार न मानने वाली मानसिकता, सच्चे चैम्पियन की पहचान : सचिन तेंदुलकर

लंदन। इंग्लैंड पर इस समय पूरी दुनिया की नजर है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के साथ-साथ, वहां विंबलडन भी जारी है। विंबलडन का आनंद लेने के लिए तमाम दिग्गज क्रिकेटर्स टेनिस कोर्ट पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज के बीच खेला गया सेमीफाइनल मैच देखा। मैच के बाद सचिन ने जियोहॉटस्टार से बात करते हुए कहा कि मैं जॉन मैकेनरो का प्रशंसक रहा हूं। मुझे याद है, मेरे सभी दोस्त ब्योर्न बोर्ग का समर्थन करते थे, लेकिन किसी वजह से, मैं हमेशा मैकेनरो का समर्थन करता था। मैं उनकी तरह हेडबैंड भी पहनता था, इस उम्मीद में कि जब मैं अपने दोस्तों के साथ रहूंगा तो लोग मुझे मैकेनरो कहेंगे। उन्होंने कहा कि बाद के वर्षों में मुझे रोजर फेडरर ने बहुत प्रभावित किया।

वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड स्वीकार कर लिया है जो 16 महीनों में उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच होगा। 45 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च 2024 में मियामी ओपन के बाद से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं की है और उन्होंने आखिरी बार अगस्त 2023 में सिनसिनाटी ओपन में एक मैच जीता था। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी वर्तमान में डब्ल्यूटीए वेबसाइट पर 'निष्क्रिय' के रूप में सूचीबद्ध हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी कोई रैंकिंग नहीं है। विलियम्स ने एक बयान में कहा कि डीसी के बारे में कुछ खास है - ऊर्जा, प्रशंसक, इतिहास।इस शहर ने हमेशा मुझे बहुत प्यार दिया है और मैं वहां फिर से प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूं।वाशिंगटन ओपन - एक डब्ल्यूटीए 500 इवेंट - 21 जुलाई से शुरू हो रहा है।

सार संक्षेप

एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप 2024-25 तीन अगस्त से

नई दिल्ली। एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप 2024-25, तीन से 18 अगस्त तक उत्तराखंड के रुद्रपुर स्थित श्री मनोज सरकार स्टेडियम - शिवालिक हॉल में आयोजित की जाएगी।देश के सर्वोच्च स्तर के फुटसल टूर्नामेंट के चौथे संस्करण में 17 क्लब ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।टीमों को चार समूहों में बांटा गया है - तीन में चार टीमें और एक में पांच टीमें। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। उत्तराखंड की टीम कॉर्बेट एफसी गत विजेता है, जिसने वडोदरा में 2023-24 के फाइनल में गोलाजो एफसी को 3-2 से हराया था। उनका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर खिताब बरकरार रखना और एक से ज्यादा बार टूर्नामेंट जीतने वाला पहला क्लब बनना होगा। दिल्ली एफसी ने 2021-22 में पहला संस्करण जीता था, उसके बाद मिनर्वा अकादमी एफसी ने 2022-23 में खिताब जीता था।

लिवरपूल ने जोटा की 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर किया

लिवरपूल। लिवरपूल ने डियोगो जोटा के सम्मान में सभी स्तरों पर 'जर्सी नंबर 20' को रिटायर करने का ऐलान किया है। 28 वर्षीय डियोगो जोटा ने तीन जुलाई को कार दुर्घटना में अपनी जान गंवाई थी। प्रीमियर लीग चैम्पियन ने बयान में कहा, इस जर्सी नंबर को उन्होंने गर्व के साथ पहनकर हमें अनगिनत जीत दिलाई। डियोगो जोटा हमेशा लिवरपूल फुटबॉल क्लब के 'नंबर 20' रहेंगे। यह कदम न केवल बीते पांच वर्षों में रेड्स की मैदान पर सफलताओं में पुर्तगाल के हमारे इस खिलाड़ी के अथाह योगदान को दर्शाता है, बल्कि साथियों, सहकर्मियों और समर्थकों पर उनके गहरे प्रभाव को भी साबित करता है। स्पेन के जमोरा प्रांत में हुए कार हादसे में जोटा के साथ उनके भाई आंद्रे सिल्वा भी अपनी जान गंवा बैठे थे। स्पेनिश पुलिस के अनुसार, तेज गति से गाड़ी चलाते समय जोटा की कार सड़क से उतर गई और टायर फटने के बाद गाड़ी में आग लग गई।

ओडिशा और झारखंड के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

रांची। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में ओडिशा और झारखंड ने जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। झारखंड के रांची स्थित मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में ओडिशा ने हरियाणा को 1-0 से हराया। ओडिशा की ओर से सुदीपा बा (45वें मिनट) में खेल का निर्णायक गोल दागा। दूसरे सेमीफाइनल मैच में झारखंड ने मिजोरम को 1-0 से हराया। झारखंड के लिए जिरन सोय मुंडा (26वें मिनट) ने मैच का निर्णायक गोल दागकर हॉकी झारखंड के लिए फाइनल में ओडिशा से मुकाबला करने का रास्ता साफ कर दिया। फाइनल मुकाबला सोमवार को खेला जायेगा। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हरियाणा बनाम मिजोरम के बीच भिड़ंत होगी।

पिछले 15 साल में तीनों फॉर्मेट में कोहली जैसा खिलाड़ी नहीं आया : केन विलियमसन

■ भारत जैसे क्रिकेट के दीवाने देश में करोड़ों लोगों की उम्मीदों की चुनौतियों का सामना करते हुए, जिस तरह उन्होंने बल्लेबाजी की है, वह उन्हें बल्लेबाजों की सूची में सबसे ऊपर रखता है : केन विलियमसन

लंदन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। विलियमसन ने कहा कि पिछले 15 साल में तीनों फॉर्मेट में विराट कोहली जैसा महान खिलाड़ी नहीं आया। विलियमसन ने कहा कि विराट शायद पिछले 15 सालों में सभी प्रारूपों में सबसे महान खिलाड़ी हैं। भारत जैसे क्रिकेट के दीवाने देश में करोड़ों लोगों की उम्मीदों की चुनौतियों का सामना करते हुए, जिस तरह उन्होंने बल्लेबाजी की है, वह उन्हें बल्लेबाजों की सूची में सबसे ऊपर रखता है। स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए विलियमसन ने विराट कोहली के साथ अपनी दोस्ती स्वीकारी। उन्होंने कहा कि मिडलसेक्स के साथ अपने करार की वजह से मैं इंग्लैंड में हूं। कोहली भी परिवार के साथ यहीं रहते हैं, हमारी मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि हमने न केवल साथ क्रिकेट खेला है, बल्कि अपने जीवन के एक बड़े हिस्से को किसी न किसी तरह से समानांतर तरीके से जिया है। एक ही समय पर पिता बनना हो या उम्र बढ़ने के साथ अलग-अलग चीजों का अनुभव करना हो। हम अलग-अलग स्तर पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विराट कोहली, केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ और जो रूट आधुनिक समय के बेहतरीन बल्लेबाज माने जाते हैं। चारों ने एक दशक से अधिक समय तक क्रिकेट की दुनिया पर राज किया। विराट अब टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं, तो ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ वनडे क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर पैट कमिंस

किंग्स्टन, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेलेंगे। तेज गेंदबाज का फोकस इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज की तैयारी पर है। पैट कमिंस को पहले ही मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में आराम दिया गया था। कमिंस गर्मियों में घरेलू मुकाबलों की तैयारी के लिए फिटनेस पर फोकस करेंगे। वहीं, जोश हेजलवुड पहले टीम में शामिल थे, लेकिन अब वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद वह स्वदेश लौटेंगे। उनकी जगह जेवियर बार्टलेट को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, जोश हेजलवुड अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। दोनों देश 10-24 अगस्त के बीच तीन टी20 और इतने ही मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेंगे। यह मैच डार्विन, केर्न्स और मैके में आयोजित होंगे।

भारत की अंडर-20 महिला टीम आज उज्बेकिस्तान के साथ पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी

■ क्वालीफायर में भारतीय टीम का मुकाबला इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान और मेजबान म्यांमार से होगा

ताशकंद, 12 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम रविवार को उज्बेकिस्तान के साथ अपना पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी। भारतीय टीम यहां उज्बेकस्तान के साथ दो मैत्री मैच खेलेंगी। पहला मैच 13 जुलाई को 'डू' स्टलिक स्टेडियम में भारतीय समयानुसार साढ़े आठ बजे से खेला जाएगा। बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण के बाद भारतीय टीम शुक्रवार सुबह उज्बेकिस्तान की राजधानी पहुंची और शाम को जिम में अभ्यास किया। कल होने वाले मैच से पहले आज शाम टीम ने अभ्यास किया। भारतीय टीम इन मैत्री मैचों का उपयोग अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशिया कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए कर रही है। क्वालीफायर में भारतीय टीम का मुकाबला इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान और मेजबान म्यांमार से होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने कहा कि हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना चाहते थे ताकि हमें अंदाजा हो सके कि एशियाई क्वालीफायर में हमारा क्या अभ्यास है। हम यह भी आकलन करना चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी ऐसे मैचों में अपनी भूमिका कैसे निभाते हैं, खासकर जब हम क्वालीफायर के लिए टीम को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच रहे हैं। यह हमें न केवल मैदान पर बल्कि यात्रा करने और विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल होने का भी बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि ताशकंद का मौसम अभी तक बेंगलुरु जैसा ही है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज : सम्मान बचाने उतरेगी कैरेबियाई टीम

■ हेड सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली, 12 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच शनिवार देर रात तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना चुका है। ऐसे में जमैका में खेला जाने वाला सीरीज का यह अंतिम टेस्ट मैच मेजबान टीम के लिए सम्मान की लड़ाई होगा। यह 'पिंक बॉल टेस्ट' मैच है, जो भारतीय समयानुसार शनिवार देर रात शुरू होगा। गुलाबी गेंद टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। ऐसे में कैरेबियाई टीम के सामने बड़ी चुनौती है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट को 159 रन से अपने नाम किया था। ग्रेनेडा में खेले गए दूसरे मुकाबले को 133 रन से जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से इस सीरीज में ट्रेविस हेड ने चमक बिखेरी है, जिन्होंने चार पारियों में 47 की औसत के साथ 188 रन बनाए हैं। हेड सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हेड के अलावा एलेक्स कैरी, उस्मान ख्वाजा और बीयू वेबस्टर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को परेशान कर सकते हैं। इनके अलावा पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन टीम की गेंदबाजी को मजबूती देते हैं। वहीं, वेस्टइंडीज के खेमे को देखें, तो ब्रैंडन किंग, शमर जोसेफ, रोस्टन चेज और शाई होप के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विशेष रणनीति के साथ उतरना होगा। गेंदबाजी में मेजबान टीम के पास शमार जोसेफ जैसे तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने सीरीज में अब तक 14 विकेट चटकाए हैं। इनके अलावा जायडेन सील्स और अल्जारी जोसेफ भी ऑस्ट्रेलिया के लिए खतरा बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच साल 1930 से अब तक कुल 122 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। इस टीम ने 63 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि वेस्टइंडीज ने 33 मैच जीते हैं। दोनों देशों के बीच 25 टेस्ट ड्रॉ, जबकि एक मैच टाई रहा है। सबीना पार्क की पिच स्लो रह सकती है। यहां गेंदें नीची रहेंगी, जिससे बल्लेबाजों को मदद मिलेगी। इस मैच के दौरान सबसे बड़ी चुनौती नई ड्यूक्स गेंद से निपटना होगा। यहां मुकाबले की शुरुआत में तेज गेंदबाज सीम मूवमेंट और स्विंग हासिल कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 टीम में किए बदलाव

किंग्स्टन। ऑस्ट्रेलिया ने 21 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम में बदलाव करते हुए स्पेंसर जॉनसन और जोश हेजलवुड की जगह क्रमश: सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को शामिल किया है। राष्ट्रीय अनुबंध से चूकने के बाद, फ्रेजर-मैकगर्क अपनी शानदार फॉर्म को पीछे छोड़कर कैरेबियाई सरजमीं पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वापसी करना चाहेंगे। हेजलवुड अगले महीने दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला की तैयारी के लिए स्वदेश लौटेंगे, जबकि जॉनसन अभी अपनी पीठ की चोट से उबर नहीं पाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पिछले 14 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 12 जीते हैं और अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप से पहले अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की उम्मीद करेगा। शानदार फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलिया के टी-20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान मिशेल मार्श टीम की अगुवाई करेंगे, क्योंकि पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और ट्रैविस हेड जैसे प्रमुख खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद स्वदेश लौट जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। दो मैच किंग्स्टन में और शेष मैच बैसेटेरे में होंगे। बदलाव के बाद ऑस्ट्रेलिया टी-20:- मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट, जोश इंगलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिच ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

कहानी

एस आर हरनोट : हिमाचली लोक जीवन के अनूठे गायक

■ अह

राकेशरेणु

दि

एस.आर. हरनोट का नाम हिन्दी के महत्वपूर्ण कथाकारों में शामिल है । उन्होंने हिमाचल के ग्रामीण जीवन, लोक संस्कृति, परंपराओं, मान्यताओं को अपनी कहानी तथा उपन्यास का विषय बनाया है । हिमाचल के पहाड़ी जनजीवन की जटिलताओं, संबंधों में पैबस्त स्वार्थ व कुटिलता और हितों के टकराव की कथा आख्यानों में पिरोकर कहने का कौशल जैसा हरनोट में है वैसा हिमाचल के किसी अन्य कथाकार में नहीं। किंवदंतियाँ, लोक कथाएँ और आख्यान न केवल उनकी कथा रचना को शक्ति और परिप्रेक्ष्य देते हैं बल्कि उसमें सहजता, प्रवाह व ज़रूरी तनाव भी भरते हैं। कथा साहित्य, ख़ास तौर पर औपन्यासिक कृति में ये तीनों तत्व गतिशीलता और पठनीयता के लिए ज़रूरी हैं। इसके साथ ही, उपन्यास में आरंभिक पृष्ठों का रचाव और कसाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है।

हरनोट से पहले हिमाचल प्रदेश में जन्मे अथवा वहाँ रह कर लेखन करने वाले नामचीन कथाकारों की एक लंबी श्रृंखला है जिसकी शुरूआत चंद्रधर शर्मा गुलेरी से हुई मानी जाती है। हिन्दी जगत को उसकी पहली कहानी 'उसने कहा था' देने का श्रेय गुलेरी जी को ही प्राप्त है । उनके बाद यशपाल का नाम उल्लेखनीय रूप से लिया जाता है। निर्मल वर्मा और रस्किन बांड आदि का संबंध भी हिमाचल प्रदेश से रहा है, भले ही वे दिल्ली अथवा देहरादून जैसी जगहों पर बसकर लेखन करते रहे। मोहन राकेश भी थोड़े समय तक शिमला मे रहकर अध्यापन और लेखन किया। लेकिन इनमें से किसी ने भी अपने लेखन में हिमाचल के ग्रामीण व लोक जीवन में प्रवेश करने की कोशिश नहीं की । उन्हें अपने उपन्यासों का विषय नहीं बनाया ।

हरनोट इस मानी में विशिष्ट हैं । उनके पास हिमाचल के पहाड़ी जीवन की अछूती और अनूठी कथाओं का समृद्ध ख़ज़ाना है। हरनोट हिमाचल के एक गाँव से आते हैं । उनका संबंध संघर्षशील दलित समाज से है। उन्हें पहाड़ी जीवन की दूभरताओं और दृढ़ताओं की गहरी जानकारी है। सामाजिक पदानुक्रम में नीचे रखे गए तबकों की पीड़ाओं और उनके साथ होने वाले अमानवीय व्यवहार की भी गहरी जानकारी उन्हें है । हिमाचल की परंपराओं, किंवदंतियों और मिथकीय कथाओं के बीच उनका जीवन गुज़रा है। अपनी कहानियों और उपन्यासों में हरनोट जी ने हिमाचल के इसी पहाड़ी जीवन के संघर्ष, सुख-दु:ख, आपसी खींचतान और जिजीविषा को अभिव्यक्ति दी है। उनके उपन्यास जहाँ एक ओर परम्परा से चले आ रहे भेदभाव और शोषण की प्रविधियों का दस्तावेज़ प्रस्तुत करते हैं वहीं दूसरी तरफ़ आधुनिकता और विकास के नाम पर पहाड़ी संसाधनों और दलित-वंचित तबकों के दोहन-शोषण के नए-नए तरीक़ों की जानकारी विस्तार से रखते हैं। इन पंक्तियों के लेखक की सीमित जानकारी में हिमाचल का कोई दूसरा ऐसा उपन्यासकार नहीं है जो एस आर हरनोट की तरह अपने उपन्यासों में हिमाचल के सुदूर पर्वतीय जीवन और उनकी विडंबनाओं की दारुण किंतु विश्वसनीय जानकारी दे सके। उपन्यास और कहानियों में जो काम हरनोट में किया है, आधुनिक हिन्दी कविता में वह सुरेश सेन निशान्त और उनके बाद अब अजेय कुमार, आत्मारंजन और गणेश गनी जैसे कवि कर रहे हैं ।

हरनोट ने विपुल लेखन किया है - दर्जन भर कहानी संग्रहों के बीच उनके अब तक 'हिडिम्ब' और 'नदी रंग जैसी लड़की' नाम से दो उपन्यास प्रकाशित हैं। दोनों उपन्यासों के केन्द्र में हिमाचल के गाँव हैं। पहले उपन्यास हिडिम्ब का शीर्षक पौराणिक आख्यानों के एक खल पात्र के नाम को इंगित करता है जिसे महाभारत की कथा के अनुसार भीम ने मार गिराया था । लेकिन वह मारा कहाँ गया ? वह आज भी हज़ार-हज़ार रूपों में हमारे बीच उपस्थित है। हिमाचल के पर्वतों में ही उसका वास था । और, यदि वह आज भी जीवित है, जो कि है, तो हिमाचल के खल पात्रों में जीवित है जो पहाड़ के लोगों के जीवन की सरलता व छोटे-छोटे सुखों पर गिद्ध दृष्टि जमाए है । वह येन-केन-प्रकारेण किसानों की ज़मीन, लड़कियों का कौमार्य, स्त्रियों का शील और कृषि श्रमिकों का श्रम और आत्म सम्मान छीन लेना चाहता है । हिमाचल ही क्यों, वह समूचे देश में मौजूद है । पूरे देश में उसका आचरण एक-सा है - उतना ही विध्वंसक और अधोगामी । राक्षसी प्रवृत्ति वाले ऐसे पात्रों को इंगित करने के लिए हिडिम्ब से बेहतर कोई शीर्षक हो भी नहीं सकता था । अपने आत्मकथ्य में इस बात को और स्पष्ट करते हुए हरनोट लिखते हैं- 'प्राचीन काल से ही दो तरह की शक्तियाँ काम कर रही हैं - दैवी और आसुरी । प्रागैतिहासिक मिथक पुराण कथाएँ इसी बात को प्रमाणित करती हैं । लोकोत्तर अंध आस्था ने मगर इसे प्राय: भौतिक और स्थूल स्तर पर ग्रहण किया है और इन संदर्भों को उत्सव के रूप में मनाया है । जैसे कि होलिकादहन, दशहरे पर रावण का पुतला जलाना आदि । लोक यह दावा करता है कि दहन के साथ-साथ वे बुराइयों को भी जला रहे हैं । पर ऐसा हुआ कहाँ है ! उपन्यास का शीर्षक 'हिडिम्ब' इसी प्रवृत्ति से उपजा है ।'

जाहिरा तौर पर यह उपन्यास मिथकीय हिडिम्ब मात्र की कथा नहीं है बल्कि उस प्रवृत्ति और मानसिकता का प्रतीक है जो भले ही समाज में मनुष्यता के आरंभ से रहा हो लेकिन आज के उपभोक्तावादी दौर में वह हर तरफ़ दिखाई पड़ता है। इसके बहुतेरे चेहरे हैं जिनके शिकार आमतौर पर समाज के सबसे कमज़ोरतबके ही होते हैं।

अलग-अलग होने के बावजूद हरनोट के दोनों ही उपन्यासों की कथाभूमि में कुछ साम्य देखे जा हैं - पहला, वे हिमाचल के पहाड़ी गाँव के खेतिहर परिवारों के जीवन संघर्ष की जीवंत और यथार्थवादी कथा कहते हैं। दूसरे, दोनों ही उपन्यासों में मुख्य कथा को सूत्रबद्ध करने वाली एक-एक नदी है जो एक छोटी-सी लड़की के रूप में उपस्थित है - सरल, निर्मल, उच्छल, अतल और उज्ज्वल। हरनोट के उपन्यासों में नदी प्रकृति के पवित्रतम स्वरूप का प्रतीक है जो छोटी सी बालिका विपु और शतु के रूप में उपस्थित होती है । हिडिम्ब में यह बालिका विपु घाटी के प्रत्येक ईमानदार और सरल आदमी के साथ है । उनका हित चाहती है । किंतु नदी और प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ करने, उन्हें गंदा करने वालों को समूल नष्ट करने के लिए संकल्पबद्ध भी प्रतीत होती है । और, आखिरकार ऐसा ही होता है । हिडिम्ब के अंत में घनघोर आँधी-तूफ़ान, ओला वृष्टि के बाद हुए विनाश के उपरांत शावणू को अपने आंगन से नदी की ओर जाकर उसमें विलीन होते पैरों के छोटे-छोटे निशान दिखाई देते हैं जो उसी संकल्पबद्ध बालिका के हैं । वह बालिका नदी है, पर्वत, वन और पहाड़ी स्त्रियों की प्रतीक भी । वह प्रकृति है । वही संहारक है वही सर्जक । वह पहाड़ की उदात्तता का प्रतीक है । लेकिन जब उसे अवरुद्ध करने की कोशिश होती है अथवा मैला करने की, तो वह उसका प्रतिकार करती है । विध्वंस मचाती है । विध्वंसकर्ता शक्तियों से मुक्त समाज की कल्पना करती है - 'बस हम और तुम हों और हमारी मछलियाँ हों और लोकगीत गाते मज़दूर और किसान हों।' यह उपन्यास कई स्तरों पर घटित होता है। कई बार प्रतीत होता है कि वृद्ध हो चुकी दादी सुनमा उम्र के असर से जागते हुए तरह-तरह के सपने देखती है। उसकी बड़बड़ाहट से कहानी आगे बढ़ती है और बहुधा एक क़िस्म का जादुई यथार्थ रचती है । उपन्यास का अंत उसी मार्मिक जादुई यथार्थ का मर्मस्पर्शी विस्तार है जिसकी चर्चा मैंने ऊपर की । एक भरपूर जीवन जीने के बाद दादी सुनमा उसी नदी में समा गई जिससे वह जीवनपर्यंत प्रेरणा पाती रही। उपन्यास का अंत सुनमा दादी के नदी कन्याओं के संग, शतु के संग काग़ज़ की नाव में जाने का रूपक रचता है जो वस्तुत: उसके नदी की भाँति जीने, उसमें ही समा जाने और अमर हो जाने का रूपक है । कहना न होगा कि विपु विपाशा और शतु शतद्रु नामक नदियों के ही संक्षिप्त बालरूप हैं । दोनों उपन्यासों की सभी महत्वपूर्ण घटनाएँ इन्हीं नदियों के इर्दगिर्द और साथ-साथ घटित होती हैं ।

तीसरा सादृश्य दोनों उपन्यासों के स्त्री पात्रों के चित्रण में देखा जा सकता है । हरनोट दोनों ही उपन्यासों में परिवार में रमी किंतु मज़बूत आत्मबल की धनी स्त्री पात्रों की रचना करते हैं । एक में वे 'दारोश' सरीखी कहानी लिख कर स्त्री विरोधी प्रथा के ख़िलाफ़ अपनी असहमति और विरोध जता चुके हैं । वहीं से उनके स्त्री संबंधी विचार मज़बूती से प्रकट होते हैं । हिडिम्ब में जब मंत्री के गुंडे शावणू परिवार को डराने-धमकाने, प्रताड़ित और अपमानित करने के मक़सद से उनके घर पहुँच जाते हैं तो शावणू की अर्द्धांगिनी सुरमा देई डरने की बजाए हाथ में दरात उठाकर उन्हें खदेड़ देती है । उसके पराक्रम पर स्वयं शावणू को भी भरोसा नहीं होता । बिलकुल घरेलू सी उसकी पत्नी इस संकट की घड़ी में शक्ति का रूप धर लेती है । बेटे की मृत्यु के बाद विक्षिप्तावस्था में भटकती सुरमा देई के सम्मुख ठेकेदार के आ जाने पर हाथ में दरात लिए वह उसका पीछा करती है, खदेड़ती हुई रेस्ट हाउस में पहुँच जाती है और अंतत: उसके गुप्तांग काट लेती है । स्त्री शक्ति का यह आक्रोश अनायास नहीं है । हरनोट के लिए यह एक संकेत है । समाज में हिडिम्बों की बढ़ते दुराचार के असह्य हो जाने का प्रकट विरोध है ।

दूसरी तरफ़ नदी रंग जैसी लड़की में सुनमा देई (दोनों उपन्यासों की नायिका के नामों में बस एक हर्फ़ का अंतर है । वही हर्फ़ बराबर अंतर उनके कार्य व्यवहार और व्यक्तित्व में भी है) का चरित्र पितृसत्ता को चुनौती देने वाला और स्त्रियों की स्वतंत्र इयत्ता का ख़ूबसूरत आख्यान रचने वाला है । यह समकालीन स्त्री चेतना के अनुकूल भी है । सुनमा देई का जीवन सामान्य नहीं है । उसे असामान्य बनाने में तथाकथित विकास की बड़ी गहरी भूमिका रही है । सुनमा पर्वत, नदी , पर्यावरण और आम जन के विरोध में अमानवीय व विध्वंसक व्यवस्था का साथ देने वाली सभी ताक़तों से लोहा लेती है । वह दुर्धर्ष आत्मबल की धनी है । पति की अकाल मृत्यु के बाद परंपराओं को धता बताती वह सुहाग चिन्हों को पहले की ही तरह धारण करती रहती है । धीरे-धीरे समाज उसकी संवेदनाओं को समझने लगता है।

प्रकृति और पर्यावरण हरनोट की चिंता के केन्द्र में हैं । उनकी दृष्टि में इनका कितना अधिक महत्व है इसे नदी रंग जैसी लड़की की एक पंक्ति 'ज्नदी का मरना उसे भगवान के मरने जैसा लगता' से समझा जा सकता है । इन सबके के बावजूद दोनों उपन्यासों को केवल पर्यावरण केंद्रित मान लेना उन्हें सीमित करना होगा । अपने बुनियादी चरित्र में ये दोनों ही उपन्यास राजनीतिक हैं क्योंकि दोनों ही उपन्यासों में एक क़िस्म का वर्ग संघर्ष है - साधन संपन्न तबके का वंचितों से संघर्ष, अपनी भूख मिटाने के लिए सब कुछ हड़प लेने की इच्छा से जीवन की छोटी-छोटी ख़ुशियाँ और संसाधन बचा लेने का संघर्ष । हिडिम्ब में यह संघर्ष कहीं अधिक तीखा है। इस वर्ग संघर्ष का अगुआ शावणू और उनका परिवार है जिसे दलित होने की वजह से प्रताड़ित होना पड़ता है और जो बेटे और पत्नी को गँवा कर भी अपनी ज़मीन की रक्षा के लिए तन कर खड़ा होता है, मंत्री और उसके गुर्गों को चुनौती देता रहता है । अंत तक नहीं झुकता ।

नदी रंग जैसी लड़की में यद्यपि दलित संघर्ष नहीं है किंतु यहाँ वर्ग संघर्ष दूसरे रूप में मौजूद है, किसानों और सत्ताधारियों के बीच संघर्ष के रूप में ।अपने गाँवों को और पहाड़, प्रकृति, पर्यावरण और लोक संस्कृति में जो अच्छा है, उसे बचा लेने के लिए संकल्पबद्ध सुनमा देई के रूप में है। एक स्तर पर इस उपन्यास में हिमाचल प्रदेश का ठोस इतिहास भी साथ-साथ चलता है । सुनमा देई के स्वाधीनता संग्रामी पिता मास्टर भागदत्त और श्वसुर देवीदत्त वज़ीर की कथा उसे आगे बढ़ाती है । स्वाधीन भारत में जिस मंत्री-संतरी वाले तंत्र को देश के आम लोगों, मजलूमों की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए था । किंतु वही उनके लूट और विनाश का कारण बन गए हैं ।

हरनोट के उपन्यासों को पढ़ते हुए फणीश्वरनाथ रेणु की याद आती है । 'मैला आँचल' याद आता है । वैसी ही चित्रमय, संगीतमय भाषा । मानो आप उपन्यास न पढ़ रहे हों, कोई फ़िल्म देख रहे हों । पहाड़ी नदी के पानी-सी पारदर्शी भाषा ।पहाड़ का जैसा जीवन वैसी ही भाषा । हिमाचली लोक की भाषा । रेणु की तरह हरनोट ने भी आंचलिक शब्दों का रोचक और प्रभावपूर्ण प्रयोग किया है । इनमें से अनेक शब्द पारिभाषिक हैं और उनके पीछे कोई कथा या किंवदंतियाँ छिपी हैं । पाठ से अलग करके देखने पर भले वे कठिन लगें लेकिन पाठ के साथ सहज ही इन शब्दों के अर्थ खुलते जाते हैं और हिंदी का शब्द परिवार समृद्ध होता चलता है । ये लेखक के जीवन जगत के शब्द हैं । इसलिए इनके अर्थ खुलने में बाधा नहीं आती । काहिका, गुर, बुक्कल, कूहल, क्यार, पूड़, घासणी, बजंतर, पुरांदू, कूजो और दूसरे पर्वतीय फूलों के नाम आदि जैसे शब्द हिन्दी की वर्धमान गतिशीलता को बनाए रखते हैं । यही काम उपन्यास में प्रयुक्त हिमाचली लोकगीत और लोक कथाएँ करती हैं ।

हरनोट उम्मीद, सरलता और संभावना के गायक उपन्यासकार हैं। कई बार कविता जैसी तरल और प्रतीक भाषा में वे अपना रूपक गढ़ते हैं । हरनोट की वैचारिकी हर तरह के भेदभाव मिटाकर सम समाज की रचना की वैचारिकी है ।वह प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने और उसके सहज प्रवाह में प्रवाहित होने रहने की वैचारिकी है । वह वैज्ञानिक और जनधर्मी वैचारिकी है । वह दलितों और स्त्रियों को परिवार और समाज में उनके हक़ व समान आदर दिलाने वाली वैचारिकी है । वह 'सार-सार को गही रहे थोथा देय उड़ाए' की वैचारिकी है ।

हरनोट के उपन्यासों को पढ़ते हुए फणीश्वरनाथ रेणु की याद आती है । 'मैला आँचल' याद आता है । वैसी ही चित्रमय, संगीतमय भाषा । मानो आप उपन्यास न पढ़ रहे हों, कोई फ़िल्म देख रहे हों । पहाड़ी नदी के पानी-सी पारदर्शी भाषा ।पहाड़ का जैसा जीवन वैसी ही भाषा । हिमाचली लोक की भाषा । रेणु की तरह हरनोट ने भी आंचलिक शब्दों का रोचक और प्रभावपूर्ण प्रयोग किया है । इनमें से अनेक शब्द पारिभाषिक हैं और उनके पीछे कोई कथा या किंवदंतियाँ छिपी हैं । पाठ से अलग करके देखने पर भले वे कठिन लगें लेकिन पाठ के साथ सहज ही इन शब्दों के अर्थ खुलते जाते हैं और हिंदी का शब्द परिवार समृद्ध होता चलता है । ये लेखक के जीवन जगत के शब्द हैं । इसलिए इनके अर्थ खुलने में बाधा नहीं आती ।

■ फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

बहुत मिला न मिला ज़िन्दगी से ग़म क्या है
मता-ए-दर्द बहम है तो बेश-ओ-कम क्या है

हम एक उम्र से वाक़िफ़ हैं अब न समझाओ
के लुत्फ़ क्या है मेरे मेहरबाँ सितम क्या है

करे न जग में अलाव तो शेर किस मक़सद
करे न शहर में जल-थल तो चश्म-ए-नम क्या है

अजल के हाथ कोई आ रहा है परवाना
न जाने आज की फ़ेहरिस्त में रक़म क्या है

सजाओ बज़्म ग़ज़ल गाओ जाम ताज़ा करो
बहुत सही ग़म-ए-गेती शराब कम क्या है

लिहाज़ में कोई कुछ दूर साथ चलता है
वरना दहर में अब ख़िज़्र का भरम क्या है

बात बस से निकल चली है

दिल की हालत सँभल चली है

अब जुनूँ हद से बढ़ चला है

अब तबीअत बहल चली है

अश्क खूँनाब हो चले हैं

ग़म की रंगत बदल चली है

लाख पैग़ाम हो गये हैं

जब सबा इक पल चली है

जाओ, अब सो रहो सितारो

दर्द की रात ढल चली है

शांतिप्रिय नेवला

■ जेम्स थर्बर

सांपों के देश में एक ऐसा नेवला पैदा हो गया, जो सांपों से ही क्या, किसी भी जानवर से लड़ना नहीं चाहता था. सारे नेवलों में यह बात फैल गयी. वे कहने लगे, अगर वह किसी और जानवर से लड़ना नहीं चाहे, तो कोई बात नहीं, मगर सांपों से लड़ना और उनका खात्मा करना तो हर नेवले का फर्ज है.

'फर्ज क्यों?' शांतिप्रिय नेवले ने पूछा.

उसका यह पूछना था कि चारों ओर यह चर्चा फैल गयी कि वह न केवल सांपों का हिमायती और नेवलों का दुश्मन है, बल्कि नये ढंग से सोचने वाला और नेवला-जाति की परम्पराओं एवं आदर्शों का विरोधी भी है.

'वह पागल है.' उसके पिता ने कहा.

'वह बीमार है.' उसकी मां ने कहा.

'वह बुजदिल है.' उसके भाइयों ने कहा.

तब तो जिन नेवलों ने कभी उसे देखा नहीं था, उन्होंने भी कहना शुरू कर दिया कि वह सांपों की तरह रेंगता है, और नेवला-जाति को नष्ट कर देना चाहता है.

शांतिप्रिय नेवले ने प्रतिवाद किया- 'मैं तो शांतिपूर्वक सोचने-समझने की कोशिश कर रहा हूं.'

'सोचना गद्दारी की निशानी है!' एक नेवला बोल उठा.

'सोचना तो हमारे दुश्मनों का काम है' दूसरा नेवला चिल्लाया.

फिर तो यह भी अफवाह फैल गयी कि सांपों की तरह उस नेवले के भी जहर के दांत हैं. तब उस पर मुकद्दमा चला और बहुमत से उसे देशनिकाले की सजा दे दी गयी.

शिक्षा- जो दुश्मन के हाथों न मारा जाये, वह अपने ही लोगों के हाथों मारा जा सकता है.

■ फ़ैज़ अहमद फ़ैज़

याद की राहगुज़र जिसपे इसी सूरत से
मुद्दतें बीत गयीं हैं तुम्हें चलते-चलते
खत्म हो जाय जो दो-चार कदम और चलो
मोड़ पड़ता है जहाँ दश्त-ए-फ़रामोशी का
जिसके आगे न कोई मैं हूँ, न कोई तुम हो

साँस थामें हैं निग़ाहें, कि न जाने किस दम
तुम पलट आओ, गुज़र जाओ, या मुड़ के देखो
गरचे वाकिफ़ हैं निगाहें, के ये सब धोखा है
गर कहीं तुमसे हम-आग़ोश हुई फिर से नज़र
फूट निकलेगी वहाँ और कोई राहगुज़र
फिर इसी तरह जहां होगा मुकाबिल पैहम
साया-ए-ज़ुल्फ़ का और ज़ुंबिश-ए-बाजू का सफ़र

दूसरी बात भी झूठी है, कि दिल जानता है
यहाँ कोई मोड़, कोई दश्त, कोई राह नहीं
जिसके परदे में मेरा माह-ए-रवां डूब सके
तुमसे चलती रहे ये राह, यूँ ही अच्छा है
तुमने मुड़ कर भी न देखा तो कोई बात नहीं!

निदान

■ डॉ श्यामबाबू शर्मा

इंसान बनने के लिए
भेज दिए जाते हैं
बच्चे
बड़ी आशा विश्वास से
धीरे धीरे सीखते हैं
सबक सऊर संस्कार
और संविधान
बच्चे बड़े हो जाते हैं
करने लग जाते हैं
सवाल
समाज पर
संस्कृति पर
अर्थ अनर्थ अर्थ पर
वैधानिक बंटाधार पर
और अपनी योग्यता के
अधिकार पर
बच्चों में होता है पौरूष
आंदोलन का
आह्वान का
बच्चे नहीं रुकते
नहीं डरते आंधियों से
आग की तपिश से
इतने पढ़े लिखे शिक्षित
रोजगार के लिए लड़ते बच्चे
बच्चे भविष्य की नीव हैं
हर क्षेत्र की जरूरत हैं
राजनीति रैली
जय-जयकार के
कहां से आयेंगे बच्चे
अकुरी से फंसाये जाते हैं
फिर हांके जाते हैं
बेरोज़गार बच्चे
मजहबी बियाबान में
धीरे-धीरे निपटाए जाते हैं
बधिया करके
वैचारिकी के इंतकाल से
छटपटाते तड़पते
जिंदा लाशों से दिन काटते
बच्चों में भर दिया जाता है
नफरती फितूर
राष्ट्रवाद के विसिख से
सूखते बच्चे
समाज ने नहीं सोचा
तरकश तूणीर और
विसिख संधान पर
सौंप दिया देश
इतने बच्चे और इतने सवाल
वे क्या करते!
विचारों समझ को गढ़ने वाले
इंसान बनाने वाले
स्कूलों का निदान जरूरी था।

बिलासपुर जिले के सभी विधायक होने वाले विधानसभा सत्र में 4 सी एयरपोर्ट का मुद्दा उठाएं

बिलासपुर से महानगरों तक सीधी उड़ान की कमी भी आम जनता महसूस कर रही है

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति की अपील

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने 14 जुलाई सोमवार से प्रारंभ होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के मद्देनजर बिलासपुर जिले के सभी विधायकों से यह अपील और आग्रह किया है कि वह इस सत्र में बिलासपुर में 4 सी एयरपोर्ट बनाने का मुद्दा उठाएं। समिति ने कहा कि बिलासपुर क्षेत्र की जनता महानगरों तक सीधी उड़ान की मांग भी लंबे समय से कर रही है इसे भी सभी जनप्रतिनिधियों को जोर-शोर से उठाना चाहिए।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने बिलासपुर में हवाई सुविधा विस्तार के लिए आवश्यक तीन प्रमुख मुद्दों की मांग जनप्रतिनिधियों के सामने रखी है। पहला बिंदु रक्षा मंत्रालय और भारतीय सेना के कब्जे वाली जमीन का एयरपोर्ट प्रबंधन को हस्तांतरण है। इसमें सभी प्रकार की सैद्धांतिक सहमति रक्षा मंत्रालय दे चुका है और घोषित रूप से बिलासपुर में आने वाला सेना का ट्रेनिंग सेंटर प्रोजेक्ट रद्द कर दिया गया है।

कल 1012 एकड़ जमीन खाली और बेकार पड़ी है उसमें से एयरपोर्ट प्रबंधन को 290 एकड़ जमीन देने के बदले में रक्षा मंत्रालय ने 71 करोड रुपए की मांग की है। समिति का कहना है कि या तो राज्य सरकार 71 करोड रुपए जमा करके जमीन एयरपोर्ट प्रबंधन को दिलाई या फिर रक्षा मंत्रालय से उच्च स्तरीय चर्चा करके जो भी राशि कम हो सकती हो उसे कम करा कर जमीन वापस ले। किसी भी दृष्टि से मामले को लटकाए रखना उचित नहीं है। इसके अलावा हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने देश के चारों दिशाओं में कम से कम एक महानगर तक प्रतिदिन सीधी उड़ान की अपनी मांग पुन: दोहराई है। अभी दिल्ली और कोलकाता के लिए सप्ताह में 2 दिन सीधी उड़ान है इसके अलावा दिल्ली के लिए सप्ताह में चार दिन जबलपुर या प्रयागराज होकर उड़ान जाती है। परंतु दक्षिण भारत और पश्चिमी भारत के लिए कोई उड़ान उपलब्ध नहीं है। समिति ने कहा कि राज्य सरकार सभी निजी और शासकीय एयरलाइंस को आमंत्रित करके ओपन टेंडर के माध्यम से बिलासपुर से दिल्ली कोलकाता बेंगलुरु या चेन्नई और हैदराबाद मुंबई आदि शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू कराए। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर चल रहे नाइट लैंडिंग काम के भी धीमी गति पर आपत्ति जाहिर की है और कहां है कि इसकी साप्ताहिक मॉनिटरिंग करने के निर्देश जारी किए जाए।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का महा धरना आज भी जारी रहा।आज रवि बनर्जी ,डॉक्टर प्रदीप राही ,अनिल गुलहरे, मनोज श्रीवास, दीपक कश्यप ,समीर अहमद बबला, मजहर खान, राघवेंद्र सिंह ठाकुर, ओम प्रकाश शर्मा, प्रतीक तिवारी, गोपी राव, जसवीर चावला, देवेंद्र सिंह ठाकुर ,अशोक भंडारी, निलेश मंडेवार ,अमर बजाज, संदीप दुबे ,संतोष पीपलवा, चंद्र प्रकाश जायसवाल, गोपाल दुबे, केशव गोरख ,अकील अली, साबर अली और सुदीप श्रीवास्तव शामिल थे।

जीवन में बदलाव और बचाव के लिए जागरूकता जरूरी : राज्यपाल

आकांक्षी ब्लाक कोरबा व पोड़ी-उपरोड़ा में ली बैठक

कोरबा, 12 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने शनिवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात को बेहतर करने के लिये जुर्माना ही विकल्प नहीं है। लोगों का जीवन अनमोल है और जीवन की रक्षा के लिए जागरूकता भी जरूरी है। ऐसा होने पर ही हम जीवन मूल्यों को बेहतर कर सकेंगे।

दो दिन के प्रवास पर कोरबा जिले में आए राज्यपाल रामेन डेका ने पोड़ी-उपरोड़ा में अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने यह बात कही। राज्यपाल ने कहा कि योजनाओं के विषय में गाँव के लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें लाभान्वित करने व जीवन में बदलाव के लिए कार्यों की निगरानी जरूरी है। हर अच्छे कार्यों में जनप्रतिनिधियों का साथ अधिकारी ले। यह जागरूकता का ही परिणाम है कि लोग हाथों की अच्छे से सफाई और शौचालय का उपयोग करते हैं। राज्यपाल ने एसपी को यातायात जागरूकता हेतु कैंप लगाने के भी निर्देश दिए।

आकांक्षी ब्लॉक कोरबा और पोड़ी-उपरोड़ा के अधिकारियों की बैठक लेकर राज्यपाल ने अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की और प्रगति लाने व निर्धारित इंडिकेटर्स में सेचुरेशन के निर्देश दिए। राज्यपाल ने स्वास्थ्य अंतर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, आयुष्मान के माध्यम से उपचार, टीबी, हाइपरटेंशन, डाइबिटीज के मरीजों की पहचान करते हुए उनका समय पर उपचार और इसके रोकथाम के लिए जागरूकता लाने के निर्देश दिए। शाला त्यागी बच्चों को फिर से जोड़ने व 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या कैसे बढ़े इस पर काम हो। जल संरक्षण पर उन्होंने गंभीरता दिखाने की बात कही। शिक्षा का माहौल विकसित करने जिम, सामुदायिक भवन, लाइब्रेरी की स्थापना करने को भी कहा। उनका कहना था कि हर स्कूल, छात्रावास, अस्पताल तक पहुंच मार्ग होने चाहिए। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के अच्छे परिणाम आए इस पर ध्यान दिया जाए। कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि राज्यपाल द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ कुमार निशांत, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर, एसडीएम कोरबा, पोंड़ीउपरोड़ा सहित ब्लाक स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बादाम का पौध लगाया, बताया उपहार

राज्यपाल रामेन डेका ने जिला पंचायत परिसर में आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत बादाम के पौधे रोपित किए। साथ ही लगाए गए पौधे को सजीव बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह भावनात्मक लगाव दर्शाता है और पर्यावरण को स्वच्छ बनाता है। यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अनमोल उपहार है।

सहकार भारती की पहल पर छत्तीसगढ़ में नैनो डीएपी क्रांति

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ को देश का 'धान का कटोरा' के नाम से जाना जाता है। यहाँ की उपजाऊ मिट्टी, मेहनतकश किसान और सशक्त सहकारी तंत्र ने राज्य को खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी बनाया है। लेकिन बदलते समय में खेती महंगे उर्वरक, घटती मिट्टी की ताकत और बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों से जूझ रही है।

इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए सहकार भारती छत्तीसगढ़ ने राज्य शासन और सहकारी समितियों के सहयोग से नैनो डीएपी के उपयोग को गाँव-गाँव तक पहुँचाने की पहल शुरू की है। इस अभियान को सहकार भारती छत्तीसगढ़ के पैक्स प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक घनश्याम तिवारी और प्रदेश कोषाध्यक्ष रामप्रकाश केशरवानी सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

डीएपी यानी डाई-अमोनियम फॉस्फेट भारतीय कृषि में सबसे अधिक प्रयोग होने वाला उर्वरक है, परंतु इसके पारंपरिक कणों का पौधे पूरा उपयोग नहीं कर पाते, जिससे किसान की लागत बढ़ती है और मिट्टी की सेहत भी बिगड़ती है। नैनो डीएपी इसी समस्या का समाधान है, जो पारंपरिक डीएपी को नैनो तकनीक से सूक्ष्म बनाकर पौधों द्वारा तुरंत अवशोषित करवा देता है।

रामप्रकाश केशरवानी का मानना है कि सहकारी समितियाँ किसानों की रीढ़ हैं और इन्हीं के माध्यम से नैनो डीएपी को हर गाँव तक पहुँचाना संभव हो रहा है। छत्तीसगढ़ की लगभग 200 प्राथमिक कृषि

साख समितियाँ किसानों को खाद-बीज से लेकर ऋण और उपकरण तक उपलब्ध कराती हैं। अब इन्हीं के माध्यम से किसानों को नैनो डीएपी का सही उपयोग सिखाया जा रहा है।

शुरुआत में किसानों को नैनो डीएपी पर भरोसा नहीं था, लेकिन घनश्याम तिवारी और रामप्रकाश केशरवानी के नेतृत्व में गाँवों में प्रचार रथ, खेतों में डेमो और किसान चौपाल लगाकर किसानों को समझाया गया कि कम मात्रा में भी यह कितना असरदार है। जांजगीर के किसान रामप्रकाश साहू कहते हैं कि इस बार उन्होंने समिति से नैनो डीएपी लिया और कम खर्च में बेहतर हरियाली देखी।

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार नैनो डीएपी पौधों की पत्तियों और जड़ों में आसानी से घुल जाता है। इसे लीफ स्प्रे या सिंचाई के पानी में मिलाकर उपयोग किया जा सकता है, जिससे उर्वरक की बर्बादी रुकती है और मिट्टी की उर्वरक क्षमता भी सुधरती है। इफको ने इसके सफल फील्ड ट्रायल के बाद इसे बाज़ार में उतारा और छत्तीसगढ़ ने इसे सरकारी स्तर पर बढ़ावा देकर मिसाल पेश की है।

घनश्याम तिवारी और रामप्रकाश केशरवानी की योजना सिर्फ नैनो डीएपी तक सीमित नहीं है। उनका विज़न है कि नैनो यूरिया, ड्रिप सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और जैविक खेती को भी सहकारी तंत्र से जोड़ा जाए। पीएसीएस कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर गाँव-गाँव किसानों को जागरूक किया जा रहा है ताकि खेती टिकाऊ और किसान आत्मनिर्भर बन सके।

आज छत्तीसगढ़ में नैनो डीएपी की 1 लाख से अधिक बोतलें वितरित की जा चुकी हैं। अनुमान है कि 2025 तक नैनो डीएपी की खपत पारंपरिक डीएपी के मुकाबले 50 प्रतिशत तक पहुँच जाएगी। सहकार भारती छत्तीसगढ़ के इस मॉडल को देखकर अन्य राज्यों ने भी सहकारिता तंत्र से नैनो डीएपी पहुँचाना शुरू कर दिया है। यह बदलाव कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति का संकेत है, जो सहकारिता और विज्ञान के संगम से संभव हुआ है।

महाविद्यालय स्तरीय सलाहकार समिति बैठक का आयोजन

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। शासकीय ई. राघवेंद्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय बिलासपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 12 जुलाई को महाविद्यालय स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत संचालित किए जाने वाले वार्षिक कार्यक्रमों की योजना तैयार करना तथा उनके क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश देना रहा। बैठक के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार पाण्डेय रहे। उनके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएसएस जिला संगठक अधिकारी श्रीमती कान्ति अंचल, गोद ग्राम पंचायत बैमा के सरपंच श्री फत्तेलाल सूर्यवंशी, एवं विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. उषा राठौर एवं प्रो. शशिकांत राठौर (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी) ने की। बैठक में अतिथि गण के रूप में प्रो. राम लखन पाण्डेय, डॉ. विवेक तिवारी, डॉ. अरुण कश्यप, डॉ. अविनाश कुमार पाण्डेय एवं डॉ. रश्मि परिहार की गरिमामयी उपस्थिति रही। वरिष्ठ स्वयंसेवक वेद कुमार निषाद, राजकुमार प्रधान, श्रुति साहू एवं आँचल वर्मा ने भी आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई।

सीएससी के स्थापना दिवस पर राजेश को डिप्टी सीएम शर्मा ने किया सम्मानित

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। रायपुर के न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन में 11 जुलाई को सीएससी का 16वां स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमे पूरे छत्तीसगढ़ से कॉमन सर्विस सेंटर के अंदर चलने वाले चालीस सरकारी सेवाये जैसे लेबर पंजीयन, बैंकिंग सेवा, पासपोर्ट सेवा, आदि सेवाओं में जिन सीएससी वीएलई का एक्सीलेंट परफॉरमेंस रहा। उन्हे डिप्टी सीएम विजय शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बिलासपुर से राजेश नायर को पासपोर्ट सेवा मे छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा आवेदन भरने के लिए डिप्टी सीएम द्वारा मोमेंटों व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

किया गया। राजेश नायर ने इसका श्रेय अपने ऑफिस टीम कल्पना सिंह, विपिन रामटेके, लक्ष्मीप्रसाद पटेल, लव वर्मा, रेनू देवांगन, शिवेन्द्र मौर्य, रामचरण अहिरवार, चांदनी गोस्वामी व परिवार के सदस्य व ईडी एम विवेक सिंह को दिया है।

युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। मंगला के धुरिपारा निवासी युवक सुनील पटेल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताया है और कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वही पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है और सभी बिंदुओं पर जांच की बात कही गई है।

NECC

13.07.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	505	68	165
चिल्हर	6.50	90	190
डिलीवरी	520	सैकड़ा	

दर्जन अंडा 78 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.
CSPFA

जागरूक समाज ही सच्ची नागरिकता का कर्तव्य निभा सकती है

चेतना अभियान के तहत पुलिस का आत्मानंद स्कूल दयालबंद में वृहद आयोजन

बिलासपुर, 12 जुलाई (देशबन्धु)। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चेतना अभियान के तहत चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के विभिन्न चरणों के क्रम में जिला एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में समग्र छात्र जागरूकता अभियान का आज स्वामी आत्मानंद मल्टीपरपज हायर सेकंडरी स्कूल बिलासपुर से शुभारंभ किया गया। चेतना अभियान के विभिन्न सभी जागरूकता कार्यक्रम को समेकित रूप में प्रति शनिवार जिले के सभी विकासखंड में नियमित रूप से छात्र जागरुकता कार्यक्रम के रूप में आयोजित कर संचालित किए जाने हेतु निर्धारित किया गया है।

इसी क्रम में आज समग्र छात्र जागरूकता अभियान का विधिवत शुभारंभ कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह एवं अभ्यागतो के आगमन एवं नागरिक संगठनों, छात्र छात्राओं, माता-पिता, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकगणों की उपस्थिति एवं सहभागिता में प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ के पूर्व विद्यालय के मुख्य द्वार पर छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक अतिथियों का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा और आरती के साथ अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। अतिथियों को एन सी सी के स्काउट छात्राओं द्वारा पायलेटिंग कर मुख्य मंच तक लाया गया। तत्श्चात बालिकाओं द्वारा माँ सरस्वती वंदना के गुंजन के साथ अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात स्काउट गाइड के छात्रों के द्वारा मुख्य अभ्यागतों एवं अतिथियों को सम्मानपूर्वक मंचासीन किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण और पुष्प गुच्छ से किया गया। तत्श्चात

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे द्वारा स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम के उद्देश्य, रूपरेखा और मुख्य विषय के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन कर यातायात, साइबर, नशामुक्ति, नारी जागरण, महिला एवं बाल अपराध, मोबाइल एडिक्शन/ लत, चेतना शियान आदि पर आधारित नृत्य,गायन, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से उपस्थित छात्र छात्राओं एवं गणमान्य जनो को विशेष संदेश दिया गया। इस दौरान समुदाय की सहभागिता से कानून का क्रियान्वयन संभव है -यह बात सेजस मल्टीपरपज स्कूल दयालबंद में आयोजित समग्र छात्र चेतना अभियान के तहत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के आसंदी से संबोधन करते हुए कहा कि जागरुक समाज ही सच्ची नागरिकता का कर्तव्य निभा सकती है ये उद्गार विघार्थियों को संबोधित करते हुए रजनेश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सावधानी बरतने एवं सुरक्षित व संयम जीवन जीने हेतु संकल्प लेने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि द्वय कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने विषय आधारित जागरूकता के सम्बंध में छात्र-छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी । इस दौरान जिला न्यायालय से विशेष रूप से उपस्थित ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेड द्वितीय श्रेणी रिया चक्रवर्ती एवं जैन द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण में महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित विविध अपराधों के संबंध में विभिन्न प्रावधानों एवं उपबंधों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई । जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित विशेषज्ञो, मास्टर ट्रेनर एवं अतिथियों के द्वारा छात्र-छात्राओं को यातायात, महिला एवं बाल अपराध, साइबर अपराध, नशा उन्मूलन, मोबाइल की लत, पर्यावरण जागरूकता, सियान चेतना आदि विभिन्न विषयों पर आधारित विस्तृत चर्चा और व्याख्यान दिया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं से तत्सबन्ध में विभिन्न प्रकार के प्रश्नोत्तर करके बच्चों के प्रश्नों के जिज्ञासाओं को शांत भी किया गया बच्चों ने बड़ी तन्मयता और सक्रियता के साथ आज के इस विशेष कार्यक्रम का गंभीरता पूर्वक श्रवण किया। इस कार्यक्रम में जिला एवं पुलिस प्रशासन सहित महिला बाल विकास, आरटीओ, विधिक सेवा प्राधिकरण, शिक्षा विभाग एवं अन्य विभिन्न विभागों ने अति सक्रियता के साथ चेतना के सातों आयामों पर विस्तृत जानकारियां छात्र-छात्राओं को प्रदान करने हेतु कार्यक्रम को प्रत्येक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने एवं प्रत्येक स्कूल के छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के सातों चरण से अवगत कराए जाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के संबंध में विचार व्यक्त किये।

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771